

श्रीमत्ता कीजिये ? अपूर्व अवसर ?? हाथ से न जाय ??

पूज्य श्री १८०८ श्री जवाहिरतालजी महाराज के व्याख्यानों
द्वारा जो पुस्तकें निकलती हैं —

उनके पढ़ने से दश, जाति, नीति और जैन धर्म के गूढ़ रहस्यों के साथ साथ
परोपकार वृत्ति का प्रसार होता है तथा जैसे-जैसे इन देवी गुणों को
सत्ता बढ़ती जायगी वैसा वैसा संसार की पादारूप आसुरी
भावों का मूलोच्छेद होता जायगा ।

यदि आप ऐसे २ अनेक ग्रंथों को पढ़ना चाहत हों तो आज ही जीवन
कार्यालय अमरेर के स्थायी ग्राहक बनकर एक रुपया और ज्यादा
जमाकर देंगे तो आपको यह पुस्तकें मुक्त दोस्त द्वारा बराबर मिल जायगी
और इससे धर्म की भी वृद्धि होगी तथा समय पर पुस्तकें भी मिलेगी
रुपया पूरा होने पर हिसाब भेज दिया जायगा ।

आज तक दयादान सम्बन्धी अपूर्व सर्क वितर्क से परिपूर्ण
एसी पुस्तकें जैन समाज में प्रकाशित नहीं हुई हैं
संस्थापक समाज ने इन पुस्तकों को वाकान्वेय मन्त्रमंड से जन्म कराने के
लिये दो दो बार तन, मन धन, से महान प्रयत्न किया किंतु दया धर्म
प्रेमी सरकार ने दया धर्म के सिद्धांतों की पूर्ण रक्षा की है ।

“सर्वर्म महान” (१२०० ६४ क अराज का प्रय २० १) में ।

‘चित्रमय धनुस्त्रया चित्त्वार’ (जिनमें दयादान सम्बन्धी २०
चित्र रहेंगे) इसका मूल्य आठ धान ।

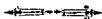
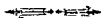
यह पुस्तकें अपने से पहिले ही इस मूल्य में मिल सकेंगी बाद में
नहीं दी जायगी इसलिये अभी से अपना और अपने
मित्रों का नाम ग्राहकों की श्रेणी में लिखा दें ।

जीवन ग्रन्थमाला

चौकनेर

जीवन ग्रन्थमाला का १६ वाँ पुष्प

उक्काई मुक्क मूल फाट



मुख्य

सन् १९३४ }

चार आना

{ प्रथमावृत्ति
६००

प्रकाशक

द्योतेलाल यति

जीवन कार्यालय अजमेर



मुद्रक

नथमल लुणिया

आदर्श प्रेस, अजमेर १७० ७ ३६

संचालक-जीतमल लुणिया

उक्काई सूक्तं (पदमोपांगं)



(सूत्र१) तेण कालेण तेण समण चपा नामनयरी
 होत्था, रिद्धत्थिमियसमिद्धा पमुइयजणजाणवया
 आइएणजणमणूसा हलमयमहस्समकिट्ठविकिट्ठलट्ठ
 पणत्तसेउसीमा कुक्कुटसडेयगामपउरा उच्छुजव-
 सालिकलिया गोमहिमगवेलगप्पभूया आयावत
 चेइयजुवइयिविहसण्णिविट्ठयट्टला उक्कोडियगायग
 ठिभेयगभट्ठतक्कासडरक्खरहिया रोमा णिरुइया
 सुभिक्खवा चीमत्थसुहावासा अणेगकोडिकुट्टनि-
 याइएणणिब्बुयसुहा णडणट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलधग-
 कट्ठगपवगलासगआइस्सवगलखमवत्तण्ड ल्लतुवची-
 णियअणेगतालायराणुचरिया आरामुज्जाणअगट्ठत-
 लागदीहियवप्पिणिगुणोववेया नदणवणसन्निभप्प
 गासा उन्विद्धप्पिउलगभीरग्गायफलिहा चक्कगयमु-
 सुट्ठिओरोहसयग्घिजमलकपाडघणट्टप्पवेसा धणुकु-
 छिलवंकपागारपरिस्सित्ता कविसीमयवट्ठरइयस-
 ठियविरायमाणा अट्टालयचरियदारगोपुरतोरण-
 उणयसुविभत्तरायमग्गा छेयायरियरइयदढफलिह-

इदकीला चिवणिचणिछेयसिप्पियाडणणि बुयसुहा
 मिंघाडगतिगचउक्कचवरपणिघावणचिवहवत्थुपरि
 मडिया सुरम्मा नरवइपविइणमहिचइपहा अणे
 गवरतुरगमत्तकुजररहपहकरसीयसदमाणीआइण-
 जाणजुग्गा विमउलणयणलिणिस्सोभिचजला पडुर-
 थरभवणसरिणमहिघा उत्ताणणयणपेच्छणिज्जा
 पासादीया दरिमणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥

सू० (२) तीसे ण चपाए णवरीण घहिया
 उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाण पुण्णभद्दे ण।म वेइण होत्था,
 चिराईण दुब्बपुरिसपण्णत्ते पोराणे सदिण चित्तिण
 कित्तिण णाण सच्छत्ते सज्झण सघण्ठे सपडागे
 पडागाइपडागमडिण सलोमहत्ये कयवेपहिण लाड-
 लोइयमहिण गोसीसमरसरत्तचदणदहरदिरणपचगु-
 लितले उवचियचदणकलसे चदणघडसुकयतोरण-
 पडिदुवारदेसभाण आभत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारिय-
 मल्लदामकलावे पचवरणसरमसुरहिमुक्कपुप्फपुजो-
 वधारकलिण कालागुरुपवरक्कुदुरुत्तुक्कधूवमघमघ-
 तगधुद्धयाभिरामे सुगधवरगधगधिण गधवट्ठिभूए
 णटण्हगजल्लमल्लमुट्ठियवेलवयपवगकल्लगलासग आ-
 इस्सवगल्लमल्लतृणइल्लतुवधीणिमभुयगमागहपरिग-
 गयट्टजणजाणवयस्स विस्सुयकित्तिण बट्टजणस्स

आहुस्स आहुणिज्जे पाहुणिज्जे अरुचणिज्जे चंद-
णिज्जे नमसणिज्जे पूयणिज्जे सक्कारणिज्जे सम्मा-
णाणिज्जे कल्लाणं भंगलं देवयं चेइय विणएणं पज्जु-
वासणिज्जे दिव्वे सच्चे सच्चोवाए सणिहियपा-
टिहेरे जागसहस्सभागपडिच्छए बहुजणो अरुचेइ
आगम्म पुण्णभद्द चेइय पुण्णभद्द चेइय ॥

(सू० ३) से ण पुण्णभद्दे चेइए एक्केण महया
वणसंडेण सव्वओ समंता सपरिक्खित्ते, से ण
वणसडे कियहे कियहोभासे नीले नीलोभासे हरिए
हरिओभासे सीए सीओभासे णिद्धे णिद्धोभासे
तिव्वे तिव्वोभासे कियहे कियहच्छाए नीले नील
च्छाए हरिए हरियच्छाए सीए सीयच्छाए णिद्धे
णिद्धच्छाए तिव्वे तिव्वच्छाए घणकडिअरुडि-
च्छाए रम्मे महामेहणिकुरवभूए ।

ते ण पायवा मूलमतो कदमतो खंधमतो
तयामतो सालमतो पवालमतो पत्तमतो पुप्फमतो
फलमतो बीयमतो अणुपुव्वसुजायरइलवट्टभाव-
परिणया एक्कखधा अणेगसाला अणेगसाहप्पसाह-
विडिमा अणेगनरवामसुप्पसारिय अग्गेज्झवणवि-
उलवट्टखधा अच्छिद्धपत्ता अविरलपत्ता अवार्डण-
पत्ता अणईअपत्ता [] निद्धूयजरट्टपट्टपत्ता एवह-

रियभिसतपत्तभारधधारगभीरदरिसणिज्ञा उवणि
 गगयणउतरुणपत्तपल्लवकोमलज्जलचलतफिसलय
 सुकुमालपवालमोहियउरकुरग्गमिहरा णिच्च कुसु-
 मिया णिच्च माइया णिच्च लवइया णिच्च यव-
 इया णिच्च गुलइया णिच्च गोच्छिइया णिच्च जम-
 लिया णिच्च जुवलिया णिच्च विणमिया णिच्चं
 पणमिया णिच्च कुसुमियमाइयलवइयधउइयगुलइय-
 गोच्छिइयजमलियजुवलियविणमियपणमियसुविभ-
 त्तापिंडभजरिचडिसयधरा सुयवरहिणमयणसालको-
 इल कोहगकभिगारगकोडलगजीवजीवगणदीमुहक-
 विलपिगलउग्गकारडचववायकलहससारसअणे-
 गसउणगणमिहणविरइयसइदुणइयमहुरमरणाइण
 मुरम्मे नापिडि यममरमउपरि कार
 तावपयकुरुमासवलोतामहुरगुमगुमतगु
 अन्मितरपुष्कफले याहिरपत्तोउरणे

अणेरगरज्जाणजुग्गसिवियपरिमोयणा सुरम्मा पा-
सादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥

(सू० ४) तस्म ण वणसडस्म बह्मज्झदेम-
भाए एत्थ ण मह एक्के अमोगवरपायवे, परणत्ते
[] कुमविकुमविसुद्धरुग्गमूले मूलमते कंदमंते
जाव परिमोयणे सुरम्मे पासादीण दरिसणिज्जे
अभिरूवे पडिरूवे ।

से ण अमोगवरपायवे अणणेहि बह्महि तिल-
णहिं लडणहिं छत्तोवेहि सिरीसेहि मत्तअणणेहि
दरिवणणेहि लोद्वेहि धवेहिं चदणेहि अज्जुणेहिं
णीवेहि कुडणहिं कलवेहि मब्बेहि फणसेहि दाडि-
मेहिं सालेहि तालेहिं तमालेहिं पियणहिं विघणहिं
पुरोवगेहिं रायग्गवेहिं णदिग्गवेहिं सब्बओ
समता सपरिक्खित्ते ।

ते ण तिलया लवइया जाव णदिग्गवा कुस-
विरुसविसुद्धरुग्गमूला मूलमतो कदमंतो एणसि
चरणओ भाणियव्वो जाव मित्रियपरिमोयणा सुर-
म्मा पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ।

ते ण तिलया जाव णदिरूखा अणणेहिं बह्महिं
पउमलयाहिं णागलयाहिं असोअलयाहिं चपगल-
याहिं चूपलयाहिं वणलयाहिं वासतियलयाहिं

रियभिमंतपत्तभारभयारगभीरदरिमणिज्जा उचपि
 गगयणपतमणपत्तपल्लयकोमलउज्जलचलत्तफिसलय
 सुकुमालपवालसोहियवरकुरगगसिहरा णिच्च कुसु-
 मिया णिच्च माइया णिच्च लवइया णिच्च थव-
 इया णिच्च गुलइया णिच्च गोच्छिइया णिच्च जम-
 लिया णिच्च जुवलिया णिच्च विणमिया णिच्चं
 पणमिया णिच्च कुसुमियमाइयलवइयथउदयगुलइय-
 गोच्छिइयजमलियजुवलियविणमियपणमियसुविभ-
 त्तापिटभजरिचडिमयधरा सुयवरहिणमयणसालको-
 इल मोहगकभिगारगकोडलगजीवजीवगणदीसुहक-
 विलपिगलरूपगकारडचक्कनायकलहससारसअणे-
 गसउणगणमिहृणविरइयसदुदुणइयमहुरसरणाइण
 सुरम्मे मपिडियदरियभमरमहुयरिपहकरपरिलिन्तम-
 तावप्पयकुसुमासबलोलमहुरगुमगुमतगुजतदेसभागे
 अरिभतरपुष्कफले वाहिरपत्तोच्छउण्णे पत्तेहि य
 पुष्केहि य उच्छरणपडियलिच्छरणे भाउफते निरो
 यण अटण णाणाविहगेच्छगुम्ममडवगरम्मसोहिण
 विचित्तसुहकेउभूण वाचीपुग्गरिणीदीहियासु य
 सुनिपेसिय रम्मजालहरण, पिडिमणीहारिमसुगवि
 सुहसुरभिमणहर च महया गधद्वणि सुयता
 णाणाविहगुच्छगुम्ममडवगघरगसुहमेउकेउयहुला

अणेगरहजाणजुग्गसिवियपरिमोयणा सुरम्मा पा-
सादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥

(सू० ४) तस्म ण वणसडस्स बट्टमज्झदेस-
भाण एत्थ ण मह एक्के असोगवरपायवे, एणत्ते
[] कुमविकुसविसुद्धरुक्खमूले मूलमते कदमते
जाव परिमोयणे सुरम्मे पामादीण दरिसणिज्जे
अभिरूवे पडिरूवे ।

से ण अमोगवरपायवे अण्णेहि बट्टहि तिल-
गहि लउणहि छत्तोवेहि सिरीसेहि मत्तवण्णेहि
दहिवण्णेहि लोद्धेहि धवेहि चदण्णिं अज्जुणेहि
णीवेहिं कुडणहि कलपेहिं मब्बेहि फणसेहिं दाडि-
मेहिं सालेहि तालेहि तमालेहि पियणहिं पियगहि
पुरोवगेहि रायक्खणेहि णदिरुक्खेहिं सब्बओ
समता मपरिक्खित्ते ।

ते ण तिलया लवइया जाव णदिरुक्खा कुस-
विकुसविसुद्धरुक्खमूला मूलमतो कदमतो एणसि
वण्णओ भाणियवओ जाव सिवियपरिमोयणा सुर-
म्मा पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ।

ते ण तिलया जाव णदिरुक्खा अण्णेहिं बट्टहिं
पउमलयाहि णागलयाहि असोयत्तयाहि चपगल-
याहिं चूयलयाहिं वणलयाहि वासतियलयाहिं

अहमुत्तायलपारि कुदलपारिं सामलपारिं सब्वओ
समता सपरिरित्ता ।

ताओ ण पउमलयाओ णिच्च कुसुमिगाओ
जाव चटिसयधरीओ पासादीयाओ दरिसणिज्जाओ
अभिरूवाओ पडिरूवाओ ॥

(सू० ५) तस्स ए असोगवरपापवस्स हेट्ठा
ईसिं राघसमल्लीणे एत्थ ण मह एक्केपुढविसिलापट्टण
पणत्ते, विक्खभायामउस्सेहसुप्पमाणे किरहे
अजणघणकिराणकुबलपहलधरकोसेज्जागासके
सरुज्जलगीखजणसिगभेदरिद्वयजवूफलअसणसक-
णवंधणणीलुप्पलपत्तनिकरअयसिकुसुमप्पगासे मर-
णयमसारकलित्तणयणकीयरामिउण्णे णिद्वघणे
अट्टमिरे आयमयतलोवमे सुरम्मे ईहामियउसभतु-
रगनरमगरविहगवालगाकिण्णररुसरभचमरकुजर
चणलयपउमलयभत्तिचित्ते आईणगरुयवूरणवणीय
तूलफरिमेमीहा सणसठिए पामादीए दरिसणिज्जे
अभिरूवेपाडिरूवे ॥

(सू० ६) तत्थ ण चपाए णयरीए कृणिएणामं
राया परिवसइ, मत्थ्याहिमवतमहतमलयमदरमहिं-
दसारे अच्चतविसुद्धदीहरायकुलवससुप्पसूण णिर-
तर रायलक्खणविराइयगमगे वट्टजणवट्टमाणपूहए

सर्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुहए मुद्धाहिसित्ते माउपि-
उसुजाए दयपत्ते सीमकरे सीमंधरे खेमकरे खेमधरे
मणुस्सिदे जणवयपिया जणवयपाले जणवयपुरोहिए
सेउकरे केउकरे णगपवरे पुरिसवरे पुरिससीहे पुरि-
सवग्गे पुरिसासीग्गिसे पुरिसपुडरीण पुरिसव
गघहत्थी अड्ढे दित्ते त्रित्ते विच्छिण्णविउलभवण
सयणामणजाणवाहणाइएणे बहुधणबहुजायरुवरय
णआश्रोगपश्रोगसपउत्ते विच्छिद्धियपउरभत्तपाणे
बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूए पडिपुण्णजत
कोसकोट्टागाराउधागारे यलव दु-बलपच्चामित्ते
ओहयकटय निहयकटय मलियकटय उद्धियकटय
अकटय ओहयसत्तु निहयसत्तु मलियसत्तु
उद्धियसत्तु निज्जियसत्तु पराइयसत्तु ववगय-
दुब्भिरस मारिभयविप्पमुक्क खेमसिव सुभिकव
पसतडिंवटमर रज्ज पसासेमाणे बिहरइ ॥

(मृ० ७) तस्स ण कोणियस्स रण्णो धारिणी
णाम देवी होत्था, सुकुमालपाणिपाया अहीणपडि-
पुण्णपच्चिंदियसरीरा लक्खणवं जणगुणोववेयामाणु-
म्माणप्पमाणपडिपुण्णसुजायसर्वगसुदरगी ससि
सोमाकारकंठपियदमणा सुरुवा करयलपरिमियपस-
त्थतिवली मलियमज्झा कुडलुल्लिहियगंडलेहा कोमु

इय। यणियरमिमलपडिपुण्णमोमवयणा मिंगारांगार-
 चाम्पेसा सगयगयहसियभणियविहियविलासमल
 लियसलावणिउणजुत्तांवयारकुसला [सुन्दरयणज-
 घणवयणकरचरणनयणलाउणविलासकलिया] पा-
 सादीया दसिमिज्जा अभिरूया पडिरूया, कोणि
 एण। एणा भममारपुत्तेण सद्धिअणुरत्ता अविरत्ता
 इहे सद्धकरिसरमरुवगघे पचविहे माणुस्सए काम-
 भोण पच्चणुअउमाणी जिहरइ ॥

(सू० ८) तस्म ण कोलियस्स रणो णकेपुरिसे
 धिउलकयवितिण भगवओ पवित्तिवाउए भगवओ
 तद्देवसिध पवित्ति णिवेदेइ ।

तस्स ण पुरिसस्स बहवे अण्णे पुरिसा दिरण-
 भतिभत्तवेअणा भगवओ पवित्तिवाउया भगवओ
 तद्देवमिय पवित्ति णिवेदेति ॥

(सू० ९) तेण कालेण तेण भमएण कोणिणराया
 भममारपुत्ते वाहिरियाण उउट्टाणसालाण अणेमग-
 णणागदडणायगराईसरतलवरमाडधियकोडुवियम-
 तिमहामनिगणगदोवारियअमच्चचेडपीढमहनगरनि-
 गममेट्टिसेणावइसत्थवाहदूयसधियालसद्धि सपरि-
 चुडे चिदहरइ ॥

(सू० १०) तेण कालेण तेण समण्ण समणे
 भगव महावीरे आइगरे तित्थगरे सहसंबुद्धे पुरि-
 सुत्तमे पुरिससीहे पुरिमवरपुंडरीण पुरिसवरगध-
 हत्थी अभयदण चरुखुदण मग्गदण सरणदण जीव-
 दण दीवो ताण सरण गटं पडट्टा वम्मवरचाउरत-
 चक्खवट्ठी अप्पडिहयउरनाणदमणधरे वियट्ठच्छउमे
 जिणे जाणए तिण्णे तारण मुत्ते मोयण बुद्धे बोहए
 मन्वण्ण मन्वदरिसी सिवमयलमरुयमणतमक्खवय
 मन्वावाहमपुणरावत्तिथ सिद्धिगइणामधेय ठाणं
 मंपाविउकामे अरहा जिणे केवली सत्तहत्थुस्मेहे
 ममचउरंससठाणसठिण वज्जरिसहनारायसवयणे
 अणुलोमवाउवेगे ककग्गहणी कवोयपरिणामे सउ-
 णिपोसपिट्ठतरोरुपरिणण पउमुप्पलगधसरिसनि-
 स्साससुरभिवयणे ध्वी निरायरुउत्तमपसत्थअह-
 सेयनिरुचमपले जल्लमल्लकलक्खमेयरयदोसवज्जियम-
 रीरनिरुवलेवे छायाउज्जोइयगमगे घणगिचियसुचद्ध-
 लक्खणुणयकूटागारनिभपिडियग्गसिरण साम-
 लियोटघणनिचियच्छोडियमिउविसयपमत्थसुट्ठम-
 लक्खणसुगधसुदरभुयमोयगभिग्गनेलरुज्जलपहिट्ठ-
 भमरगणणिद्धनिकुरुननिचियकुचियपयाहिणावत्त-
 सुद्धमिरण दालिमपुक्कप्पगासतवणिज्जसरिसनिम्म-

लसुणिद्धकेसतकेसभूमी घण (निचिय) [] छत्तागारुत्त-
 मगदेसे णिव्वणसमलट्टमट्टचद द्वममणिटाले उड्डवइ-
 पडिपुण्णसोमवयणे अल्लीणपमाणजुत्तसत्रणे सुस्स
 वणे पीणमसलकवोलदेसभाए आणामियचावइल-
 किएहवभराइतणुमिणणिद्धभमुहे अवदालियपुड-
 रीयणयणे कोयासियधवलपत्त जच्छे गरुलायतउज्जु-
 तुगणासे उचियसिलप्पवालविंषफलसण्णिभार-
 रोठ्ठे पटुर समिसयलविमलणिम्मलसखगोम्बीर-
 फेणकुददगरयमुणालियाधउलदतसेढी अम्बडदते
 अप्फुडियदते अविरलदते सुणिद्धदते सुजायदते
 एगदतसेढी विअ अणेगदते हुयवहणिद्ध तधोयन
 त्ततवणिज्जरत्ततलतालुजीहे अवट्टियसुविभत्ताचि
 त्तमसू मसलसठियपमत्थसद्दूलविउलहणुए अउर
 गुलसुप्पमाणकनुवरसरिसग्गीवे चरमहिस उराहसो-

लेहे चक्षपाणिलेहे दिसासोत्थिपपाणिलेहे चटसूर-
संरचक्षदिसासोत्थिपपाणिलेहे कणगसिलायलुज्ज
लपसत्थसमतलउचचियविच्छिणपिटुलवच्छे सि-
रिवच्छक्षियवच्छे अकरडुयकणगरुययनिम्मलसु-
जायनिरुवहयदेहधारी अट्टसहस्सपडिपुण्णवरपुरि-
सलक्खणधरे सणयपासे संगयपासे सुदरपासे
सुजायपामे मियमाइयपीणरइयपासे उज्जुयसमस-
हियजच्चतणुकसिणणिद्धआइज्जलटहरमणिज्जरो-
मराई भूसविहगसुजायपीणकुच्छी भूसोयरे सुह-
करणे पडमवियडणाभे गंगावत्तगपयाहिणावत्ततर-
गभगुररविकिरणतरुणबोहियअकोसायतपडमगभी-
रत्रियडणाभे साहयसोणदमुसलदप्पणणिकरियवर-
कणगच्छरुसरिसवरवहरवलियमज्जे पमुहयवरतुर-
गसीहवरवट्टियकडी वरतुरगसुजायसुगुज्जभदेसे
आइणणहउव्व णिम्बलेवे वरचारणतुल्लविक्कमविल
सियगई गयमसणसुजायसन्निभोरु समुग्गणिम-
ग्गगूढजाण एणीकुरुविंदावत्तवट्ठाणुपुव्वजघे सठिय-
सुसिलिद्ध विमिद्ध गूढगुप्फे सुप्पइट्ठियकुम्भचारु
चलणे अणुपुव्वसुसहयगुलीण उणयतणुतवणिद्ध
णक्खे रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालकोमलतले अट्टसह-
स्सवरपुरिसलक्खणधरे नगनगरमगरसागरचक्कवरं-

लसुणिद्वये सतके सभूमी घण (निचिय) [] उत्तागारुत्त-
 मगदेसे णिव्वणसमलट्टमट्टचदद्वसमणिडाले उट्टवइ-
 पट्टिपुण्णसोमवयणे अलीणपमाणजुत्तसवणे सुस्स
 वणे पीणमसलरुवोलदेसभाए आणामियचायरुइल-
 किएहम्भराहतणुकसिणणिद्वभमुहे अवदालियपुड-
 रीयणघणे कोयासियप्रवलपत्त तच्चे गरुलायतउज्जु-
 तुगणासे उवचियसिलप्पवाल्लिप्पफलसणिभाह-
 रोठ्ठे पट्टर समिसयलविमलणिम्मलसम्भगोस्वीर-
 फेणकुददगरयमुणालियाधवलदतसेढी अगट्टदते
 अप्पुडियदते अत्रिलदते सुणिद्वदते सुजायदते
 एगदतमेढी विव अणेगदते इयवहणिद्व नधोयत-
 त्ततवणिज्जरत्ततलतालुजीहे अवट्टियसुविभत्तचि
 त्तमसू मसलसठियपमत्थसद्दूलविउलहणुण चउर-
 गुलसुप्पमाणरुववरसरिसगीवे वरमहिस पराह सो-
 हसद्दूलउसभनागवरपट्टिपुण्णविउलसम्भे जुगस-
 न्निभपीणरइयपीररपउट्टसुसठियसुसिलिह्विसिह्व-
 घणथिरसुवद्वसधिपुरवररुलिहवट्टियमुए सुयईस-
 रविउलभोगआयाणवल्लिहउच्छूददीहयाह रत्ततलो
 वइयमउयमसलसुजायलक्खणपसत्थअच्छिउहजाल-
 पाणी पीवरकोमलवरगुली आयत्तधतलिणमुइरुइ-
 लणिद्वणरुवे चदपाणिलेहे सूरपाणि लेहे सखपाणि-

लेहे चक्षपाणिलेहे दिसासोत्थिपपाणिलेहे चदसूर-
सखचक्षदिसासोत्थिपपाणिलेहे कणगसिलायलुज्ज
लपसत्थसमतलउवचियविच्छिणपिटुलवच्छे सि-
रिवच्छक्षियवच्छे अकरडुयकणगरुययनिम्मलसु-
जायनिरुवहयदेहधारी अट्टसहस्सपडिपुणवरपुरि-
सलक्खणधरे सणयपासे संगयपासे सुदरपासे
सुजायपामे मियमाइयपीणरइयपासे उज्जुयसमस-
हियजच्चतणुकसिणणिद्धाहज्जलडहरमणिज्जरो-
मराई भसविहगसुजायपीणकुच्छी भसोयरे सुह-
करणे पउमवियडणाभे गगावत्तगपयाहिणावत्ततरं-
गभंगुररविकिरणतरुणयोहियअकोसायतपउमगभी-
रवियडणाभे साहयसोणदमुसलदप्पणणिरुरियवर-
कणगच्छरुसरिसवरवइरवलियमज्जे पमुइयवरतुर-
गसीहवरवट्टियकडी वरतुरगसुजायसुगुज्जभदेसे
आइएणहउव्व निरुवलेवे वरवारणतुल्लविक्रमयिल
सियगई गयनसणसुजायसन्निभोरु समुग्गणिम-
ग्गगूढजाणू एणीकुरुविदावत्तवट्टाणुपुव्वजघे सठिय-
सुमिलिद्ध विमिद्ध गूढगुप्फे सुप्पइट्ठियकुम्भचान्
चलणे अणुपुव्वसुसहयगुलीण उणयतणुतवणिद्ध
णक्खे रत्तुप्पलपत्तामउयसुकुमालकोमलतले अट्टसह-
स्सवरपुरिसलक्खणधरे नगनगरमगरसागरचक्षरुवरं-

गमगलकिषचलणे त्रिसिद्धरूवे द्रुयवहनिधूमजलि-
 यतद्वितद्वियतरुणरविकिरणसरिसनेण अणासवे
 अममे अकिंचणे छिन्नमोण निरुयलेये ववगयपेमरा-
 गदोसमोहे निग्गथस्स पयपणस्म देमए सत्थनायगे
 पइट्ठावए ममणमपई ममणगविंदपरिअट्ठए चउत्ती-
 सवुद्धवयण, इस्संमपत्ते पणतोससच्चययणाइमेस-
 पत्ते आगासगएण चक्खेण आगासगएण छत्तेण
 आगाभिघाहि चामराहि आगासफालियामण्ण
 मपायवोद्वेण सीहासणेण धम्मज्झण्ण पुराओ पक
 द्विज्जमाणेण (चउइसहि ममणसाहस्सोहि छत्ती-
 साण अज्जियामाहस्सोहि) मधिंदमपरिवुडे पुट्ठा-
 णुपुट्ठिव चामाणे गामाणुग्गाम दूइज्जमाणे सुहसुहेण
 विहरमाणे चवाण णपराए बहिषा उयणगरग्गाम
 उवागए चप नारिपुएण भइ चेइय समोसरिउकामे॥

(सू. ११) तण्ण से पवित्तिपाउण इमीसे
 कहाण लद्धे समाने इट्ठ तुट्ठचित्तमाणदिए पीइमणे
 परमसामणस्सिण हरिसवसविसप्पमाणहियण एहाण
 कयपलिगम्मेकयकोउयमगलपायछित्तोसुट्ठप्पावेसाइ
 मगलाइ वत्थाइ पयरपरिहिण्ण अप्पमहग्घाभरणात्त-
 कियसरीरे सयाओ गिहाओ पट्ठिणिग्गवमइ मयाओ
 गिहाओ पट्ठिणिग्गवित्ता चवाण णयरीण मज्झ

मज्जेण जेणेव कोणियस्त रणो गिहे जेणेव घा-
हिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव कूणिए राया भभ-
मारपुत्ते तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छिता
करयलपरिगहियं सिरसावत्त मत्थए अजलि कट्टु
जण विजएण वद्धावेइ २ एव वयासीः—

जस्स णं देवाणुप्पिया दसण कखति जस्म ण
देवाणुप्पिया दसणं पोत्ति जस्स ण देवाणुप्पिया
दसण पत्थति जस्म ण देवाणुप्पिया दसण अभि-
लसति जस्स ण देवाणुप्पिया णामगोयस्सवि सव-
णयाए ढट्ठतुट्ठ जाव हियया भवति, से ण समणे
भगव महावीरे पुब्बाणुपुब्बि चरमाणे गामाणुग्गाम
दूइज्जमाणे चपाए णयरीए उवणगरग्गाम उवागए
चप णगरि पुण्णभद्द चेइय समोमरिउक्कामे, त
एव देवाणुप्पियाण पियट्ठयाए पिय णिवेटेमि, पियं
ते भवउ ॥

(सू० १०) तए ण से कूणिए राया
भभसारपुत्ते तस्स पचित्तिवाउयस्स अतिए
एयमट्ठ मोचा निसम्भ ढट्ठतुट्ठ जाव हियए]
वियसियउरकमलणयणवयणे पयलिवरकडगुडि-
यकेयूरमउडकूडलहारविरायतरइयवच्छे पालवपल
वमाणघोलतभूसणधरे ससभभ तुरिय चवल नरिदे

सीहासणाओ अन्मुट्टेइ २ ता पायपीढाओ पच्चो-
 रुहइ २ ता [चेन्नलियवरिठ्ठरिठ्ठअजणनिउणोविय-
 मिसिमिसितमणिरयणमडियाओ] पाउयाओ
 ओमुयइ २ ता अघहट्टु पच रायककुहाइ , तजहाः -
 (१) खग्ग (२) छत्त (३) उप्फेस (४) वाहणाओ
 (५) बालवीयण णगसाडिय उत्तरासग करेइ २ ता
 आयते चोक्खे परमसुइभूण अजलिमउलियगहत्थे
 तित्थगराभिमुहे मत्तठ्ठ पयाड अणुगच्छइ सत्तठ्ठ
 पयाइ अणुगच्छित्ता वाम जाणु अचेइ वाम जाणु
 अचेत्ता दाहिण जाणु धरणितलसि साहट्टु तिक्खु-
 त्तो मुद्धाण धरणितलमि निवेसइ २ ता ईसिं पच्चु-
 णमइ पच्चुणमित्ता कडगतुट्टियथभियाओ
 मुयाओ पडिस्ताहरइ २ ता करयल जाव कट्टु
 एव वयासी —

णमोऽत्थु ण अरिहताण भगवताण आइगराण
 तित्थगराण सयसमुद्धाण पुरिसुत्तमाण पुरिससी-
 हाण पुरिसिवरपुडरीयाण पुरिसवरगघट्थीणलोगुत्त
 माण लोगनाहाण लोगहियाण लोगपईवाण लोगप-
 ज्जोयगराण अभयदयाण चरुखुदयाण मग्गदयाण
 मरणदयाण जीवदयाण घोहिदयाण धम्मदयाण
 धम्मदेसयाण धम्मनायगाण धम्मसारहीण धम्मवर-

चाउरतचक्कवट्ठीणं दीवो ताण सरणं गई पइट्ठा अप्प-
 डिह्यवरनाणदसणधराण वियदृच्छउमाण जिणाण
 जावयाण तिरणाण तारयाण बुद्धाण बोहयाण मुत्ताण
 मोयगाणं मव्वणूण सव्वदरिसीण सिवमयलमरुय-
 मणतमक्खमव्वा बाह्मपुणरावत्ति सिद्धिगइणा-
 मधेयं ठाणं सपत्ताणं, नमोऽत्यु,ण समणस्स भगवओ
 महावीरस्स आदिगरस्स तित्थगरस्स जाव सपावि-
 इकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवदेसगस्स, वदामि
 ण भगवत्त तत्थ गय इहगण, पासउ मे [समे] भगव
 तत्थगण इहगयति कट्ठुवदइ णमसइ वदित्ता णमसित्ता
 सोहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे निसीयइ, निसीइत्ता
 तस्स पवित्तिवाउयस्स अट्ठुत्तर सयसहस्सं पीइदाण
 दलयइ, दलइत्ता सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता
 सम्माणित्ता एवं वदासी—

जया ण देवाणुत्पिया ! समणे भगव महावीरे
 इहमागच्छेज्जा इह समोसरिज्जा इहेव चपाण णय-
 रीण घट्टिया पुण्णभद्दे चेइए अहापटिस्सव उग्गहं
 उग्गिणिहत्ता [अरहा जिणे केवली समणगण-
 परिवुडे] सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणे
 विहरेज्जा तया ण मम एयमट्ठ निवेदिज्जासित्ति
 कट्ठु विसज्जिण ॥

(सू० १३) तए ण समणे भगव महावीरे
 कल्ल पाउष्पभायाए रयणीए फुल्लुपलकमलकोमलु-
 म्मिलियमि अहापदुरे पहाए रत्तसोगप्पगासकिमुय-
 सुयमुहगुजद्वरागसरिमे कमलागरसट्ठोहए उट्ठिय-
 म्मि सुरे सहस्सरसिंमि दिणयरे तयसा जलंन []
 जेणेव चपा णयरी जेणेव पुण्णमहे चेड्ढए []
 तेणेव उवागच्छइ ९ स्ता अहापटिरुव उग्गह उगि-
 ण्हत्ता [] सजमेए तवमा अप्पाण भावेमाणे
 विहरइ ॥

(सू० १४) तेण कालेण तेण समण समणम्म
 भगवओ महावीरस्स अतेयासी उहरे समणा भग-
 वतो अप्पेगइया उग्गपव्वइया भोगपव्वइया राह-
 णणायकोरव्वएत्तिपव्वइया भडा जोहा सेणा-
 वई पसत्थारो सेट्ठी इव्वा अएणे य पहवे एवमा-
 इणो उत्तमजाइकुलरुवविणयविरणाणवएणलाच-
 णविद्धमपहाणसोभगगतियुत्ता बहुधणधएणणि-
 चयपरियालफिड्डिया णरवडगुणाडरेगा इच्छियभोगा
 सुहसपललिया किपागकलोवम च मुणियविसय
 सोअय जलपुञ्जुयसमाण कुसग्गजलविन्दुचचल
 जीविय य णाऊण अद्ध्युयमिण रयमिय पडग्गलग
 सविधुणित्ताण चइत्ता हिरएण जाव [] पव्वइया,

अप्पेगइया अद्वमासपरिआया अप्पेगइया मास-
रिआया-एव दुमास तिमास जाव एकारस अप्पेग-
इया वासपरिआया दुवास निवास अप्पेगइया अणे-
गवासपरिआया संजमेण तवसा अप्पाण भावमाणा
विहरंति ॥

(सू. १५) तेण कालेण तेणं समण्ण समणस्स
भगवओ महावीरस्स अतेवामी बहवे निग्गथा
भगवतो अप्पेगइया आभिणिवाहियणाणो जाव
केवलणाणो अप्पेगइया मणवलिया वयवलिया
कायवेलिया [] अप्पेगइया मणेण सावाणुग्गह-
समत्था [] अप्पेगइया गेलोमहिपत्ता एवं जल्लो-
सहि विप्पोसहि आमोसहि सब्बोसहि अप्पेगइया
कोवुद्धो एव बोयवुद्धो पडवुद्धि अप्पेगइया पयाणु
सारो अप्पेगइया सभिन्नसोया अप्पेगइया ग्वीरा-
सवा अप्पेगइया मट्टयासवा अप्पेगइया सप्पिया
सवा अप्पेगइया अरुत्थोणमहाणसिया एवं उज्जु-
मई अप्पेगइया विउलमई विउव्वणिट्ठिपत्ता चारणा
विज्जाहरा आगासाट्ठवाईणो, अप्पेगइया कणगावलिं
तवोरुम्म पटिवरणा एव एगावलि रुरुद्धागसीहनि-
क्कीलिय तवोरुम्म पडिवरणा अप्पेगइया महालय
सीहनिक्कीलिय तवोरुम्म पडिवरणा भद्दपडिम महा-

भद्रपडिमं सव्वथोभद्रपडिम आयविलवध्दमाण
 तवोरुम्म पडिवण्णा मासिय भिक्खुपडिम एव
 दोमासिय पडिम तिमासिय पडिम जाव सत्तमा-
 मिय भिक्खुपडिम पडिवण्णा अप्पेगइया पढमं
 सत्तराइदिय भिक्खुपडिम पडिवण्णा जाव तच्चस-
 त्तराइदिय भिक्खुपडिम पडिवण्णा अहोराइदिय
 भिक्खुपडिम पडिवण्णा एक्कराइदिय भिक्खुप-
 डिम पडिवण्णा सत्तसत्तमिय भिक्खुपडिम अट्ठ-
 अट्ठमिय भिक्खुपडिम णवणवमिय भिक्खुपडिमं
 दसदसमिय भिक्खुपडिम [] खुड्डिय मोयपडिमं
 पडिवण्णा महल्लिय मोयपडिम पडिवण्णा जवमज्झ
 चदपडिम पडिवण्णा वहर (वज्ज) मज्झ चदपडिम
 पडिवण्णा [] सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणा
 विहरति ॥

(सू १६) तेण कालेण तेण ममण्ण समणस्स
 भगवओ महा गीरस्स अनेवासो बहवे थेरा भगवतो
 जाइसपण्णा कुलसपण्णा थलसपण्णा रूवसपण्णा
 त्रिणयसपण्णा णाणसपण्णा दमणसपण्णा चरित्त
 सपण्णा लज्जासपण्णा ताघउसपण्णा ओयसी
 तेयंसी वच्चसी जससा जियकोटा जियमाण
 जियमाया जियलोभा जियइदिया जियणिहा जिय

रोसहा जीवियासमरणभयविष्पमुक्का वयप्पहाणा
 गुणप्पहाणा करणप्पहाणा चरणप्पहाणा णिग्गहप्प-
 हाणा निच्छयप्पहाणा अज्जवप्पहाणा मद्दवप्पहाणा
 लाघवप्पहाणा रतिप्पहाणा मुत्तिप्पहाणा विज्जा-
 पहाणा मतप्पहाणा वेयप्पहाणा वभप्पहाणा नय-
 प्पहाणा नियमप्पहाणा सच्चप्पहाणा सोयप्पहाणा
 चाम्बवणा लज्जातवस्सोजिइंदिया सोही अणियाणा
 अप्पुस्सुया अमहिल्लेसा अप्पडिल्लेस्सा सुसामरण-
 रया दत्ता इणमेय णिग्गथ पाचयण पुरओकाउं
 विहरति [] ।

तेसि ण भगवताणं आयावायावि विदिता
 भवति परवाया विदिता भवति आयावाय
 जमइत्ता नलवणमिव मत्तमातगा अच्छिदपसिण-
 वागरणा रयणकरटगसमाणा कुत्तियावणभूया पर-
 यादियमदणा [] दुवालसगिणो समत्तगणिपिडग-
 धरा सब्बस्वरसण्णिवाइणो सब्बभासाणुगामिणो
 अजिणा जिणसकासा जिणाइव अवितह वागर-
 माणा सजमेण तवसा अप्पाण भावेमाणा विहरति ॥

(सू १७) तेण कालेण तेण समण्ण समणस्स
 भगवओ महावीरस्म अनेवासी वहवे अणगारा
 भगवंतो इरियासमिया भासासमिया एसणसमिया

आयाणभटमत्तनिकवेवणाममिया उच्चारपासव-
णनेलसिंघाणजल्लपारिह्वणियासमिया मणगुत्ता
वयगुत्ता फायगुत्ता गुत्ता गुत्तिदिया गुत्तवभयारी
अममा अकिंचणा [] छिण्णग्गथा छिण्णमोघा
निम्बलेवा कसपाईव मुत्तकतोया सख इव निरगणा
जीवो चित्र अपटिहयगई जच्चरुणगपिव जाय-
रूवा, आदरिसफलगा इव पागडभाव कुम्भो इव
गुत्तिदिया पुक्खरपत्त व निम्बलेवा गगणमिव नि-
रालगणा अणिलो इव निरालया चदो इव सोम-
लेसा सरो इव दित्ततेया सागरो इव गभीरा विहग
इव सव्वथो विप्पमुत्तका मदरो इव अपरुपा सार-
यसलिल इव सुद्धहियया गग्गिविस्ताण व गग-
जाया भारटपफली व अप्पमत्ता कुजरो इव सोटीरा
वसभो इव जायत्वामा सीहो इव दुध्दरिसा वसु-
धरा इव मव्वफासस्सिमहा सुट्टयह्मयासणे इव
तेपमा जलता ।

नत्थि ण तेसिण भगवताण कत्थइ पटिगघे
भवइ, से य पडिपघे चउव्विहे पणत्ते, त जहा-
दव्वओ गित्तओ कालओ भावओ, दव्वओ ण
सचित्ताचित्तमीसिण्णसु दव्वेसु, गेत्तओ गामे वा
एणरे वा एण्णे वा रेत्ते वा गेले वा घरे वा अगणे

वा, कालओ समण वा आवलियाण वा जाव
[] अयणे वा अरण्यरे वा, दोहकालसजोगे,
भावओ कोहे वा माणे वा मायाण वा लोहे वा
भए वा हासे वा, एव तेसि ण भवड ।

ते ण भगवतो वासावासवज्ज अट्ट गिम्हहे-
मतियाणि मासाणि गामे एगराइया णयरे पच-
राइया वासीचन्दण समाणकप्पा समलेट्टुकचणा
समसुहदुस्सा इहलोगपरलोगअप्पडिबद्धा संसार-
पारगामी कम्मणिग्घायणट्ठाए अब्भुट्ठिया विह-
रति [] ।

(सू १८) तेमि ण भगवताण एण्णं विहा-
रेणं विहरमाणाण इमे एयारूवे अब्भितरवाहिरए
त्तवोवहाणे होत्था, त जहा-अब्भितरण (वि)
छव्विहे, वाहिरए वि छव्विहे ॥

(सू १९) से कि त वाहिरए ? २ छव्विहे
पणत्ते, त जहा-(१) अणसणे (२) उणो (ओवमो)
अरिया (३) भिरुत्तायरिया (४) रसपरिच्चाए (५)
कायकिलेसे (६) पडिसंलीणया । से किं त अणसणे ?
२ दुविहे पणत्ते, त जहा-(१) इत्तरिए, य (२)
आवरुहिए य । से कि त इत्तरिए ? अणेगविहे
पणत्ते, त जहा-(१) चउत्थभत्ते (२) छट्ठभत्ते

(३) अष्टमभक्ते (४) दसमभक्ते (५) धारसभक्ते (६),
चउदसभक्ते (७) सोलसभक्ते (८) अद्वमासिण
भक्ते (९) मासिण भक्ते (१०) दोमासिण भक्ते (११)
तेमासिण भक्ते (१२) चउमासिण भक्ते (१३) पंच-
मासिण भक्ते (१४) छम्मासिण भक्ते, से त इत्त
रिए । से किं त आचकहिण ? २ दुविहे पणत्ते,
त जहा-(१) पाओवगमणे य (२) भत्तपच्चक्खाणे
य । से किं त पाओवगमणे ? २ दुविहे पणत्ते
त जहा-(१) चाघाइमे य (२) निव्वाघाइमे य
नियमा अप्पटिकम्मे, से त पाओवगमणे । से किं
त भत्तपच्चक्खाणे ? २ दुविहे पणत्ते, त जहा-(१)
चाघाइमे य (२) निव्वाघाइमे य नियमा मपट्टि-
कम्मे, से त भत्तपच्चक्खाणे, से त अणसणे ।

से किं त ओमोयरियाओ ? दुविहा पणत्ता,
त जहा-(१) दब्बोमोयरिया य (२) भावोमो
अरिया य, से किं त दब्बोमोअरिया ? २ दुविहा
पणत्ता, त जहा-(१) उवगरणदब्बोमोअरिया य
(२) भत्तपाणदब्बोमोअरिया य । से किं त उवगरण-
दब्बोमोअरिया ? २ निविहा पणत्ता, त जहा-
(१) एगे वत्थे (२) एगे पाण (३) चियत्तोवकरण-
साइज्जणया, से त उवगरणदब्बोमोअरिया । से

किं त भत्तपाणदब्बोमोअरिया ? २ अणेगविहा
 पणत्ता, त जहा-(१) अट्ट कुम्भकुडिअडगप्प-
 माणमेत्ते कवले आहारमाणे अप्पाहारे (२) दुवालस
 कुम्भकुडि अडगप्पमाणमेत्त कवले अहारमाणे अव-
 द्दोमोअरिया (३) मोलस कुम्भकुडिअडगप्पमाणमेत्ते
 कवले आहारमाणे दुभागपत्तोमोअरिया (४) चउवोस
 कुम्भकुडिअडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे पत्तो-
 मोयरिया (५) एकत्तीस कुम्भकुडिअडगप्पमाण-
 मेत्ते कवले आहारमाणे किंचूणोमोयरिया (६)
 धत्तीसं कुम्भकुडिअडगप्पमाणमेत्ते कवले आहारमाणे
 पमाणपत्ता (७) एत्तो एणेण वि घासेण ऊणय
 आहारमाहारेमाणे मसणे णिग्गथे णो पकामरस-
 भोईत्ति वत्तच्च सिया, से त भत्तपाणदब्बोमोय-
 रिया, से त दब्बोमोयरिया । से कि त भावोमो-
 यरिया ? २ अणेगविहा पणत्ता त जहा-(१)
 अप्पकोहे (२) अप्पमाणे (३) अप्पमाण (४) अप्प-
 लोहे (५) अप्पमहे (६) अप्पभक्के, से त भावो-
 मोयरिया, से तं ओमोयरिया । से कि त भिक्खा-
 यरिया ? २ अणेगविहा पणत्ता, त जहा-(१)
 दब्बाभिग्गहचरण (२) सेत्ताभिग्गहचरण (३) का-
 लाभिग्गहचरण (४) भावा भिग्गहचरण (५) उक्खि-

तचरण ६) निक्खित्तचरण (७) उम्मित्तनिक्खित्तचरण (८) निक्खित्तउम्मित्तचरण (९) वहिज्जमाणचरण (१०) साहरिज्जमाणचरण (११) उवणीयचरण (१२) अवणीयचरण (१३) उवणीयअवणीयचरण (१४) अवणीयउवणीयचरण (१५) ससट्ठचरण (१६) अससट्ठचरण (१७) तज्जायससट्ठचरण (१८) अणायचरण (१९) मोणचरण (२०) दिट्ठलाभिण (२१) अदिट्ठलाभिण (२२) पुट्ठलाभिण (२३) अपुट्ठलाभिण (२४) भिक्खलाभिण (२५) अभिक्खलाभिण (२६) अणगिलायण (२७) ओवणिहिण (२८) परिमियपिट्ठाण (२९) सुट्ठसणिण (३०) सखायत्तिण, से त भिक्खायरिया ।

से कि त रसपरिचाण ? २ अणेगविहे पणत्ते त जहा-(१) निट्ठिय(य)त्तिण (२) पणीयरसपरिचाण (३) आयत्तिलण (४) आयामसित्थभोई (५) अरसाहारे (६) विरसाहारे (७) अताहारे (८) पताहारे (९) लूहाहारे मे त रसपरिचाण । मे कि त कायकिलेसे ? २ अणेगविहे पणत्ते, त जहा-(१) ठाणट्ठिइण (ठाणाइण) (२) उक्कुट्ठया सणिण (३) पडिमट्ठाई (४) वीरासणिण (५) नेसज्जिण दण्डायण लउडसाई (६) आयावण (७) अवाउडण (८) अरुट्ठयाण (९)

अणिट्टए[-] सव्वगायपरिकम्मविभूमविप्पमुक्के,
 से त्ता फायकिलेसे । से किं त पटिसलीणया ? १
 चउव्विहा पणत्ता, त जहा (१) इदियपटिसली-
 णया (२) रुसायपटिमलीणया (३) जोगपटिसलीणया
 (४) विवित्तमयणामंणसेवणया मे किं त इदियपटि-
 सलीणया ? २ पचविहा पणत्ता, त जहा (१) सो-
 इदियविसयप्पयारनिरोहो वा सोइदियविमयपत्तेसु
 अत्थेसु रागदोमनिग्गहो वा (२) चर्म्मिदियविस-
 यप्पयारनिराहो वा चर्म्मिदियविसयपत्तेसु अत्थेसु
 रागदोसनिग्गहो वा (३) घाणिंदियविमयप्पयार-
 निरोहो वा घाणिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु राग-
 दोसनिग्गहो वा (४) जिर्म्मिदियविमयप्पयार-
 निरोहो वा जिर्म्मिदियविमयपत्तेसु अत्थेसु राग-
 दोमनिग्गहो वा (५) फासिंदियविमयप्पयार-
 निरोहो वा फासिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु राग-
 दोमनिग्गहो वा, से त इदियपटिमलीणया । मे
 किं त रुसायपटिसलीणया ? २ चउव्विहा पणत्ता
 तजहा (१) कोहम्सुदयनिरोहो वा उदयपत्तस्स
 वा कोहस्म विफलीकरण (२) माणस्सुदयनिरोहो
 वा उदयपत्तस्स वा माणस्स विफलीकरणं (३)
 भायाउदयनिरोहो वा उदयपत्तस्स (ताण) वा

विणश्चो (३) वेयावच्च (४) सज्जमाथो (५)
भाण (६) विउसग्गो । से किं त पायच्छित्तो ? २
दसविहे पणत्ते, त जहा- (१) आलोपणारिहे
(२) पट्टिकमणारिहे (३) तवुमणारिहे (४)
विवेगारिहे (५) विउस्सग्गारिहे (६) तवारिहे
(७) छेदारिहे (८) मलारिहे (९) अणउट्टप्पा-
रिहे (१०) पारचिघारिहे, सं त पायच्छित्तो । से किं
त विणए ? सत्तविहे पणत्ते, त जहा- (१) णाण-
विणए (२) दंसणविणए (३) न्हरित्तविणए (४)
मणविणए (५) वडवणिए (६) कायविणए (७)
लोगोवघारविणए । से किं त णाणविणए ? पचविहे
पणत्ते, त जहा- (१) आभिणियोत्थिणणाणविणए
(२) सुयणाणविणए (३) ओत्थिणाणविणए (४) मणप-
ज्जवणाणविणए (५) केवलणाणविणए, संतणाण-
विणए । से किं त दंसणविणए ? द्दुविहे पणत्ते,
तं जहा- (१) सुस्समणाविणए (२) अणच्चा-
सायणाविणए । से किं त सुस्समणाविणए ? २
अणेगविहे पणत्ते । त जहा- (१) अज्जुटाणे
इवा (२) आमणाभिग्गहे इवा (३) आसणप्प-
दाणे इवा (४) सक्कारे इवा (५) मम्मणो इवा
(६) किड्ढकम्मे इवा (७) अजलिपग्गहे इवा

मायाण विफलीकरण (४) लोहस्सुदयणिरोहो वा
 उदयपत्तस्स वा लोहस्स विफलीकरण, से तं
 कसापपडिसलीणया । से किं त जोगपडिसलीणया ?
 २ तिविहा पणत्ता, तजहा (१) मणजोगपडि-
 सलीणया । (२) वयजोगपडिसलीणया (३)
 कायजोगपडिसलीणया । से किं त मणजोगपडिस-
 लीणया ? (१) अकुसलमणणिरोहो वा (२)
 कुसलमणउदीरण वा, से त मणजोगपडिसलीणया ।
 से किं त वयजोगपडिसलीणया ? (१) अकुसल-
 वयणिरोहो वा (२) कुसलवयउदीरण वा, से त
 वयजोगपडिसलीणया । से किं त कायजोगपडि-
 सलीणया ? २ जण सुसमाहियपाणिपाण कुम्मो
 इव गुत्तिदिण सवग्गापडिसलीणे चिट्ठइ, से त
 कायजोगपडिसलीणया । से किं त विवित्तसयणा-
 सणसेवणया ? २ ज ण आरामेसु उज्जाणेसु देव
 कुलेसु सभासु पवासु पणियगिहेसु पणियसालासु
 इत्थोपसुपडगससत्ताविरहियासु वसहोसु फासु-
 एसणिज्ज पोढफलगसेज्जासथारग उवसपज्जित्ताण
 विहरइ, से त पडिमलीणया, सेत बाहिरए तवे ।

(सू० २०) से किं त अर्निभतरण तवे ? २
 उव्विहे पणत्ते । त जहा (१) पायच्छित्त (२)

विणश्चो (३) वेयावच्च (४) मज्झाश्चो (५)
भाणं (६) विउसग्गो । से किं त पायच्छित्तो ? २
दसविहे पणत्ते, त जहा- (१) आलोयणारिहे
(२) पडिक्कमणारिहे (३) तदुभयारिहे (४)
विचेगारिहे (५) विउस्सग्गारिहे (६) तवारिहे
(७) छेदारिहे (८) मूलारिहे (९) अणवट्टप्पा-
रिहे (१०) पारचियारिहे, से त पायच्छित्तो । से किं
तं विणण ? सत्तविहे पणत्ते, त जहा- (१) णाण-
विणण (२) दसणविणण (३) चरित्तविणण (४)
मणविणण (५) वइवणण (६) कायविणण (७)
लोगोवयारविणण । से किं त णाणविणण ? पच्चविहे
पणत्ते, त जहा- (१) आभिणिबोहियणाणविणण
(२) सुयणाणविणण (३) ओहिणाणविणण (४) मणप-
ज्जवणाणविणण (५) केवलणाणविणण, सेतणाण-
विणण । से किं त दंसणविणण ? दुविहे पणत्ते,
तं जहा- (१) सुस्सुसणाविणण ? (२) अणचा-
सायणाविणण । से किं त सुस्सुसणाविणण ? २
अणेगविहे पणत्ते । त जहा- (१) अन्मुटाणे
इवा (२) आसणाभिगहे इवा (३) आसणप्प-
दाणे इवा (४) सक्कारे इवा (५) मम्मणे इवा
(६) किइक्कम्मे इवा (७) अजलिपग्गहे इवा

(८) एतस्स अणुगच्छणया (९) ठियस्स, पज्जु-
वासणया (१०) गच्छतस्स; पडिसमाहणया, से तं
सुत्तुमणाविणए ।

१. से किं त अणच्चासायणाविणए ? २ पणयाली-
सविहे पणत्ते, त जहा—(१) अरहताण अणच्चा-
सायणया (२) अरहतपणत्तस्स धम्मस्स अणच्चा-
सायणया (३) आयरियाण अणच्चासयणया एवं
(४) उवज्झावाण (५) थेराण (६) कुलस्स (७)
गणस्स (८) सग्गस्स (९) किरियाणं (१०) समो-
गिअस्स (११) आभिणिधोहियणाणस्स (१२) सुय-
णाणस्स (१३) ओहिणाणस्स (१४) मणपज्जवणा-
णस्स (१५) केवलणाणस्स (१६-३०) एणसि चेव
भत्तिवट्टमाणे (३१-४५) एणसि सेत्ताणाण चेव
वरणसजलणया, से त अणच्चासायणाविणए
से त दसणविणए से किं त चरित्तविणए ? पचविहे
पणत्ते । त जहा—(१) सामाइयचरित्तविणए (२)
छेदोवट्ठावणियचरित्तविणए (३) परिहारविसुद्धि-
चरित्तविणए (४) सुद्धमसपरापचरित्तविणए (५)
अत्तकम्मापचरित्त विणए, से त चरित्तविणए । से
किं त मणविणए ? द्विविहे पणत्ते । त जहा—(१)
पसत्थमणविणए (२) अपसत्थमणविणए । से किं

त अपसत्थमणविणए ? जे य मणे (१) मावज्जे
(२) सकिरिण (३) सकक्कमे (४) कट्टण (५)
णिट्ठरे (६) फस्से (७) अण्हयकरे (८) छेयकरे
(९) भेयकरे (१०) परितावणकरे (११) उद्धवणकरे
(१२) भूओवघाइए तहप्पगार मणोणोपहारेज्जा,
मे तं अपसत्थमणविणए ? सेकि त पसत्थ पणोवि-
णए २ त चेव पसत्थ णेयव्व । एव चेववइवि-
णओऽवि एण्हिं पण्हिचेवणेयव्वो, से त वइविणए ।

से किं त कायविणए ? २ दुग्गिहे पणत्ते,
तजहा (१) पसत्थकायविणए (२) अपस-
त्थकायविणए । से किं त (२) अपसत्थ
कायविणए ? २ सत्तविहे पणत्ते, त जहा
(१) अणाउत्तं गमणे (२) अणाउत्त ठाणे
(३) अणाउत्त निमीदणे (४) अणाउत्त तुयट्ठणे
(५) अणाउत्त उल्लघणे (६) अणाउत्त पल्लघणे
(७) अणाउत्त सव्विदियकायजोगजुजणया, मे त
अपसत्थकायविणए । से किं त पसत्थकायविणए ?
२ एव चेव पसत्थ भाणियव्व, से त पसत्थ-
कायविणए, से त कयाविणए । से किं त
लोगोवयार- विणए ? २ सत्तविहे पणत्ते ।
त जहा-(१) अवभासवत्तिय (२) परच्छदाणु-

वत्तिय (३) कज्जहेउ (४) कयपडिकिरिया (५) अत्त-
गवेसणया (६) देसकालण्णया (७) सव्वहेसु अप्प-
डिलोमया, से त लोगोवयारविणए, से त विणए ।

से किं त वेयावच्चे ? २ दसविहे पणत्ते ।

त जहा—(१) आयरियवेयावच्चे (२) उवज्झापवे-
यावच्चे (३) सेहवेयावच्चे (४) गिलाणवेयावच्चे (५)
सवस्सिवेयावच्चे (६) धेरवेयावच्चे (७) साहाम्मिय-
वेयावच्चे (८) कुलवेयावच्चे (९) गणवेयावच्चे (१०)
सघवेयावच्चे, से त वेयावच्चे । से किं त सज्झाण ?
२ पचविहे पणत्ते, त जहा—(१) वायणा (२) पडि-
पुच्छणा (३) परियट्ठणा (४) अणुप्पेहा (५) धम्म-
कहा, से त सज्झाण । से किं त भाणे ? चउ-
व्विहे पणत्ते, त जहा—(१) अट्ठज्झाणे (२) रुद्ध-
ज्झाणे (३) धम्मज्झाणे (४) सुखज्झाणे । अट्ठ-
ज्झाणे चउव्विहे पणत्ते, त जहा—(१) अमणु-
णसपयोगसपउत्तेतस्स विप्पयोगस्सतिसमणणा-
गण्याविभवइ, (२) मणुणसपयोगसपउत्ते तस्स
अविप्पयोगस्सतिसमणणापण यावि भवइ (३)
आपकसपयोगमपउत्ते तस्स विप्पयोगस्सतिसम-
णणागण यावि भवइ (४) परिजूसियकाम भोग-
सपयोगसपउत्ते तस्स अविप्पयोगस्सतिसमणणा-

गए यावि भवइ । अट्टस्स ण भाणस्स चत्तारि लक्खणा पणणत्ता, त जहा—(१) कदणया (२) सोयणया (३) तिप्पणया (४) विलवणया । रुद्धज्जाणे चउन्विहे पणणत्ते, त जहा—(१) हिंसाणुवधी (२) मोसाणुवधी (३) तेणाणवधी (४) सारक्खणाणुवधी । रुद्धस्स ण भाणस्स चत्तारि लक्खणापणणत्ता, त जहा—(१) उमण्णदोसे (२) बहुदोसे (३) अण्णदोसे (४) आमरणतदोसे । धम्मज्जाणे चउन्विहे चउप्पडोयारे पणणत्ते, तं जहा—(१) आणाविजण (२) अवायविजण (३) विवागविजण (४) सठाणविजण । धम्मस्स ण भाणस्स चत्तारि लक्खणा पणणत्ता, त जहा—(१) आणारुई (२) णिसग्गारुई (३) उवएसरुई (४) सुत्तरुई । धम्मस्स ण भाणस्स चत्तारि आलंयणा पणणत्ता, त जहा—(१) वायणा (२) पुच्छणा (३) परियट्ठणा (४) धम्मकहा । धम्मस्स ण भाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पणणत्ताओ, त जहा—(१) अणिच्चाणुप्पेहा (२) असरणाणुप्पेहा (३) एगत्ताणुप्पेहा (४) ससाराणुप्पेहा । सुक्कज्जाणे चउन्विहे चउप्पडोयारे पणणत्ते, त जहा—(१) पुट्टत्तवियक्केसवियारी (२) एगत्तवियक्के अवियारी (३) सुहुमफिरिए अप्पडिवाई (४) समु-

छिन्नकिरिण्यणिपट्टी । सुक्कस्स ण भाणस्स चत्तारि
लङ्गवणा, पणत्ता, त जहा—(१) विवेगे (२)
विउस्सग्गे (३) अउवहे (४) असम्मोहे । सुक्कस्स ण
भाणस्स चत्तारि आलवणा पणत्ता, त जहा—
(१) गली (२) मुत्तो (३) अज्जवे (४) महवे ।
सुक्कस्म ण भाणस्सचत्तारी अणुप्पेहाओ पणत्ताओ,
तं जहा (१) अयायाणुप्पेहा (२) असुभाणुप्पेहा
(३) अणतवित्तिपाणुप्पेहा (४) विप्परिणामा-
णुप्पेहा, मे त भाणे ।

— से किं त विउस्सग्गे ? २ दुविहे पणत्ते, त
जेहा (१) दव्वविउस्सग्गे (२) भावविउस्सग्गे य ।
मे किं त दव्वविउस्सग्गे ? २ चउव्विहे पणत्ते,
त जहा (१) मरीरविउस्सग्गे (२) गणविउस्सग्गे
(३) उव्हिविउस्सग्गे (४) भत्त पाण विउस्सग्गे,
से त दव्वविउस्सग्गे । मे किं त भावविउस्सग्गे ? २
तिविहे पणत्ते, त जहा (१) कसायविउस्सग्गे
(२) ससारविउस्सग्गे (३) कम्मविउस्सग्गे । से
किं त कसायविउस्सग्गे ? २ चउव्विहे पणत्ते,
त जहा — (१) कोहकसायविउस्सग्गे (२)
माणकसायविउस्सग्गे (३) मायाकसायविउस्सग्गे
(४) खोहकसायविउस्सग्गे, से त कसायविउस्सग्गे ।

से किं त ससारविउस्सग्गे ? २ चउव्विहे पणत्ते,
त जहाः—(१) णेरइयससारविउस्सग्गे (२)
तिरियससारविउस्सग्गे (३) मणुयससारविउ-
स्सग्गे (४) देवससारविउसग्गे, से त ससार-
विउस्सग्गे, से किं त कम्मविउस्सग्गे ? ३ अट्ठ-
विहे पणत्ते, त जहाः—(१) णाणावरणिज्ज-
कम्मविउस्सग्गे (२) दरिसणावरणिज्जकम्मविउ-
स्सग्गे (३) वेयण्णिज्जकम्मविउस्सग्गे (४) मोह-
णीयकम्मविउस्सग्गे (५) आउयकम्मविउस्सग्गे
(६) णामकम्मविउस्सग्गे (७) गोयकम्मविउस्सग्गे
(८) अंतरायकम्मविउस्सग्गे, से त कम्मविउ-
स्सग्गे, स त भावविउस्सग्गे से त विउस्सग्गे ।

(सू० २१) तेण कालेण तेण समएण समएस्स
भगवओ महावीरस्स धहवे अणगारा भगवतो
अप्पेगईया आयारधरा जाव विवागसुयधरा
तत्थ तत्थ तहि तहिं देसे देसे गच्छाग-
च्छिं गुम्मागुम्मिं फड्ढाफड्ढिं अप्पेगइया
चायंति अप्पेगइया पडिपुच्छति अप्पेगइया परि-
यट्ठति अप्पेगइया अणुप्पेहति अप्पेगइया अरुखे-
वणीओ विरुखेवणीओ सवेयणीओ णिव्वेयणीओ
चउव्विहाओ कहाओ कहति अप्पेगइया उट्ठजाणू

णिद्ध तधोयतस्ततवणिज्जरस्ततलतालुजीहा अंजण
 घणकसिणम्यगरमणिज्जणिद्धकेमा वामेगकुडलधरा
 अइचदणाणुलित्तगत्ता । ईसिमिलिंधपुप्फप्पगासाइ
 सुहुमाइ असकिलिट्ठाइ सुहुमाइ वत्थाइ पवरपरि-
 हिया वय च पढम समइफ्फता चिइय च वय असपत्ता-
 भद्दे जोव्वणे वट्टमाणा तलभगयतुडियपवरभूसण-
 निम्मलमणिरयणमडियभुया दममुद्दामडियग्गहत्था
 चूलामणिचिंधगया सुम्भा महडिडियां महज्जुइया
 महव्यला महायसा महासोम्भा मटाणुभागा हार-
 विरायवच्छा कडगतुडियथभियभुया अगयकुडल-
 मट्टगडतलारुणणापीढधारी विचित्तवत्थाभरणा
 विचित्तमालामउलिमउटा कल्लाणगयपवरवत्थपरि-
 हिया कल्लाणगयपवरमल्लाणुलेवणा भासुरबोंदी
 पलपवणमालधरा । दिव्वेण वरणेण, दिव्वेण
 गघेण, दिव्वेण रुव्वेण—दिव्वेणफासेण दिव्वे-
 ण सघाण (घघणे) ण दिव्वेण सठाणेण दिन्वाए
 इट्ठीए दिव्वाए जुत्तीए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए
 दिव्वाए अघीए दिव्वेण दिव्वेण तेएण दिव्वाए
 लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा
 समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिय आगम्मा-
 गम्म रत्ता समण भगव महावीर तिव्वुतो आ-

याहिण पयाहिण करेइ २ ता वदति णमसति
[वदिता] णमसित्ता ण च्चासण्णेणाइदूरे सुस्स-
समाणा णमसमाणा अभिमुहा विणएण पजलिउडा
पज्जुवासति ॥

(सू० २३) तेण कालेण तेण समण्ण समणस्स
भगवत्थो महावीरस्स घट्ठवे असुरिदवज्जिया भव-
णवामी देवा अतिय पाउब्भवित्था णागपइणो
सुवण्णा विज्जू अग्गीया दीवा उदहो दिसाकुमारा
य पवणथणिया य भवणवामी णागफडागरुलवय-
रपुण्णकलसमीहहयगयमगरमउडवद्धमाणणिज्जुत्त-
विचित्ताचिधगया सुरूवा महिड्ढिया सेमत चेव
जावपज्जुवासति ॥

(सू० २४) तेण कालेण तेण समण्ण समणस्स
भगवत्थो महावीरस्स घट्ठवे वाणमतरा देवा अतियं
पाउब्भवित्था पिसायभूया य जेक्खवरक्खसा किंन-
रकिंपुरिसभुयगपइणो य महाकाया गघव्वणिकाय-
गणा णिउणगघव्वगीयरइणो अणपरिणय पणपणि-
यइसियादियभूयवादियकदियमहाकदिया य कुहंड-
पयण्यदेवा च्चलचवलचित्तकीलणदवप्पिया गभीरह-
सियभणियपीयगीयणच्चणरई चणमालामेलमउड-
कुडलसच्छदविउव्वियाहरणचारुविभूसणधरा स-

व्योउयसुरभिकुसुमसुरइयपलयसोभंतकनवियसत-
चित्तयणमागरइयवच्छा कामगमी कामरूषधारी

जिणदंसणुस्सुयागमणजणिघहासा पालगपुप्फगसो-
मणसमिमिरिवच्छणदियावत्तकामगमपीइगममणो-
गमविमलसव्वओमइसरिसणामवेज्जेहिं विमाणेहिं
ओइएणा वदगा जिणिदंमिगमहिसवराहृद्धगलदइडु-
रहयगयवडभुयगखग्गउसभंकविडिमपागडियचिय-
मउडा पसिडिलवरमउडतिरीडधारी कुंडलउज्जोवि-
याणणा मउडदित्तसिरया रत्ताभा पउमपम्हगोरा
सेया सुभयएणगघफामा उत्तमवेउव्विणो त्रिघहव-
त्थगधमल्लधारी महिडिडया महज्जुतिया जाव पज-
लिउडा पज्जुवासति [] ॥

(सू० २७) तएण चपाए णयरीए सिंघाडगतिगच
उक्कचचरचउम्मुहमहापहपहेसु महया जणमहे इ वा
[] जणपूहे इ वा जणयोले इ वा जणकलकले इ वा
जणुम्मीतिचा जणुक्कलिया इ वा जणसुरिण चाए
इवा चहुजणो अएणमएस्स एवमाइक्खइ एव भासइ
एव पएणवेइ एव पएव्वेइ—“एव एतलु देवाणु-
प्पिया ! समणे भगव महावीरे आइगरे तित्थ-
गरे मयसबुद्धे पुरिसुत्तमे जाव सपाविउकामे पुव्वा-
णुपुव्वि चरमाणे गामाणुग्गामं दूइज्जमाणे इहमा-
गए इहसपत्ते इह समोसडे इहेव चपाए णयरीए
धारिं पुएणमहे चेइए अहापडिरूव उग्गहं उग्गि-

वज्रोदयसुरभिकुसुमसुरइयपलयसोभतकृतवियसंत-
चित्तवणमालरइयवच्छा कामगमी कामरूवधारी
णाणाविहवणरागवरवत्थचित्तचिह्नयणियसणा वि-
विहदेसीणेवत्थग्गहियवेसा पमुइयकदप्पकलहकेली-
कोलाहलप्पिया हासयोलयहुला अणेगमणिरयणवि-
चिरणिज्जुत्तविचित्तचिंघगया सुरूवा महिद्धिया
जाव पज्जुवासति ॥

(सू० २५) तेण कालेण तेण समण सणस्स
भगवत्थो महावीरस्स (वद्धमाणस्स) पहवे जोइमिया
देवा अतिय पाउब्भवित्था, विहस्मती चदसूरसुक्कस-
णिच्छरा राहू धूमकेतुउहा य अगारका य तत्ततवणि
ज्जकणगवणणा जे य गहा जोइसमि चार चरति केऊ
य गइरइया अट्टाचीमविहा य णरुग्गत्तदेवगणा
णाणासठाणसठियात्थो य पचवणणात्थो तारात्थो
ठियलेस्सा चारिणोय अविम्साममटलगई पत्तेय
णामकपागडियचिघमउत्ता महिद्धिया—जाव प-
ज्जुवासति ॥

(सू० २६) तेण कालेण तेण समण सणस्स
भगवत्थो महावीरस्स वेमाणिया देवा अतिय पाउब्भ
वित्था सोहम्मीमाणसणकुमारमाहिंदयभलतगमहा-
सुक्कस हस्साराणयपाणयारणघच्चुयवई पहिट्टा देवा

जिणदंसणुस्सुयागमणजणियहासा पालगपुप्फगसो-
मणसमिमिरिवच्छणदियावत्तकामगमपीइगममणो-
गमविमलसब्बओभइसरिसणामवेज्जेहि विमाणेहि
ओइरणा वदगा जिणिंदंमिगमहिसवराहच्चगलददुदु-
रहयगयवडमुयगखग्गउसभकविडिमपागडियचिघ-
मउडा पसिढिलवरमउडतिरीडधारी कुंडलउज्जोवि-
याणणा मउडदित्तसिरया रत्ताभा पउमपम्हगोरा
सेया सुभवणगघफाम्मा उत्तमवेउव्विणो विउहव-
त्थगघमल्लधारी महिडिडया महज्जुतिया जाव पज-
लिउडा पज्जुवासति [] ॥

(सू० २७) तए ण चपाए णयरीए सिंघाडगतिगच
उक्कचवरचउम्मुहमहापहपहेसु महया जणमहे इ वा
[] जणरूहे इ वा जणयोले इ वा जणकलरूले इ वा
जणुम्मीतिवा जणुक्कलिया इ वा जणसरिण वाए
इवा यहुजणो अरणमएस्स एवमाइक्खइएव भासइ
एव पणवेइ एव परूवेइ—“एव खलु देवाणु-
प्पिया ! समणे भगव महावीरे आइगरे तित्थ-
गरे मयसबुद्धे पुरिसुत्तमे जाय सपात्रिकामे पुण्या-
णुपुडिंय चरमाणे गामाणुग्गाम दूइज्जमाणे इहमा-
गए इहसपत्ते इह समोसडे इहेव चपाए णयरीए
यार्हि पुणभहे चेइए अहापडिरूव उग्गहं उग्गि-

ध्वोउयसुरभिकुसुमसुरइयपलयसोभतकतवियसत-
 चित्तरणमालरइयवच्छा कामगमी कामरूवधारी
 णाणाविहवणरागवरवत्थचित्तचिल्लयणियसणा वि
 विहदेसीणेवत्थग्गहिययेसा पमुड्डयकदप्पकलहकेली-
 कोलाहलप्पिया हासयोलवट्टला अण्णेगमणिरयणवि-
 विहणिज्जुत्तविचित्तचिंघगया सुरूवा महिद्धिया
 जाव पज्जुवासति ॥

(सू० २५) तेण कालेण तेण समएण ममणस्स
 भगवत्थो महावीरस्स (वद्वमाणस्स) पहवे जोइसिया
 देवा अतिय पाउब्भवित्था, विहस्सती चदमूरसुक्कस-
 णिच्छरा राट्ठ धूमकेतुवुरा य अगारका य तत्ततवणि
 ज्जकणगवण्णा जेय गल्ला जोइसमि चार चरति केऊ
 य गहरइया अट्ठावीमविहा य णग्गत्तदेवगणा
 णाणासठाणसठियाओ य पचवण्णाओ ताराओ
 ठियलेस्सा चारिणोय अग्गिस्साममडलगई पत्तेप-
 णामकपागद्धियचिंघमडडा महिद्धिया—जाव प-
 ज्जुवासति ॥

(सू० २६) तेण कालेण तेण समएण समणस्स
 भगवत्थो महावीरस्स वेमाणिया देवा अतिय पाउब्भ-
 वित्था सोहम्मीसाणसणकुमारमार्हिदयभलतगमहा-
 सुक्कस हस्साराणयपाणयारणअच्चुयवई पट्ठिटा देवा

सव्वथो समंतामुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारिय
 पव्वइस्सामो, पचाणुवइय सत्तासिस्सवावइय दुवाल-
 सविह गिहिघम्म पडिबज्जिस्सामो, अप्पेगइया
 जिणभत्तिरागेण अप्पेगइया जीयमेयति कट्ठुणहाया
 कयवलिकम्मा कयकोउयमगलपायच्छित्ता []
 सिरसाकठेमालकडा आविद्धमणिसुवण्णा कप्पिय-
 हारद्धहारतिसरयपालयपलंबमाणकडिसुत्तयसुरुय-
 सोहाभरणा पवरवत्थपरिहिया [] चदणोलित्तगा-
 यसरीरा, अप्पेगइया ह्यगया एवं गयगया रहगया
 सिधियागया सदमाणिधागया अप्पेगइया पायचिहा-
 रचारेणो पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ता [] महया उक्कि-
 द्विसीहणायथोलकलकलरवेणपक्खुब्भियमहासमुद-
 रवभूय पिवरुरेमाणा [] चपाण्णपरीण मज्झम-
 ज्जेण निग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पुण्णभदे चेइए
 तेणेव उवागच्छति २ त्ता समणस्स भगवओ महावी-
 रस्स अदूरसामते छत्तादीए तित्थयराइमेसे पासति
 पासित्ता जाणवाहणाइ ठावइति [] २ त्ता जाण-
 वाहणेहितो पच्चोरुहंति पच्चोरुहित्ता जेणेव समणे
 भगव महावीरे तेणेव उवागच्छति, उवागच्छित्ता
 समण भगव महावीर तिस्रुत्तो आयाहिण पया-
 हिण करंति, करित्ता वदति णमसति, वदित्ता

एहिहत्ता सजमेण तवसा अप्पाण भात्रेमाणे विहरई ।
 त महप्फल खलु भो देवाणुप्पिया ! तहासूवाण
 अरहताण भगवताण णामगोयस्स वि सवणयाए,
 किमगपुण अभिगमणवदणणमसणपडिपुच्छणप-
 ज्जुवासणयाए? पगस्स वि आयरियस्म धम्मियस्स
 सुवयणस्स सवणयाए, किमग पुण विउलस्स अत्य-
 स्स गहणयाए? त गच्छामो ण देवाणुप्पिया !
 समण भगव महावीर वदामो णमसामो सक्कारेमो
 सम्माणेमो रुह्माण मगल देवय चेइय [विणएण]
 पज्जुवासामो एय णे पेच्चभवे इहभवे य हियाए
 सुहाए खमाए निस्सेयमाए आणुगामियत्ताए भवि-
 स्सइत्तिकहु प्हये उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता
 एव दुपडोयारेण राइएणा [] खत्तिया माहणा
 भडा जोहा पसत्थारो मल्लई लेच्छई लेच्छईपुत्ता
 अएणे य बहवे राईसरतलवरमाडवियकोट्टवि-
 यइब्भसेट्ठि सेणावइसत्थवाहप्पभित्तयो अप्पेगइया
 वदणवत्तिय अप्पेगइ या पूयणवत्तिय एव सक्कारव-
 त्तिय सम्माणवत्तिय दसणवत्तिय कोऊहलवत्तिय
 अप्पेगइया अट्ठचिणिच्छयहेउ अस्सुयाइ सुणेस्सामो
 सुयाइ निस्सकियाइ करिस्सामो अप्पेगइया अट्ठाई
 होउइ कारणाइ वागरणाइ पुच्छिस्सामो अप्पेगइया

जावलोइयमहिय गोसीसमरसरत्तचदण जाव
 एवद्विभूय करेह कारवेह करित्ता कारवेत्ता एयमा-
 त्तिय पच्चप्पिणाहि । णिज्जाहिस्सामि समण भगवं
 हावीर अभिवदण ॥

(सू० ३०) तए ण से बलवाडण कृणिएण
 एणा एवं युत्ते समाणे इदुत्तुड जाव हियण करय-
 परिग्गहिय भिरसावत्त मत्थए अजलिं कटु एव
 यामी-सामित्ति आणाए विणएण वयण पडिसुणेइ
 ता हत्थिवाडय आमतेइ आमतेत्ता एव वयामि-
 पेप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! कृणियस्स रणो
 मभमारपुत्तस्स आभिसेत्तकं हत्थिरयण पडिकप्पे-
 हे ह्यगयरहपवरजोहकलिय आउरणिणिं मेणं
 मण्णाहेहि मण्णाहेत्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणाहि ।

तए ण मे हत्थिवाडण बलवाडयस्स एयमदु
 मोच्चा आणाए विणएण वयण पडिसुणेइ पडिसु-
 णेत्ता [] छेयायरियउवणममइविकप्पणाविकप्पे-
 हे सुणिउणेहि उज्जलणेवत्थहत्थपरिवत्थिय सुस-
 ज्ज धम्मियसरणद्ववद्वकवइयउप्पीलियरुच्चवच्च-
 वेयवद्वगलवरभूसणविरायंत अहियतेयजुत्त स-
 त्तलियवरकरणपूरविराइयं पलंवउच्चूलमहुयरकय-
 यारं चित्तपरिच्छेअपच्छय पहरणावरणभरियजु-

णमस्सित्ता णच्चासणे णाइदूरे सुस्सुसमाणा णमं-
समाणा अभिमुहा विणण पजलिउडा पज्जुमासति ॥

(सू० २८) तए ण से पवित्तिवाउण इमीसे
कहाए लद्धे समाणे हट्ठुड जाव हियए एहाए
जाव अप्पमहग्घाभरणालक्खिसरीरे सयाओ गिहा-
ओ पडिणिस्समइ, सयाओ गिहाओ पडिणिस्स-
मित्ता चपाणयरिं मज्झमज्जेण जेणेव बाहिरिया
सब्बेव हेट्ठिला वत्तव्वया जाव णिसीयइ णिसो-
इत्ता तस्स पवित्तिवाउयस्स अद्वत्तेरस सयसहस्सा-
इ पोइदाण दल्लयइ, २ त्ता सक्कारेइ सम्माणेइ सक्का-
रित्ता सम्माणेत्ता पडिविसज्जेइ ॥

(सू० २९) तए ण से कृणिण राया भम-
सारपुत्ते पलवाउय आमतइ २ त्ता एव वयासी-
विप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! आभिसेक्क हत्थिर-
यण पडिकप्पेहि, हयगयरहपवरजोहकलिय च चा-
उरगिणिं सेण सएणाहेहि, मुभद्दपमुहाण य
देवीण बाहिरियाण उयट्ठाणमालाण पाडिणक्कपाडि-
एक्काइ जत्ताभिमुहाइ जुत्ताइ जाणाइ उवट्ठवेह
चप णयरि सव्विभतरबाहिरिय [] आसित्त-
सित्तमुइसम्मट्ठरत्थतरायणवीहिय मचाइमचकलि-
य णाणाविहरागउच्छिउयज्झयपडागाइपडागमडिय

वाहं पञ्चुवेरुवेह २ ता वाहणाह सपसज्जह २ ता
 वाहणाहं एणीणेह २ ता वाहणाह अप्फालेह २ ता
 हसे पवीणेह २ ता वाहणाह समलकरेह २ ता
 वाहणाह वरभडगमडियाह करेह २ ता वाहणाह
 ताणाह जोएह २ ता पओयलहं पओयधरए य
 मम आडहह २ ता वट्टमग गाहेह २ ता जेणेव
 बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता बलवाउस्स
 एयमाणत्तिथं पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए एयरगुत्तिथ आमतेह
 २ ता एव वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया !
 चपं एयरिं सव्विभतरवाहिरिय आसित्त जाव कार-
 वेत्ता एयमाणत्तिथ पच्चप्पिणाहि ।

तए ण से एयरगुत्तिथ बलवाउयस्स एयमह
 आणाए विणएण पटिसुणेह २ ता चपं एयरि
 सव्विभतरवाहिरिय आसित्त जाव कारवेत्ता जेणेव
 बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता एयमाणत्तिथ
 पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए कोणियत्स रण्णो भंभ-
 सार पुत्तस्स आभिसेक्क हत्थिरयण पडिकप्पिय
 पामह हयगय जाव सरुणाहिय पासह, सुभदाप
 मुहाणं देवीण पडिजाणाह उवट्ठविधाह पासाह चप

द्वसज्ज सच्छत्ता सज्जभय मघट सपढाग पंचा-
 मेलघपरिमडियाभिराम ओसारियजमलजुयलघट
 विज्जुपणद्व व कालमेह उप्पाइयपञ्चय व चकमत
 मत्त [] गुलगुलत मणपवणजइणवेग भीम सगा-
 मियाओग आभिमेक्कहत्थिरयण पडिकप्पइ पडिकप्पे
 त्ताहयगघरहपजरजोहकलिय चाउरगिणिं सेण स
 रणाहेइ सरणाहित्ता जेणेव बलवाउण तेणेव उवा-
 गच्छइ उवागच्छित्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणइ ॥

तण ण से बलवाउण जाणसालिघ सदावेइ २
 त्ता एव वघासी-विप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सु-
 भद्दापमुहाण देवीण बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए
 पाडिणक्कपाडिणक्काइ जत्तामिमुहाइ जुत्ताइ जाणाइ
 उवट्ठवेह २ त्ता एयमाणत्तिय पच्चप्पिणाहि ।

तण ण से जाणसालिए बलवाउयस्स एयमट्ठ
 आणाण विणएण वयण पटिसुणेइ २ त्ता जेणेव
 जाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता
 जाणाइ पच्चुवेग्गवेइ २ त्ता जाणाइ सपमज्जेइ २
 त्ता जाणाइ सउट्ठेइ २ त्ता जाणाइ खीणेइ २ त्ता
 जाणाण दूमे पथीणेइ २ त्ता जाणाइ समलकरेइ
 २ त्ता जाणाइ वरभट्टगमडियाइ करेइ २ त्ता जेणेव
 बाहणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता [] बाह-

णाहं पञ्चुयेस्वेह २ ता वाहणाह सपसंज्जह २ ता
वाहणाहं णीणेह २ ता वाहणाह अप्फालेह २ ता
दूसे पवीणेह २ ता वाहणाह समलंकरेह २ ता
वाहणाहं वरभङ्गमद्धियाह करेह २ ता वाहणाह
जाणाह जोएह २ ता पओयलद्धि पओयघरण य
सम आडहह २ ता वट्टमग गाहेह २ ता जेणेव
बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता बलवाउस्स
एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए णयरगुत्तिय आमतेश्च
२ ता एव वयामी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया !
चप णयरिं सन्निभतरवाहिरिय आसित्त जाव कार-
वेत्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि ।

तए ण से णयरगुत्तिए बलवाउयस्स एयमह
आणाए विणएण पडिसुणेह २ ता चप णयरि
सन्निभतरवाहिरिय आसित्त जाव कारवेत्ता जेणेव
बलवाउए तेणेव उवागच्छह २ ता एयमाणत्तिय
पच्चप्पिणह ।

तए ण से बलवाउए कोणियत्स रण्णो भभ-
सार पुत्तस्स आभिमेक्क हत्थिरयण पडिरुप्पियं
पासह हयगय जाव मरणाहिय पासह, सुभद्दाप-
सुहाण देवीण पडिजाणाह उवह्वियाह पासाह चपं

णयरिं सन्निभतर जाव गघवट्टिभूय कय पासइ,
 पासित्ता हट्टतुट्टचित्तमाणदिए [णदिए] पीअमणे
 जाव हियण जेणेव कूणिण राया भभसारपुत्ते तेणेव
 उवागच्छइ २ ता करयल जाव एव वयासी—क-
 प्पिए ण देवाणुप्पियाण आभिसेक्के हत्थिरयणे हय-
 गय जाव पवरजोहकलिया य चाउरगिणी सेणा
 सरणाहिया सुभद्दापमुहाण य देवीण चाहिरियाए
 उवट्टाणसालाण पाडिण्णपाडिण्णकाइ जत्ताभिमुहा
 इ जुत्ताइ जाणाइ उवट्टावियाइ चपाणयरी सन्निभ-
 तरयाहिरिया आभिन्ता जाव गघवट्टिभूया कया, त
 णिज्जतुण देवाणुप्पिया ! समण भगव महावीर
 अभिवदया ॥

(सू० ३१) तए ण से कूणिण राया भभसार-
 पुत्ते बलवाउयस्स अतिण एयमट्ट सोच्चा णिसम्म
 हट्टतुट्ट जाव हियण जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवा-
 गच्छइ २ ता अट्टणसाला अणुपत्तिसइ २ ता
 अणेवगवायामजोगाणचामइणमल्लजुद्धरुणेहि सते
 परिस्सते मयपागसहस्सपागेहिं सुगधतेल्लमाइणहिं
 पीणणिज्जेहिं दप्पणिज्जेहिं मयणिज्जेहिं विह-
 णिज्जेहिं सन्निवदियगायपत्तायणिज्जेहिं अन्निभ-
 गेहिं अन्निभगिए समाने तेत्तचम्मसि पडिपुण-

पाणिपायसुउमालकोमलतलेहिं पुरिसेहिं छेएहिं
 दक्खेहिं पट्टेहिं - कुसलेहिं मेशाचोहिं निउण-
 सिप्पोवगणहिं अर्द्धिभगणपरिमदणुव्वलणकरण-
 गुणणिम्माएहिं अट्टिसुहाए मससुहाए तयासुहाए
 रोमसुहाए चउव्विहाए सयाहणाए सयाह्णिण
 समाणे अवगयखेयपरिस्समे अट्टणमालाओ पडि-
 णिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव मज्जणघरे तेणेव
 उवागच्छई २ त्ता मज्जणघर अणुपविसई २ त्ता
 समुत्तजालाउलाभिरामे विचित्तमणिरयणकुट्टिमयले
 रमणिज्जे एहाणमडवसि पाणामणिरयणभत्तिं
 सि - एहाणपीढसि सुहणिसएणे सुद्धोदएहि
 गघोदएहि पुप्फोदएहि सुहोदएहि पुणो २ कल्लाण-
 गपवरमज्जणविहीण मज्जिए तत्थ कोउयसएहि
 बहुविहेहिं कल्लाणगपवरमज्जणावसाणे पम्हलसु-
 कुमालगधकासाइयलुहियगे सरमसुरहिगौसीस-
 चदणाणुलित्तगतते अहयसुमहग्घदूसरयणमुसवुए
 सुहमालावणगविलेवणे य आविद्धमणिसुवणणे
 फप्पियहारद्धहारतिसरयपालवपलवमाणकडिसुत्त-
 सुकयमोभे पिणद्धगेविज्जअगुलिज्जगललियगय-
 ललियकयाभरणे वरकडगतुडियथभियभुए अहिय
 रूपसस्सिरीए मुद्दीपपिंगलगुलीए कुंडलउज्जोविधा-

णणे मउडदित्तसरिण हारोत्थयसुरुपरइयवच्छे
 पालयपलयमाणपडसुकयउत्तरिज्जे णाणामणिक
 णगरयणविमलमहरिणिउणोत्रियमिसिमिसतविर-
 इयसुसिलिठ्विसिठ्वलठ्व्याविद्ववीरवलए किं वट्टणा
 कप्परुक्कवण चेव अलक्रियविभूसिए णरवई सकोर-
 टमल्लदामेण [] छत्तेण धरिज्जमाणेण चउचामरवा-
 लवीइयगे [] मगलजयसदकयालोण मज्जणयरा-
 ओ पडिणिक्खमइ २ ता अणेगगणनायगदडनाय-
 गराईसरतलपरमाडवियकोडुवियइब्भसेट्टिसेणाव
 इस्तथवाहदूयसधिवालसद्धिं सपरिवुडे धवल महा-
 मेहाणिग्गण इव गहगणदिप्पतरिक्खत्तारागणाण
 मज्जे ससिब्ब पिअदसणे णरवई जेणेय याहिरिया
 उवट्ठाणसाला जेणेव आभिसेक्के हत्थिरयणे तेणेव
 उवागच्छइ उवागच्छित्ता अजणगिरिकूडसरिणभ
 गयउड णरवई दुरूढे ।

तए ण तस्स कृणियस्स रणो भभसारपुत्ता-
 स्स आभिसेक्क हत्थिरयण दुरूढस्स समाणस्म
 तप्पदमयाए इमे अट्ठमगलया पुरओ अहाणुपु
 व्थीए सपट्ठिया, त जहा —सोवत्थिय-सिरि-
 वच्छ-णदियावत्त —वद्धमाणग-भद्दासण-कलस-
 मच्छ-दप्पण । तथाएतर च ण पुण्णकलसभि-

गारं दिव्या य दत्तपद्मागा सचामरा दमणरश्मि-
 आलोपदरिमणिज्जा चाउद्धयविजयवेजयन्ती य
 ऊमिया गगणतलमणुलिहती पुरश्चो अहाणुपुञ्जीण
 सपट्टिया, तयाणतर च ण वेग्लियभिमतविमल-
 दंढ पलयकोरटमत्तलदामोवसोभिय चदमण्डल-
 णिम समूस्मिय विमल आयवत्ता पवर सीहासण
 घरमणिरयणपादपीढ मपाज्याजोयसमाउत्ता यट्ट-
 किंकरकम्मकरपुरिमपायत्तापरिस्मिन्ता पुरश्चो अहा-
 णुपुञ्जीण मपट्टिय । तयाणतर [च ण] यट्टे लट्टि
 गगाहा कुतग्गाहा चायग्गाहा चामरग्गाहा पामग्गाहा
 पोत्थयग्गाहा फलगग्गाहा पीढग्गाहा वीणग्गाहा
 कृवग्गाहा हटप्पयग्गाहा पुरश्चो अहाणुपुञ्जीण
 सपट्टिया । तयाणतर [च ण] यट्टे दडिणो मुट्टिणो
 सिहट्टिणो जट्टिणो पिण्डिणो हासकरा दमरकरा
 चाड्डकरा चादकरा कदप्पकरा दवकरा कोवुडया
 किट्टिकरा (य) घायता (य) गायता (य) हसता (य)
 णच्चता (य) भामता (य) सार्वता (य) रक्खता (य)
 [कचित्तरवेता य] आलोय च करेमाणाजय २ महं
 पउजमाणा पुरश्चो अहा-णुपुञ्जीण मपट्टिया । []

तयाणतर [च ण] जञ्जाण तरमल्लिहायणाण
 हरिमेलामउल्लमल्लियञ्जाण सु'सुचियललियपुलिय-

णणे मउडदित्तसरिण हारोत्थयसुकयरइययच्छे
 पालयपलयमाणपडसुकयउत्तरिज्जे णाणामणिक
 णगरयणविमलमहरिहणिउणोविधमिमिमिसतविर-
 इयसुसिलिठ्ठधिसिठ्ठलठ्ठआविद्धवीरचलण किं घट्टणा
 कप्परुक्कए चेय अलकियविभूसिण णरवई सकोर-
 टमल्लदामेण [] छत्तेण धरिज्जमाणेण चउचामरवा-
 लवीइयगे [] भगलजयसइकयालोण मज्जणघरा-
 ओ पडिणिक्खमइ २ ता अणेगगणनायगदडनाय-
 गरईसरतलवरमाटवियकोट्टवियइव्वभसेट्ठिसेणाव
 इसत्थवाहदूयसधिवालसद्धिं सपरिवुडे घयल महा-
 मेहाणिग्गण इव गहगणदिप्पतरिक्कएतारागणाण
 मज्जे ससिब्ब विअदसणे णरवई जेणेव याहिरिया
 खवट्ठाणमाला जेणेव आभिसेक्के हत्थिरयणे तेणेव
 उगगच्छइ उवागच्छित्ता अजणगिरिकूडसणिभ
 गयवइ णरवई दुरुडे ।

तए ण तस्स कृणियस्स रणो भभसारपुत्ता-
 स्स आभिसेक्क हत्थिरयण दुरुडस्स समाणस्स
 तप्पदमयाए इमे अट्ठ मगलया पुरओ अहाणुपु
 वीए सपट्ठिया, त जहा —सोवत्थिय-सिरि-
 वरु-णदियावत्त-वद्धमाणग-भट्टासण-कलस-
 मच्छ-दप्पण । तयाएतर च ण पुण्णकलसभि-

तए णं से कृणिण राया हारोत्थयसुकपरइय-
चच्छे कुडलउज्जोचियाणणे मउटदित्तमिरण णर-
सीहे णरवई णरिंदे णरवसहे मणुयरायवसभरुप्पे
अग्गभहिंय रायतेयलच्छीए दिप्पमाणे हत्तिअग्गधव-
रगए मकोरटमल्लदामेण छत्तेण धरिज्जमाणेण
सेयपरचामराहिं उद्धुव्वज्जमाणीहि २ वेसमणो चेव
एरवई अमरवईसणिभाण इट्ठीण पहियकित्ती
इयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरगिणीए सेणाए
समणुगम्ममाणमग्गे जेणेव पुण्णभदे चेइए तेणेव
पहारेंत्थ गमणाए ।

तए णं तस्स कृणियस्म रणो भभसारपुत्तस्स
पुरओ महआसा आसधरा उभओ पामि णागा
यागधरा पिट्ठओ रहसगेल्लि ।

तए ण से कृणिण राया भंभसारपुत्ते अब्भुग्ग-
यभिंगारे पग्गहियतालपटे ऊच्छियसेयच्छत्ते पघी
इयवालवीयणीए सव्विइट्ठीए मव्वजुत्तीए सव्वव-
लेण सव्वममुदण्णं सव्वोदरेण मव्वविभूर्इए सव्व
विभूसाए सव्वसंभमेण [] सव्वपुण्फगधमल्लाल-
लकारेण सव्वतुडियसइसणिणणाण मइया इट्ठ-
ट्ठीए मइया जुट्ठेण मइया घलेण मइया ममुदण्णं
मइया वरतुडियजमगसमगप्पवाट्टेण सखपणवप-

चलचवलचचलगईण लघणयग्गणधावणधोरणति-
चईजइणसिन्निखयगईण ललंतलामगललायघरभू-
सणाण मुहभडगथोचूलगथासगअहिलाणचामरग-
एडपरिमण्डियरुडीण किंकरवरतरुणपरिग्गहियाण
अट्टसय वरतुरगाण पुरओ अहाणुपुब्बोए सपट्ठियं।
तयाणतर च ण ईसीदताण ईसीमत्ताण ईसीतुगाणं
ईसीउच्छगविसालधवलदताण कचणकोसीपविठ्ठ-
दताण कचणमणिरयणभूमियाण वरपुरिमारोहग-
मपउत्ताण अट्टसय गथाण पुरओ अहाणुपुब्बीए
सपट्ठिय । तयाऽणतर [च ण] सच्छत्ताण सज्झयाण
सघटाण सपटागाण सतोरणवराण सण्णदियोसाणं
सग्गिखिणीजालपरिक्खित्ताण हेमवयचित्तिणिस्स-
कणगणिज्जुत्तदान्थाण कालापससुकपणेमिजतक-
म्माण मुसिलिठ्ठउत्तमडलधुराण आइएणवरतुरगसं-
पउत्ताण कुसलनरच्चेयमारहिमुसपग्गाहियाण []
यत्तोसतो णपरिमडियाण सकरुडवडेसगाण सचाव-
सरपहरणाउरणभरियजुद्धसज्जाण अट्टसय रहाण
पुरओ अहाणुपुब्बीए सप्पट्ठिय । तयाणतर च णं
असिस्सत्तिकुततोमरसूललउलभिडिमालघणुपाणि-
सज्ज पापत्ताणीय [] पुरओ अहाणुपुब्बीए
सपट्ठिय ।

तए ण से कूणिण राया हारोत्थयसुकयरइय-
वच्छे कुंडलउज्जोचियाणणे मउटटित्तसिरए णर-
सीहे णरवई णरिंदे णरवसहे मणुयरायवसभरूपे
अवभहिय रायतेयलच्छीए दिप्पमाणे हत्तिस्सवधव-
रगए सकोरटमल्लदामेण छत्तेण धरिज्जमाणेणं
सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहि २ वेसमणो चेव
एरवई अमरवईसरिणभाण इड्ढीए पहियकित्ती
इयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरगिणीए सेणाए
समणुगम्ममाणमग्गे जेणेव पुण्णभहे चेहए तेणेव
पहारेत्थ गमणाए ।

तए णं तस्म कूणियस्म रण्णो भभसारपुत्तस्स
पुरयो महयासा आसधरा उभयो पासिं णागा
णागधरा पिट्ठयो रहमगेटिल ।

तए ण से कूणिण राया भभसारपुत्ते अन्नुग-
यभिगारे पग्गहियतालपटे ऊच्छियसेयच्छत्ते पवी
इयवालवीयणीए सव्विड्ढीए सव्वजुत्तीए सव्वव-
लेण सव्वसमुदणं सव्वादरेणं सव्वविभूर्हणं सव्व
विभूसाए सव्वसभमेण [] सव्वपुण्फगधमल्ला-
लकारेण सव्वतुडियसदसरिणणाणण महया इड्-
ढीए महया जुईए महया धलेण महया समुदणं
महया धरतुडियजमगसमगप्पवाइणणं सव्वपणवप-

टह भेरिभल्लरिखरमुहिरुदुक्कमुपमुयगदुदुरिणिग्वो-
सणाइयरपेण चपाण णयरीए मज्झ मज्झेण
णिग्गउइ ॥

(सू० ३०) तए ण तस्स कृणियस्स रण्णो
चपानगरिं मज्झमज्झेण निग्गच्छमाणस्स चहवे
अत्थत्थिया कामत्थिया भोगत्थिया किट्ठि
मिया कारोटिया लाभत्थिया फारवाहिया सखिया
चक्खिया णगलिया मुहमगलिया चद्धमाणा पुस्समा-
णवा गडियगणा ताहि इट्ठाहि कताहि पिघाहिं
मणुण्णाहि मणामाहिं मणाभिरामाहिं []
हिययगमणिज्जाहिं चग्गूहिं जयविजयमगल-
सण्हिं अणवरय अभिणदता य अभित्युणता य
एव चयासी-जय जय णदा ! जय जय भद्दा ! भद्द
ते अजिय जिणाहि जिय (च) पालेहि जियमज्झे
वम्माहि । इदो इव देवाण चमरो इव असुराणं
धरणो इव नागाण चदो इव ताराण भरहो इव
मणुपाण घट्टइ वासाइ घट्टइ याससयाइ घट्टइ
वाससरस्साइ घट्टइ वाससयसरस्साइ अणहस-
मग्गो हट्टुट्टो परमाउ पालयाहि इट्ठजणसपरिवुडो
चपाण णयरीए अण्णेसि च चट्ठण गाभागरणयर-
खेडकव्वडदोणमुहमडवपट्ठणआसमनिगमसवाहस-

निवेसाणं आहेवच्च पोरेवच्च सामित्त भट्टित्तं
महत्तरगत्त आणाईसरसेणावच्च कारेमाणे पाले
माणे महयाऽह्यणट्टगीयवाइयततीतलतालतुडियघ-
णमुअगपडुप्पवाइयरवेणं चिउलाइ भोगभोगाई
भुजमाणे विहराहिति कट्ठु जय २ सह पउजंति ।

तए णं से कृणिण राया भभसारपुत्ते णयण
मालासहस्सेहिं पेच्छिज्जमाणे २ हिययमाला-
सहस्सेहिं अभिणदिज्जमाणे [कचित् उन्नोडज्जमाणे]
मणोरहमालासहस्सेहिं विच्छिउप्पमाणे २ चयणमा-
लासहस्सेहिं अभियुज्जमाणे २ कति (दिव्य) सोह-
ग्गुणेहिं पत्थिज्जमाणे २ बहण णरणारिसहस्साणं
दाहिणहत्थेण अजलिमालासहस्साइ पटिच्छमाणे २
मजुमजुणा घोसेण पडिवुज्जमाणे २ भवणपति-
सहस्साइ समइच्छमाणे २ [] चपाण नघरीए
मज्झमज्झेण निग्गच्छइ २ ता जेणेव पुण्णभदे
चेइए तेणेव उवागच्छइ २ ता समणस्स भगवओ
महागौरस्स अदूरसामते छत्ताईए तित्थयराइसेसे
पासइ पासित्ता आभिसेक्कहत्थिरयणं ठवेइ ठवित्ता
आभिसेक्काओ हत्थिरयणाओ पचोरुइ २ ता
अवहट्ठु पच रायकउहाइ, तं जहा-ल्लगं छत्तं
उप्फेस वाहणाओ वालवीयण जेणेय समणे भगव-

महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं
 भगव ममहावीर पचत्रिहेण अभिगमेण अभिग-
 च्छइ । त जहा (१) सचित्ताण दब्बाण विउसर
 णयाण (२) अचित्ताण दब्बाण अविउसरणयाण
 (३) एगसाडियउत्तरासगरुणेण (४) चकरुप्फासे
 अजलिपग्गहेण [इत्थिखगविठ्ठभणयाण] (५) मणसो
 एगत्तभाव करुणेण समण भगव महावीर तिउत्तुत्तो
 आयाहिणपयाहिण करेत्ता यदति रामंसति यदित्ता
 णमसित्ताहाए पज्जुवासणयाण पज्जुवासइ, त
 जहा -काइयाण वाइयाण माणसियाण काइयाए-ताव
 सकुइयग्गहत्थपाण सुस्ससमाणे णमसमाणे अभि-
 मुहे विणएण पजलिउटे पज्जुवासइ वाइयाण-ज
 ज भगव वागरेइ एवमेय भते ! तहमेय भते !
 अवितहमेय भते ! असदिद्धमेय भते ! इच्छियमेय
 भते ! पडिच्छियमेय भते ! इच्छियपडिच्छियमेयं
 भते ! मे जहेय तुब्भे यदह अपटिकूलमाणे पज्जु
 वासइ माणसियाण-महयासवेग जणइत्ता तिव्व
 धम्माणुरागरत्तो पज्जुवासइ ॥

(सु० ३३) तए ण ताओ सुभइणमुहाओ
 देवीओ अतो अतेउरसि एहायाओ जाव पायच्छि-
 ताओ सव्वालकारविभूसियाओ [] यइहिं

खुज्जार्हिं चिलाईहिं वामणीहिं बडभीहिं बव्वरीहिं
 पउयासियाहिं जोणियाहिं पणवियाहिं इसिगिणि-
 यार्हिं वासिइणियाहिं लासियाहिं लउसियाहिं
 सिंहलीहिं दमिलीहिं आरवीहिं पुलिंदीहिं पक्कणी-
 हिं बहलीहिं मरुडीहिं सबरियाहिं पारसोहिं
 णाणादेसीविदेसपरिमडियाहिं इगियच्चितियपत्तिय-
 विजाणियाहिं मदेसणेवत्थग्गहियवेसाहिं चेडिया-
 चक्कवालवरिसधरक्कुइज्जमहत्तरवदपरिक्खित्ताओ
 अंतैउराओ णिग्गच्छति २ ता जेणेव पाडिएक्कजा-
 णाहं तेणेव उवागच्छति उवागच्छित्ता पाडिएक्क
 पाडिएक्काहं जत्ताभिमुहाइ जुत्ताइ जाणाइ दुरुहति
 दुरुहित्ता णियगपरियाल मद्वि सपरिवुडाओ चपाण
 णपरोण मज्झमज्जेण णिग्गच्छति णिग्गच्छित्ता
 जेणेव पुण्णभद्दे चेणइ तेणेउ उवागच्छति उवाग-
 च्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरासा-
 मते छत्तादीण तित्थपराइमेसे पासति पासित्ता
 पाडिएक्कपाडिएक्काइ जाणाइ ठवेति ठवित्ता जाणे;
 हित्तो पच्चोम्वहति २ ता बहहिं खुज्जार्हिं जाव परि-
 क्खित्ताओ जेणेव समणे भगव महावीरे तेणेव
 उवागच्छति २ ता समणं भगवं महावीरं पचवि-
 ण्णेण अभिगमेण अभिगच्छति, त जहा (?) सच्चि.

ત્તાણં દઢ્ઢાણ વિઝસરણયાણ (૨) અચ્ચિત્તાણ
 દઢ્ઢાણ અત્રિઝસરણયાણ (૩) વિણઓણયાણ ગાય-
 લટ્ટી (૪) ચક્કલુપ્પાસે અજલિપગ્ગહેણ (૫) મણસો
 ળ્ગત્તિભાવકરણેણ સમણ ભગવ મહાવીર તિવ્વલુ-
 ત્તો આપાહિણપયાહિણ કરેન્તિ વદતિ ણમ-
 સતિ વદિત્તા ણમસિત્તા કૃણિયરાય પુરઓકટ્ટુ ઠિહ-
 યાઓ ચેવ સપરિવારાઓ અમિમુગ્ગાઓ વિણણ
 પજલિ ડહાઓ પઞ્જુવામતિ ॥

(મૂ. ૩૪) તળ ણ મમણે મગવ મહાવીરે કૃણિ-
 અસ્સરણો મમસારપુત્તસ્સ સુમદાપમુદાણ દેવોણં
 તીસે ય મહતિમહાલિયાણ પરિસાણ હસિપરિસાણ
 મુણિપરિસાણ જહપરિસાણ દેવપરિસાણ અણેગસયાણ
 અણેગસયવદાણ અણેગસયવદપરિવારાણ ઓહચલે
 અદ્ધચલ મદ્ધચલે અપરિમિયવલવીરિયતેયમાહપ્પક
 તિજુત્તે સારયણવત્થણિયમદુરગભીરકોચણિગ્ધોસ-
 દુદ્ધમિસ્સરે ડરેવિત્થહાણ પઠેડ્ઢવટ્ઠિયાણ સિરે સમા-
 હણાણ અગરલાણ અમમ્મણાણ સુવ્વચ્છરસણિણ-
 વાડયાણ પુણ્ણરત્તાણ સન્નમાસાણુગામિણોણ સર-
 સ્સહણ જીયણીહારિણ સરેણ અદ્ધમાગહાણ મા-
 માણ મામહ અરિહા ધમ્મ પરિકહેહ ।

तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अगिलाए धम्मं
 आइस्खइ, साविय ण अद्वमागहा भासा तेसिं
 सव्वेसिं आरियमणारियाण अप्पणो सभासाए
 परिणामेण परिणमइ, त जहा-अत्थि लोण अत्थि
 अलोण एव जीवा अजीवा यत्ते मोक्खे पुण्णे पावे
 आसवे सवरे वेयणा, निज्जरा अरिहता चक्खवट्ठी
 चक्षदेवा चासुदेवा नरगा णेरइया तिरिस्खजोणिया
 तिरिस्खजोणिणीओ माया पिया रिसओ देवा देव-
 लोया सिद्धी सिद्धा परिणिब्बाणे परिणिब्बुया,
 अत्थि (१) पाणाइवाए (२) मुसावाए (३) आदिण्णा-
 दाणे (४) मेट्ठणे (५) परिग्गहे अत्थि (६) कोहे
 (७) माणे (८) माया (९) लोभे अत्थि जाव []
 (१०) मिच्छादसणसत्तले । अत्थि पाणाइवायवेरमणे
 मुसावायवेरमणे अदिण्णादाणवेरमणे मेट्ठणवेरमणे
 परिग्गहवेरमणे जाव मिच्छादसणसत्तलविचेगे सव्वं
 अत्थिभाव अत्थित्ति वयति, सव्व णत्थिभाव णत्थि-
 त्ति वयति, सुचिण्णा कम्मा सुचिण्णफला भवति,
 दुचिण्णा कम्मा दुचिण्णफला भवति, फुसइ पुण-
 पावे, पच्चायंति जीवा, सफले कल्लाणपावण । धम्म-
 माइस्खइ.-इणमेय निग्गंथे पावयणे सचे अणुत्तरे
 केवलण ससुद्धे पडिपुण्णे णेयाउए सत्तलकसणे ।

सिद्धिमग्नो मुक्तिमग्नो निव्याणमग्नो निज्जाणमग्नो
 अविताहमविसधि सत्तदुत्तपप्पहीणमग्नो इहट्ठिया
 जीवा सिज्झति धुज्झति मुच्चति परिणिव्यापति
 सत्तदुत्तपप्पणमत करति । एगच्छापुण एगोभवत्तारो
 पुब्बकम्मावसेसेण अणणयेरेसु देवलोणसु देवत्ताण
 उववत्तारो भवति, महट्ठिणसु जाव महात्तुक्कयेसु
 दूरगइणसु चिरट्ठिणसु । ते ए तत्थ देवा भवन्ति
 महट्ठिणया जाव चिरट्ठिणया हारविराड्ढयवच्छा जाव
 [] पभासमाणा कप्पोवगा गतिकलाणा ठिड-
 कत्ताणा आगमेसिभद्दा जाव पडिस्सया । तमाह-
 कम्बइ एव रत्तु चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरइयत्ताण
 कम्म पकरति, णेरइयत्ताण कम्म पकरेत्ता णेरइणसु
 उववज्जति, त जहा-१ महारभयाण २ महापरि-
 गगहयाण ३ पच्चिदियवहेण ४ कुलिमाहारेण, एव
 एणण अभिलावेण । तिरिक्खजोण एसु (१) माह-
 ल्लयाण पियटिल्लयाण (२) अलियवयणेण (३) उप्प-
 चणयाण (४) वचणयाण । मणुस्सेसु-(१) पगइभद्द-
 याण (२) पगइविणीययाण (३) साणुक्कोसयाण
 (४) अमच्छरिययाण । देवेसु-(१) सरागसजमेण
 (२) सजमासजमेण (३) अक्कापणिज्जराण (४) घाल-
 तवोकम्मेण, तमाहक्खइ —

जह णरगा गम्मती जे णरगा जा यवेयणाएरण ।
 सारोरमाणुसाइ दुक्खाइं तिरिक्खजोणीए ॥१॥
 माणुस्स च अणिच्च वाहिजरामरणवेयणापउर ।
 देवे य देवलोए देविड्ढि देवसोऋखाइं ॥२॥
 णरग तिरिक्खजोणि माणुस भाव च देवलोअ च ।
 सिद्धे अ सिद्धवसहिं छज्जीवणिय परिकहेइ ॥३॥
 जह जीवा धज्झती मुच्चती जह य सक्किलिस्सति ।
 जह दुक्खाण अत करति केई अपडिक्खा ॥४॥
 अट्टदुहट्टियचित्ता जह जीवा दुक्खसागरमुर्विति ।
 जह वेरगमुवगया कम्मसमुग्ग विहाडति ॥ ५ ॥
 जह रागेण कडाणं कम्माण पावगो, फलविवागो ।
 जह य परिहीणकम्मा सिद्धा सिद्धालयमुचिति ॥६॥

तमेव धम्म दुविह आइस्सवड, त जहा-अगार-
 धम्म अणगारधम्म च । अणगारधम्मो ताव-इह
 खलु सब्बओ सब्बत्ताए मुन्दे भवित्ता अगाराओ
 अणगारियं पव्वइयस्म सब्बाओ पाणाइवायाओ
 वेरमण, सब्बाओ मुसावायाओ वेरमण, सब्बाओ
 अदिण्णादाणाओ वेरमण, सब्बाओ मेहणाओ
 वेरमण सब्बाओ परिग्गहाओ वेरमणं, सब्बाओ

राईभोगणाओ वेरमण अवमाउसो ! अणगारसा-
माइणे धम्मं पणत्ते, एयस्स धम्मस्स सिक्खाए
उवट्ठिए णिग्गधे वा णिग्गधी वा विहरमाणे
आणाए आराहए भवति ।

अगारधम्म दुवालसविह आइस्वइ, त जहा:-
(१) पच अणुव्वयाइ (२) तिण्णिण गुणव्वयाइ,
(३) चत्तारि मिस्सवावयाइ । पच अणुव्वयाइ,
त जहा-(१) थूलाओ पाणाइयायाओ वेरमण
(२) थूलाओ सुमावायाओ वेरमण (३)
थूलाओ अदिण्णादाओ वेरमण (४) मदार-
मतोसे (५) इच्छापारिमाणे । तिण्णिण गुणव्वयाइ
त जहा-(६) अणत्थदउवेरमण (७) दिसिन्वय (८)
उवभोगपरिभोगपरिमाण । चत्तारि सिक्खाव-
याइ, त जहा-(९) सामाइय (१०) देसावयासिय
(११) पोसहोयवासे (१२) अतिहिसविभागे, अव-
च्छिमा मारणतिया मवेहणाजूमणाराहणा अवमा-
उसो ! अगारसामाइण धम्मं पणत्ते एयस्स धम्म-
स्स सिक्खाए उवट्ठिए समणोवामए वा समणोवा-
सिया वा विहरमाणे आणाए आराहए भवइ ।

(सू० ३५) तए ण सामहतिमहालिया मणूस्स-
परिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म

सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाच हियया उट्ठाण उट्ठेइ, २
त्ता समण भगव महावीरं तिकखुत्तो आयाहिण
पयाहिण करेइ २ ता वंदइ एमसइ वदित्ता एम-
सित्ता कत्थेगइया सु-टे भवित्ता अगाराओ अण-
गारियं पव्वइया, अत्थेगइया पचाणुव्वइयं सत्तसि-
क्खावइय दुवालसविह गिरिधम्म पडिवरणा ॥

अवसेमा णं परिमा समण भगव महावीरं वदइ
णमसइ वदित्ता एमंसित्ता एव वयासी “ सुअ-
क्खाए ते भते ! निग्गये पावयणे एव सुपणत्ते
सुभासिए सुविणीए सुभाविण अणुत्तरे ते भते !
निग्गये पावयणे, धम्म णं आइक्खमाणा तुब्भे
उवसम आइक्खह, उवसम आइक्खमाणा विवेग
आइक्खह, विवेग आइक्खमाणा वेरमण आइक्ख-
माणा अकरण पाचाण कम्माण आइक्खह, णत्थि
ण अण्णे केइ समणे वा माहणे वा जे णरिस धम्म-
माइक्खित्तए, किमग पुण णत्तो उत्तरतर ? ” एव
वदित्ता जामेव दिस पाउव्वया तामेव दिस पडि-
गया ॥

(सूत्र ३६) तए ण से कृणिए राया भंभसारपुत्ते
समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिण धम्म सोच्चा

राईभोयणाओ वेरमण अयमाउसो ! अणगारस्स-
माइए धम्मे पणत्ते, एयस्स धम्मस्स सिक्खाए
उवट्ठिए णिग्गथे वा णिग्गथी वा विहरमाणे
आणाए आराहए भवति ।

अगारधम्म दुवालसविह आइस्खइ, त जहा:-
(१) पच अणुवयाइ (२) तिणिण गुणव्याइ,
(३) चत्तारि सिक्खावयाइ । पच अणुवयाइ,
त जहा-(१) धूलाओ पाणाइवायाओ वेरमण
(२) धूलाओ सुमावायाओ वेरमण (३)
धूलाओ अदिण्णादाओ वेरमण (४) मदार-
सतोसे (५) इच्छापरिमाणे । तिणिण गुणव्याइ
त जहा-(६) अणत्थदडवेरमण (७) दिसिन्वय (८)
उवभोगपरिभोगपरिमाण । चत्तारि सिक्खाव-
याइ, त जहा-(९) सामाइय (१०) देसावयासिय
(११) पोसहोचयवासे (१२) अतिहिसविभागे, अय-
च्छिमा मारणतिया सनेहणाजूसणाराहणा अयमा-
उसो ! अगारसामाइए धम्मे पणत्ते एयस्स धम्म-
स्स सिक्खाए उवट्ठिए समणोवासए वा समणोवा-
सिया वा विहरमाणे आणाए आराहए भवइ ।

(सू० ३५) तण ण सामहन्तिमहालिया मणूस-
परिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए धम्म

णसठिए वइरोसहणारायसघघणे कणगपुलगणिव-
सपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे घोर
तवे उराले घोरे घोगुणे घोरतवस्सी घोरवभचेर-
वासी उच्छ्रद्धसरीरे सवित्तविउल्लतथलेस्से समण-
स्स भगवथो महावीरस्स अदूरसामते उट्टजाणू
अहोसिरे भाणकोट्टोवगए सजमेण तवसा अप्पाणं
भावेमाणं विहरइ ।

तए ण सं भगव गोघमे जायसड्ढे जायससए
जायकोऊहल्ले उप्पणसड्ढेउप्पणससए उप्पण-
कोऊहल्ले सजायसड्ढेसजायमसए मजायकोऊहल्ले
समुप्पणसड्ढे समुप्पणससएसमुप्पणकोऊहल्ले
उट्टाए उट्टेइ उट्टाए उट्टित्ता जेणेव समणे भगवं
महावीरे तेणेव उवागच्छइ २ ता समण भगवं
महावीर तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिणं करेइ
तिक्खुत्तोआयाहिण पयाहिण करेत्ता वटइ णमसइ
वदित्ता णमसित्ता नचासण्णे नाइदूरे सुस्ससमाणे
णमसमाणे अभि मुहेविणएण पजलिउडे
पज्जुवासमाणे एवं वयामी ।

जीवे ण भते ! असजए थविरए अप्पडिह्य
पच्चस्खापपावकम्मे सकिरिए असयुडे एगतदडे

णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता समण
 भगव महावीर तिकखुत्तो आयाहिण पयाहिण
 करेइ २ स्ता वदइ णमसइ वंदित्ता णमसित्ता एव
 वयासी-“सुयस्सवाए ते भते ! निग्गन्थे पावयणे
 जाव किमग पुण एत्तो उत्तरतर ?,” एव वदित्ता
 जामेव दिस पाउज्भूए तामेव दिस पडिगए ॥

(सू० ३७) तए ण ताओ सुभद्दापमुहाओ
 देवीओ समणस्स भगवओ महावीरस्स अतिए
 धम्म सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हिययाओ उट्ठाए
 उट्ठित्ता समण भगव महावीर तिकखुत्तो
 आयाहिण पयाहिण करेति २ स्ता वदति णमसंति
 वदित्ता णमसित्ता एव वयासी-सुयस्सवाए ण भते !
 निग्गन्थे पावयणे जाव किमग पुण एत्तो उत्तर-
 तर ?,” एववदित्ता जामेव दिसि पाउज्भूयाओ
 तामेव दिसि पडिदयाओ ।

(समोसरण समत्ता) ॥

(सू० ३८) तेण कालेणं तेण समएण समस्स
 भगवओ महावीरस्स जेहे अतेवासी इदभूई णाम
 एववदित्ता जामेव दिसि पाउज्भूयाओ तामेव दिसि पडिदयाओ ।

अरहाणगसीयायवदंसमसगमेयजल्लमलपकपरिता-
वेणं अप्पतरो वा भुज्जतरो वा काल अप्पाण परि-
किलेसंति अप्पतरो वा भुज्जतरो वा काल अप्पाणं
परिकिलेसित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु
वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवति,
तहिं तेसिं गइं तहिं तेसिं ठिईं तहिं तेमि उववाण
पणत्ते । तेसिं ण भते ! देवाण केवइय काल ठिईं
पणत्ता ? गोयमा ! दसवासमहस्साइ ठिईं पणत्ता,
अत्थि णं भते ! तेमि देवाण इड्ढी वा जुईं
वा जसे इ वा यले इ वा वीरिण इ वा पुरिसक्का-
रिपरक्कमे इ वा ? हता अत्थि । ते णं भते ! देवा
परलोगस्सआराहगा ? णो इणट्ठे ममट्ठे ॥ ५ ॥

से जे इमे गामागरणयरणिगमरायहाणिले-
डकव्यडमडघदोणमुहपट्ठणागरसवाहसणिवेसेसु
मणुया भवंति, त जहा—अट्ठवद्धगा णिअलवद्धगा
हडिवद्धगा चारगवद्धगा हत्थच्चिण्णगा पायच्चिण्णगा
कणच्चिण्णगा एक्कच्चिण्णगा ओढच्चिण्णगा जिब्भ
उिण्णगा सोसउिण्णगा मुखउिण्णगा मज्झच्चि-
ण्णगा वेकच्चिण्णगा हियउ प्पाडियगा णयणु-
प्पाडियगा दसणुप्पाडियगा वसणुप्पाडियगा गेव-
च्चिण्णगा तडुलउिण्णगा कागणिमसक्काविद्यगा

एगतवाले एगतसुत्ते पावकम्म अएहाइ ?-हता
अएहाइ ॥ १ ॥

जीवे ण भते ! असजए जाव एगतसुत्ते मोह-
णिज्ज पावकम्मा अएहाइ ? हता अएहाइ ॥ २ ॥

जीवे ण भते ! मोहणिज्ज कम्म वेदेमाणे किं मो-
हणिज्ज कम्म बधइ ? वेयणिज्ज कम्म बधइ ? गोयमा !
मोहणिज्जपि कम्म बधइ वेयणोज्जपि कम्म बधइ,
णएणत्थ चरिममोहणिज्ज कम्म वेदेमाणे वेयणिज्ज
कम्म बधइ एो मोहणिज्ज कम्म बधइ ॥ ३ ॥

जीवे ण भते ! असजए जाव एगतसुत्ते
ओसएण तसपाणघाई कालमासे काल किच्चा
एेरइणसु उववज्जइ ?, हता उववज्जइ ॥ ४ ॥

जीवे ण भते ! असजए अविरए अप्पडिहय-
पच्चस्खायपायकम्मे इओ सुए पेच्चा देरे सिया ?
गोयमा ! अत्थेगइया देवे सिया अत्थेगइया णो
देवे सिया ॥

से केणट्ठेण भते ! एव वुचइ अत्थेगइया देवे
सिया अत्थेगइया णो देवे सिया ? गोयमा !, जे
इमे जीवा गामागरणपरणिगमरायहाणिखेडक-बड-
मट्ठदोणसुहपट्ठणासममवाहसणिणवेसेसु अकाम-
‘ तएहाण अकामहुहाण अकामवभचरेवासेण अकाम-

[] विणीया अम्मापिउसुस्तसगा अम्मापिईणं
अणइक्कमणिज्जवयणा अप्पिच्छा अप्पारंभा अप्परि-
ग्गहा अप्पेण आरभेण अप्पेण समारभेण अप्पेण
आरभसमारभेण वित्ति कप्पेमाणा बह्वि वासाइ
आउय पालति पालित्ता कालमासे काल किच्चा
अण्णपरेसु वाणतरेसु त चेव सब्बं णवर ठिई
चउदसचाससहस्साइ [देवा परलोगस्सआराहगा ?
णो इण्टे समट्ठे] ॥ ७ ॥

से जाओ इमाओ गामागर जाव मनिवेसेसु
इत्थियाओ भवति, त जहा-अंतोअतेउरियाओ
गयपइयाओ मयपइयाओ बालविहवाओ छट्ठिय-
ल्लियाओ माइरक्खियाओ पियरक्खियाओ भायर-
क्खियाओ [] कुलघररक्खियाओ ससुरकुलर-
क्खियाओ [] पख्खणहमसकेसकक्खरोमाओ
ववगयपुप्फगधमल्लालकाराओ अण्हाणगसेयजल्ल-
मलपकपरितात्रियाओ ववगयखीरदहिणवणीयस-
प्पिनेल्लगुललोणमट्टमज्जमसपरिचत्तकयाहाराओ
अप्पिच्छाओ अप्पारभाओ अप्पपरिग्गहाओ अप्पेण
आरभेण अप्पेण समारभेण अप्पेण आरभसमा-
यभेण वित्ति कप्पेमाणीओ अक्कामवभचेरवासंण
तामेय पइमेज्जं णाइक्कमइ ताओ णं इत्थियाओ

ओलधियगा लधियगा घसियगा घोलियगा फालिङ-
यगा पीलियगा सूलाह्यगा सूलभिरणगा खारव-
त्तिया वज्रभ्रत्तिया सीहपुच्छियगा दवग्निदड्ढगा
पकोसरणगा पकेखुत्तगा बलयमयगा वसदृमयगा
णियाणमयगा अतोसल्लमयगा गिरिपटियगा तरु-
पटियगा मरुपटियगा गिरिपत्तदोलिया तरुपत्त
दोलिया मरुपत्तदोलिया जलपत्तसिगा जलणपत्तसि-
का विसम्भत्तियगा सत्थोवाडियगा वेहाणसिया गि-
द्धपट्टगा कत्तारमयगा दुब्भम्भम्भमयगा असकिलिद्धप-
रिणामाते कालमासे काल किच्चा अरण्यरेसु वाण-
मत्तरेसु देवल्लोणसु देवत्ताए उववत्तारो भवति, तर्हि
तेसि गइ तर्हि तेसिं ठिई तर्हि तेसिं उववाए
पणत्ते । तेसि ण भते ! देवाण केवइय कालं
ठिई पणत्ता ? गोयमा ! चारसवाससहस्साइ ठिई
पणत्ता अत्थि ण भते ! तेसिं देवाण इड्ढी
चा जुई चा जसे इ चा बले इ चावीरिए इ चा
पुरिसक्कारपरिकमे इ चा ? हता अत्थि । ते ण भते !
देवा परल्लोगस्सआराहगा ? णो इण्णे समे ॥ ६ ॥

से जे इमे गामगर जाव सन्निवेशेसु मणुया
भवति त जहा-पगइभद्दगा पगइउवसता पगइप-
त्तणुकोहमाणमायालोहा मिउमद्वसपण्णा अल्लिणा

णो मलाहारा रुदाहारा तथाहारा पत्ताहारा पुष्पा-
हारा बीयाहारा परिसलियरुदमूलनयपत्तपुष्कफ-
लाहारा जलामिसेयरुढिणगायभूया आयावणार्हि
पचगितावेहि इगालसोल्लिय रुण्डुमोल्लिय कट्ट-
सोल्लिय पिव अप्पाण रुरेमाणा बट्टई वासाड परि-
याग पाउणति, २ ता कालमामे काल किच्चा उक्को-
मणं जोहसिणसु देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
पलियोवम वाससयसहस्समम्भहिय ठिई सेस
तं चेय (—आराहगा ?—णो इणट्टे समट्टे) ॥१०॥

से जे इमे जाव मन्निवेसेसु पव्वइया ममणा
भवन्ति । त जहा—कदप्पिया कुक्कुइया मोहरिया
गीयरहप्पिया नच्चणमोला, ते ण एएण विहारेणं
विहरमाणा बट्टई वासाइ सामणणपरियाय पाउणति,
२ ता तस्म ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता कालमासे
काल किच्चा उकोसेण मोहम्मे कप्पे रुदप्पिणसु
देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति । तेहि तेसिं गई,
सेम त चेय णयर पलिओयम वाससयसहस्सम-
म्भहिय ठिई ॥ ११ ॥

से जे इमे जाव मन्निवेसेसु परिव्वाया भवन्ति ।
त जहाइया—जोगी काविला भिउव्या हसा
परमहसा बहुउदगा कुडिव्वया कएहपरिव्वायया ।

एयाख्वेण विहारेण विहरमाणीओ घट्टइ वासाई
सेम त चेव जाय चउसट्ठिं वाससत्तस्माइ ठिई
पणत्ता ॥ ८ ॥

मे जे इमे गामागर जाय सन्निवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-दगयिइया दगतइया दगसत्तमा
दगण्कारसमागोयमा गोन्वइया गित्तिधम्मा धम्मचिं-
तगा अविन्द्वविन्द्वबुद्धमावगप्पभितयो तेसिं मणु-
याण णो कप्पइ इमाओ नय रसविगईओ
आहारेत्ताण, त जहा-पीर दहि णवणीय तसप्पि
तेवल फाणिय महु मज्ज मस, णो एणणत्थ एक्काए
सरिमवविगईण, ते ण मणुया अप्पिन्दा त चेव
सन्व णयर चउरासीस वासमहस्साइ ठिई पण
त्ता ॥ ९ ॥

मे जे इमे गुगाकूलगा वाणपत्था तावसा भवति,
त जहा होत्तिपा पोत्तिपा कोत्तिपा जणण्डं सड्ढई
थालई हुपउट्ठा दंतुअलिया उम्मज्जगा सम्मज्जगा
निमज्जगा सपग्गाला दक्खिणकूला उत्तरकूलगा
सखधम्मगा कूलधम्मगा मिगलुद्धगा हत्थितावसा
उद्धट्ठा निसापोक्खिणो पाकुरासिणो अनुपामिणो
विलवामिणो जलवामिणो वेलवामिणो रुग्गवमू
लिया अयुभक्खिणो चाउभक्खिणो सेउलभक्खि-

भविता अभिसेयजलपृथग्पाणो अविच्छेण सग्न
गमिस्सामो' ।

तेसि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ अगड वा
तलायं वा णइ वा वार्वि वा पुम्भरिणि वा दीहिय
वा गुजालियं वा सरं वा [क्वित्-सरसिं वा] सागरं
वा ओगाहित्तए णणत्थ अद्वाणगमणेण । णो
कप्पइ सगडं वा जाव संदमाणिय वा दुम्भित्ता णं
गच्छित्तए । तेसि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ
आस वा हत्थि वा उट्ठ वा गोणि वा महिस वा
खर वा दुम्भित्ता ण गमित्तए [णणत्थ वलाभि-
ओगेण ।] तेसि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ नड-
पेच्छा इ वा जाव मागहपेच्छा इ वा पेच्छित्तए ।
तेसि परिव्यायागाण णो कप्पइ हरियाण लेसण्या
वा घटण्या वा थभण्या वा लूमण्या वा उप्पाड-
ण्या वा करित्तए, तेसि परिव्यायागाण णो कप्पइ
इत्थिकहा इ वा भत्तकहा इ वा देसकहा इ वा
रायकहा इ वा चोरकहा इ वा जणवयकहा इ वा
अणत्थदड करित्तए । तेसि णं परिव्यायागाण णो
कप्पइ अयपायाणि वा तउअपायाणि वा तथपायाणि
वा जसदपायाणि वा सीसगपायाणि वा रूपपा-
याणि वा सुवणपायाणि वा अरणपराणि वा यट्ठ-

तत्थ खलु इमे अट्ठ माहणपरिब्बायया भवति ।
तजहा—

करणे य करकण्ठे य अयडे य परासरे ।

करहे दीवायणे चेव देवगुत्ते य नारए (१)॥

तत्थ खलु इमे अट्ठ स्वत्तिय परिब्बायया भवति ।
त जहा—

सीलई ससिहारे (य) नग्गई भग्गई ति य ।

विदेहे राया रायारामे थले ति य ॥

ते ण परिब्बायया रिउवेदयजुब्बेदसामवेय
अहव्वणवेयइतिहासपचमाण णिघण्डुछट्ठाण सगो-
चगाण सरहस्साण चउएह वेयाण सारगा पारगा
घारगा चारगा सउगवी मट्ठिततविसारया सखाणे
सिक्काकप्पे चागरणे छदे निरुत्ते जोइसामयणे
अण्णेषु य [यहसु] यभरणणसु य सत्थेषु सुपरि
णिट्ठिया यावि होत्था ।

ते ण परिब्बायया दाणधम्म च सोयधम्म च
तित्थाभिसेय च आघवेमाणा पणवेमाण पस्सवेमाणा
विहरति । 'जरुण अम्ह किं चि अस्सुई भउइ तरुण
उदण्ण य मट्ठियाण च पक्खालिय सुई भवइ । एव
खलु अम्हे चोरुखा चोरुखायारा सुई सुइसमायारा

भविता अभिसेयजलपूयप्याणो अविद्येण सगं
गमिस्सामो' ।

तेमि ण परिव्यायागाण णो कप्पइ अगड वा
तलायं वा णइ वा वार्चि वा पुग्गवरिणिं वा दीहिय
वा गुजालियं वा सर वा [कचित्-मरसिं वा] सागरं
वा ओगाहित्तए णणत्थ अद्वाणगमणेणं । णो
कप्पइ सगड वा जाव सदमाणिय वा दुम्हत्तिता ण
गच्छित्तए । तेसि णं परिव्यायगाण णो कप्पइ
आस वा हत्थि वा उट्ठ वा गोणिं वा महिस वा
खर वा दुम्हत्तिता ण गमित्तए [णणत्थ यलाभि-
ओगेण ।] तेसि एं परिव्यायगाण णो कप्पइ नड-
पेच्छा इ वा जाव मागहपेच्छा इ वा पेच्छित्तए ।
तेसि परिव्यायगाण णो कप्पइ हरियाण लेसणया
वा घट्टणया वा धभणया वा लूसणया वा उट्ठपाड-
णया वा करित्तए, तेसि परिव्यायगाणं णो कप्पइ
इत्थिक्कहा इ वा भत्तक्कहा इ वा देमक्कहा इ वा
रायक्कहा इ वा चोरक्कहा इ वा जणयक्कहा इ वा
अणत्थदड करित्तए । तेमि ण परिव्यायगाण णो
कप्पइ अयपायाणि वा तउअपायाणि वा तवपायाणि
वा जसदपायाणि वा सीसगपायाणि वा रुप्पपा-
याणि वा सुवणपायाणि वा अरणयराणि वा थट्ठ-

मुल्लाणि धारित्तए, णणत्थ लाउपाएण वा
 दाप्पाएण वा मट्ठियापाएण वा । तेसि ण परिव्वा
 यगाण णो कप्पइ अयवधणाणि वा तउअपवधणाणि
 वा तववधणाणि वा जाव वहमुल्लाणि धारित्तए ।
 तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ णाणाविहवण-
 रागरत्ताइ वत्थाइ धारित्तए, णणत्थ एगाए धाउ-
 रत्ताए । तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ हार
 वा अद्धहार वा एगावलि वा मुत्तावलि वा कण-
 गावलिं वा रयणावलिं वा मुरवि वा कठमुरविं
 वा पालव वा तिसरय वा कडिसुत्त वा दसमुद्धि-
 आणतग वा कडयाणि वा तुडियाणि वा अंगयाणि
 वा केऊराणि वा कुटलाणि वा मउड वा चूलामणिं
 वा पिणद्धित्तए, णणत्थ एगेण तविएण पवित्तएण ।
 तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ गधिमवेढिमपूरि-
 मसघाइमे चउव्विहे मल्ले धारित्तए, णणत्थ एगेण
 कणपूरेण । तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ
 अगलुएण वा चदणेण वा कुकुमेण वा गाय अणुलिं-
 पित्तए, णणत्थ एक्काए गगामट्ठियाए ।

तेसि ण परिव्वायगाण कप्पइ मागहण पत्थए
 जलस्स पडिग्गाहित्तए सेऽवि व वहमाणे णो चेव
 ए अवहमाणे, सेऽवि य धिमिओदण णो चेव ण

कइमोटण, सेऽवि य वहुप्पसण्णे णो चेव ए अवहु-
प्पसण्णे, सेऽवि य परिपूण णो चेव ण अपरिपूण
सेऽवि य णं ठिएण्णे णो चेव ण अदिएण्णे, सेऽवि य
विचित्तए णो चेव ण हत्थपायचरुचमसपक्खाल-
पट्टाए सिणाइत्ताए वा । तेसि ण परिव्यायगाण
कप्पइ मागहए आद्धाढण जलस्म पटिग्गाहत्ताए,
सेऽवि य वहमाणे णो चेव ए अवहमाणे जाव णो
चेवण अदिएण्णे, सेऽवि य हत्थपायचरुचमसपक्खा-
लणट्टयाण णो चेव णं पिचित्तए सिणाइत्ताए वा ।

ते ण परिव्यायगा ण्यास्सवेणं विहारेण चित्तर-
माणा बहूइ चासाइ परियाय पाउणति, २ त्ता
कालमासे काल किच्चा उक्कोमंणं यभलोण कप्पे
देवत्ताए उववत्तारो भवति, तहि तेसि गई तहिं
तेसि ठिई दस मागरोचमाईं ठिई पणत्ता, सेसं
त चेव ॥१२॥

(सूत्र ३६) तेण कालेण तेण समणण अम्म-
डस्स परिव्यायगस्स सत्त अतेवासिसयाइ गिम्ह-
कालसमयमि जेट्टामूलमासमि गगाण महानईए
उभथोकूलेण कविल्लपुराओ णयरओ पुरिमताल
णयर सपट्टिया विहाराण ।

मुल्लाणि धारित्तण, णणत्थ लाउपाण्ण वा
 दारुपाण्ण वा मट्टियापाण्ण वा । तेसि ण परिव्वा-
 यगाण णो कप्पइ अयवधणाणि वा तउअयवधणाणि
 वा तयवधणाणि वा जाव वट्टमुल्लाणि धारित्तए ।
 तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ णाणाविहवरण-
 रागरत्ताइ वत्थाइ धारित्तए, णणत्थ एगाए धाउ-
 रत्ताए । तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ हार-
 वा अद्धहार वा ण्गावलिं वा मुत्तावलि वा कण-
 गावलिं वा रयणावलि वा मुरवि वा कठमुरवि
 वा पालव वा तिसरय वा कडिसुत्त वा दसमुद्धि-
 आणतग वा कडयाणि वा तुडियाणि वा अगयाणि
 वा केऊराणि वा कुडलाणि वा मउड वा चूलामणिं
 वा पिणद्धित्तण, णणत्थ एगेण तविण्ण पवित्तएण ।
 तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ गधिमउद्धिमपूरि-
 मसघाइमे चउव्विहे मल्ले धारित्तए, णणत्थ एगेण
 करणपूरेण । तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ
 अगलुएण वा चदणेण वा कुकुमेण वा गाय अणुलिं-
 पित्तण, णणत्थ एक्काण गगामट्टियाण ।

तेसि ण परिव्वायगाण कप्पइ मागहए पत्थए
 जलस्स पडिग्गाहित्तण सेऽवि व वहमाणे णो चेव
 ए अवहमाणे, सेऽवि य धिमिओदए णो चेव ण

रुद्धमोदण, सेऽवि य बहुप्पसरणे णो चेव एं अयहु-
प्पसरणे, सेऽवि य परिपूण णो चेव ण अपरिपूण
सेऽवि य ण दिरणे णो चेव ण अदिरणे, सेऽवि य
पिवित्तण णो चेव ण हत्थपायचरुचमसपरुखाल-
पट्टाण सिणाइत्ताए वा । तेसि ण परिव्वायगाणं
कप्पइ मागहए आद्धाढण जलस्स पडिग्गाहत्ताए,
सेऽवि य चहमाणे णो चउ ए अउहमाणे जाव णो
चेउण अदिरणे, सेऽवि य हत्थपायचरुचमसपरुखा-
लणट्टयाण णो चेव णं पिवित्तण मिणाइत्ताए वा ।

ते ण परिव्वायगा ण्यारूपेणं विहारेण विहर-
माणा बहूइ वासाइ परिघाय पाउणति, २ त्ता
कालमासे काल किच्चा उक्कोमेण वमलोए कप्पे
देवत्ताण उववत्तारो भवति, तर्हि तेसि गई तर्हि
तेसि ठिई ढस मागरोवमाई ठिई पणत्ता, सेसं
त चेव ॥१२॥

(सूत्र ३६) तेण कालेण तेण समणण अस्म-
उस्स परिव्वायगस्स सत्ता अतेवासिमयाइ गिम्ह-
कालसमयसि जेट्टामुलमासमि गगाण महानईए
उभओरुलेण कविल्लपुराओ णयराओ पुरिमताल
णयर सपट्टिया विहाराण ।

मुह्लाणि धारित्तण, णणत्थ लाउपाण्ण वा
 दारुपाण्ण वा मट्टियापाण्ण वा । तेसि ण परिव्वा-
 यगाण णो कप्पइ अययधणाणि वा तउअययधणाणि
 वा तययधणाणि वा जाव यट्टमुह्लाणि धारित्तए ।
 तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ णाणाविहवण-
 रागरत्ताइ वत्थाइ धारित्तण, णणत्थ एगाण धाउ-
 रत्ताण । तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ हार
 वा अद्धहार वा ण्णावलिं वा मुत्तावलिं वा कण-
 गावलिं वा रयणावलिं वा मुरविं वा कठमुरविं
 वा पालथ वा तिसरय वा कडिमुत्त वा दसमुद्दि-
 आणतग वा रुडयाणि वा तुडियाणि वा अगयाणि
 वा केऊराणि वा कुटलाणि वा मउडं वा चूलामणिं
 वा पिणद्धित्तण, णणत्थ ण्णेण तविण्ण पवित्तण्ण ।
 तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ गथिमवेढिमपूरि-
 ममधाइमे चउव्विहे मल्ले धारित्तण, णणत्थ ण्णेण
 कण्णपूरेण । तेसि ण परिव्वायगाण णो कप्पइ
 अगलुएण वा चदणेण वा कुकुमेण वा गाय अणुलिं-
 पित्तण, णणत्थ एक्काण गगामट्टियाण ।

तेसि ण परिव्वायगाण कप्पइ मागहए पत्थए
 जलस्स पडिग्गाहित्तण मेऽवि च वहमाणे णो चेव
 ए अवहमाणे, सेऽवि य धिमिओदण णो चेव ण

मा ण अम्ह तवलोवे भविस्सइ । त सेय रलु
अम्हं देवाणुप्पिवा ? तिदंडय कुडियाओ य
हंणियाओ य करोडियाओ य भिसियाओय
इण्णालण य अकुसए य केसरियाओ य पवित्तए
य गणेतियाओ य छत्तए बाहणाओ य पाउयाओ
य धाउरत्ताओ य एगते णडित्ता गग महणइ ओगा-
हत्ता वालुयासंधारण सथरित्ता सलेहणाभूसियाण
भत्तपाणपडियाइस्मिग्घाण पाओवगघाण कालं
अणवकखमाणण विहरित्तए त्तिकट्ठु अणम-
णस्स अतिए एयमट्ठ पडिमुणेंति, २ त्ता तिदंडण
य जाव एगते ण्डेइ २ त्ता गग महणइ ओगा-
इइ २ त्ता वालुआसथारए सथरति २ त्ता वालु-
यासथारयदुरहिति वा २ त्ता पुरत्थाभिमुहा सपलिय-
कनिसएणा करयल जाव कट्ठुएय वयासी ।

“नमोऽत्थु णं अरहताण जाव सपत्ताण, नमो
ऽत्थु ण समणस्स भगवओमहावीरस्स जाव सपा
विउकामस्म, नमोऽत्थुण अम्मडस्स परिव्वायगस्स
अम्ह धम्मायरियस्स धम्मोवदेसगस्स । पुट्ठि णं
अम्हे [] अम्मडस्स परिव्वायगस्स अतिए थूल-
गपाणाइयाए पच्चक्खाए जावज्जीवाए थुलए मुमा-
वाए थुलए अदिण्णादाणे पच्चक्खाए जावज्जीवाए,

तए ण तेसिं परिव्वायगाण तीसे अगामियाण
 द्विण्णोवायाण दीहमद्दाण अटवीण कचि देसतर-
 मणुपत्ताण से पुव्वग्गहिण उदए अणुपुब्बेण परि-
 भुजमाणे भीण्णे ।

तए ण ते परिव्वाया भीणोदगा समाणा
 तएहाण पारब्भमाणा २ उदगदातारमपस्ममाणा
 अणमण सहावेति सहावि ता एव वयासी.—

“एव खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह इमीसे अगा-
 मिआण जाव अटवीण कचि देसतरमणुपत्ताण से
 उदए जाव भीण्णे त सेय खलु देवाणुप्पिया ! अम्ह
 इमीसे अगामियाण जाव अटवीण उदगदातारस्स
 सव्वओ समता मग्गणगवेसण करित्ताण” त्ति
 कट्ठु अणमणस्स अतिण एयमट्ट पटिसुणेंति २
 ता तीसे अगामियाण जाव अटवीण उदगदाता-
 रस्स सव्वओ समता मग्गणगवेसण करेई करित्ता
 उदगदातारमलभमाणा दोवपि अणमण सहा-
 वेन्ति सहावेत्ता एव ययासी —

“इह ण देवाणुप्पिया ! उदगदातारो णत्थि
 त णो खलु कप्पइ अम्ह अदिण गिरिहत्ताण []
 अदिण साइज्जित्ताण, त मा ए अम्हे इयाणि आव-
 इकाल पि अदिण गिरहामो अदिण साइज्जामो

कालमासे काल किञ्चा वभलोण कप्पे देवत्ताण उव-
वण्णा । तहि तेसि गई दससागरोवमाड ठिई
पणत्ता, परलोगस्म आराहगा, सेसं तं चेव ॥१३॥

(सू० ४०) बहुजणे ण भते ! अणमणस्स
एवमाइक्खइ एवं भासइ एव पस्सेइ । “एव खलु
अम्मे परिव्वायण कपिल्लपुरे णयरे घरसण आहा
रमाहरेइ, घरसण वसहि उवेइ, से कहमेय भते !
एव ?” ।

“गोयमा ! ज ण से बहुजणो अणमणस्स
एवमाइक्खइ जाव एव पस्सेइ—‘एवं खलु अम्मडे
परिव्वायण कपिल्लपुरे जाव घरसण वसहि उवेइ,
सधे ण एसमट्ठे, अहंपिण गोयमा ! एवमाइक्खामि
जाव एव पस्सेमि ‘एवं खलु अम्मडे परिव्वायण
जाव वसहि उवेइ’” ।

से केणट्ठेण भते ! एवं बुद्धइ—अम्मडे परिव्वा
यण जाव वसहि उवेइ ?

“गोयमा ! अम्मटस्स ण परिव्वायणस्स पगह-
भइयाण जाव विणीययाण उट्ठंउट्ठेण अनिज्जिग्गस्सेण
तथोकम्मेण उट्ठंउट्ठं पगिज्जिक्कय २ सूराभि
सुहस्स आयावणभूमीण आयावेमाणस्स सुभेणं
परिणामेण [] पसत्थाहिं लेसाहिं विसुज्झमा

सन्ने मेष्टुणे पचस्त्वाए जावज्जीवाए, थूलए परिग्गहे
 पचस्त्वाए जावज्जीवाए, इयाणि अम्हे समणस्स
 भगवओ महावीरस्स अतिए सब्ब पाणाइवाय पच-
 कप्पामो जावज्जीवाए, एव जाव सब्ब परिग्गह
 पचस्त्पामो जावज्जीवाए, सब्ब कोह माण माय
 लोह पेज्ज दोस कलह अब्भस्सणाण पेसुएण परप
 रिवाय अरहरइ मायामोस मिच्छादमणसल्ल अक-
 रणिज्ज जोग पचस्त्पामो जावज्जीवाए, सब्ब असणं
 पाण ग्वाइम साइम चउव्विह पि आहार पचस्त्पामो
 जावज्जीवाए । ज पि य इम सरीर इद्व कत पि य
 मणुएण मणाम [पेज्ज] थेज्ज वेत्तामिय समय बहुमय
 अणुमय भडकरडगममाण मा ण सीय मा ण उएह
 मा ण रुहा मा ण पिवासा मा ण वाला मा ण
 चोरा मा ण दसा मा ण मसगा मा ण वाइयपि-
 स्तिय [] समिवाइयविविहा रोगायका पूरीसहो-
 वसग्गा कुमतु त्तिरुट्ठु एयपि ण चरमेहि उस्साम
 णोस्सामेहि वोसिरामि त्तिरुट्ठु सलेहणाभूत्तणा-
 भूत्तिया भत्तपाणपडियाइक्खिया पाओवगया काल
 अणवकवमाणा विहरति ।

तए ण ते परिव्याया बहूइ भत्ताइ अणसणाए
 छेदेन्ति छेदित्ता आलोइयपडिक्कता समाहिपत्ता

सगड वा ण्व त चेव भाणियव्व जाव णणत्थ
एगाए गगामट्ठियाण । अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स
णो कप्पइ आराकम्मिए वा उद्देसिए वा मीसजाण
इ वा अज्झोयरए इ वा पूइकम्मे इ वा कीयगडे इ
वा पामिच्चे इ वा अणिसिद्धे इ वा अभिहडे इ वा
ठइत्तए वा रइत्तए वा कतारभत्ते इवा दुब्भिकख-
भत्ते इ वा पाहुणगभत्ते इ वा गिलाणभत्ते इ वा
वदलियाभत्ते इ वा भोत्तए वा पाइत्तए वा, अम्म
डस्स ण परिव्वायगस्स णो कप्पइ मूलभोयणे वा
जाव वीयभोयणे वा भोत्तए वा पाइत्तए वा ।

अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स चउव्विहे अणट्ठा-
दडे पच्चक्खाए जावज्जीवाए । त जहाः—अवज्झा-
णायरिए पमायायरिए हिंसप्पयाणे पावकम्मोवा-
एसे ।

अम्मडस्स कप्पइ मागहए अट्ठादए जलस्स
पडिग्गाहित्तए सेऽविय वहमाणए णो चेव ण
अवहमाणए जाव सेऽविय परिपूए णो चेव ण
अपरिपूए, सेऽविय सावज्जेत्तिकऊ णो चेव णं
अणवज्जे, सेऽविय जीवा इतिरुट्ठु णो चेव णं
अजीवा मेऽविय दिण्णे णो चेव ण अदिण्णे से-
ऽविय दत्तहत्थपायचरुचमसपक्खालणट्ठयाए पिचि-

णीहि अन्नया कयाइ तदावरणिज्जाण कम्माण खओ-
वसमेण ईहावूहामगणगवेसण करेमाणस्स वीरि-
यलद्धीण वेउव्वियलद्धीण ओहिणाणलद्धीए समुप्प-
ण्णातण्ण से अम्मडे परिव्वायए ताए वीरियल-
द्धीण वेउव्वियलद्धीण ओहिणाणलद्धी समुप्पण्णाए
जणविम्हावणहेउ कपिलपुरे णगरे घरमण्जाव वसहिं
उवेइ, से तेणट्ठेण गोयमा ! एव बुच्चई-अम्मडे परि-
व्वायए कपिलपुरे णगरे घरसए जाव वसहिं उवेइ ।

पहू ण भते ! अम्मडे परिव्वायए देवाणुप्पि
याण अतिए मुटे भवित्ता अगाराओ अणगारिय
पव्वइत्तए ?

णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा ! अम्मडे ण परिव्वा-
यए समणोवासए अभिगयजीवाजीवे जाव अप्पाण
भावेमाणे विहरइ, णवर ऊसियफलिहे अवगुयडु-
वारे चियत्ततेउरघरदारपवेमी [] एय ण बुच्चइ ।

अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स थूलए पाणाइवाए
पच्चरूखाए जावज्जीवाए जाव परिगहे णवर सव्वे
मेहुणे पच्चरूखाए जावज्जीवाए ।

अम्मडस्स ण [परिव्वायगस्स] णो कप्पइ
अक्खसोयप्पमाणमेत्तपि जलं सयराह उत्तरित्तए,
णणत्थ अद्दाणगमणेण । अम्मडस्स ण णो कप्पइ

सगड वा एव त चेत् भाणियव्व जाव णणत्थ
एगाए गगामट्टियाण । अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स
णो कप्पइ आहाकम्मिए वा उद्देसिए वा मीसजाए
इ वा अज्झोयरण इ वा पूइरुम्मे इ वा कीयगटे इ
वा पामिच्चे इ वा अणिसिद्धे इ वा अभिहडे इ वा
ठइत्तए वा रहत्तए वा कतारभत्ते इवा दुब्भिकख-
भत्ते इ वा पाट्टणगभत्ते इ वा गिलाणभत्ते इ वा
वहलियाभत्ते इ वा भोत्तए वा पाइत्तए वा, अम्म
डस्स ण परिव्वायगस्स णो कप्पइ मूलभोयणे वा
जाव बीयभोयणे वा भोत्तए वा पाइत्तए वा ।

अम्मडस्स ण परिव्वायगस्स चउव्विहे अणट्ठा-
दडे पच्चस्खाए जावज्जीवाए । त जहाः—अवज्झा-
णायरिए पमायायरिए हिंसप्पयाणे पावकम्मोवा-
एसे ।

अम्मडस्स कप्पइ मागहए अट्ठाढण जलस्स
पटिग्गाहित्तए सेऽविय वहमाणए णो चेव ण
अवहमाणए जाव सेऽविय परिपूए णो चेव ण
अपरिपूए, सेऽविय सावज्जेत्तिक्काज्ज णो चेव ण
अणवज्जे, सेऽविय जीवा इतिकट्ठु णो चेव णं
अजीवा सेऽविय दिण्णे णो चेव ण अदिण्णे से-
ऽविय दत्तहत्थपायचरुचमसपक्खालणट्टयाए पिचि-

त्तए वा णो चेव ण सिणाइत्तए । अम्मडस्स कप्पइ
मागहए य आढए जलस्स पडिग्गाहत्तए, सेऽवि
य वहमाणए जाव दिन्ने णो चेव ण अदिरणे, सेऽवि-
य मिणाइत्तए णो चेव ण इत्थपायचरुचमसपफ्फा-
लणट्ठयाण पिचित्तए वा ।

अम्मडस्स णो कप्पइ अरणउत्थिया वा अरण-
उत्थियदेवयाणि वा अरणउत्थियपरिग्गाहियाणि वा
चेइयाइ वदित्तए वा णमसित्तए वा जाव पज्जुवा-
सित्तए वा, णणत्थ अरिहते वा अरिहतचेइयाइ वा ।

अम्मडे ण भते ! परिव्वायए कालमासे काल
किच्चा कहिं गच्छिहिति ? कहिं उववज्जिहिति ?
गोयमा ! अम्मडे ण परिव्वायए उच्चावणहि सील-
व्वयगुणवेरमणपच्चत्त्याणपोसहोववासेहि अप्पाण
भावेमाणे बहूइ वामाइ समणोवासयपरियाये
पाज्जणिहिति, २ ता मासियाण मलेहणाण अप्पाण
भूसित्ता सट्ठि भत्ताइ अणसणाण छेदित्ता आलो-
इयपडिक्कने समाहिपत्ते कालमामे काल किच्चा
बभलोण रूपे देवत्ताण उववज्जिहिति । तत्थ ण
अत्थेगइयाण देवाण दस सागरोवमाइ ठिई
पणत्ता । तत्थ ण अम्मडस्स वि देवस्स दस
सागरोवमाइ ठिई ।

से ण भते ! अम्मडे देवे ताओ देवलोगाओ
आउक्खणं भवस्खएण ठिइस्खएण अणतर चय
चइत्ता कहिं गच्छिहिति कहि उववज्जिहिति ?

गोयमा ! महाविदेहे वासे जाइ कुलाइ भवति
अड्ढाइ दित्ताः वित्ताइ विच्छिण्णविउलभयण-
सयणासणजाणवाहणाइ बहुधणजायरूपरययाइ
आओगपओगसपउत्ताइ विच्छद्वियपउरभत्तपाणाइ
बहुदासीदासगोमहिसगवेलगप्पभूयाइ बहुजणस्स
अपरिभूयाइ तहप्पगारेसु कुलेसु पुमत्ताए
पचायाहिति ।

तएण तस्स दारगस्स गवभत्थस्स चंव समा-
णस्स अम्मापिईण धम्मे दढा पइएणा भविस्मइ ।

से ण तत्थ जयरह मासाण बट्टपडिपुएणाण
अद्धट्टमाणराइदिघाणगीइक्कताण सुकुमालपाणिपाए
जाव ससिसोमाकारे कते पियदसणे सुरूवे दारए
पयाहिति ।

तए णं तस्स दारगस्स अम्मापियरो पढमे
दिवसे ठियवडिय काहिति, बिइयदिवसे चदसूर-
दसणियं काहिति, छट्ठे दिवसे जागरिय काहिति,
एक्कारसमे दिवसे वीइक्कने णिवित्ते असुइजायरु-
म्मकरणे सपत्ते चारसाहे दिवसे अम्मापियरो इमं

ण्यास्य गोण गुणणिप्पकण्ण णामधेज्ज कार्हिति—
 “जम्हा ण अम्ह इमसि दारगसि गढ्मत्थसि चेव
 समाणसि धम्मे दढपइण्णा त होउ ण अम्ह दारए
 दढपइण्णे णामेण” तए ण तस्स दारगस्स अम्मा-
 पिपरो णामधेज्ज करेहिति दढपइण्णेत्ति ।

[] त दढपइण्णा दारग अम्मापिपरो साइरे-
 गढ्मासजायग जाणित्ता सोभणसि तिहिकरण
 [दिवस] णस्सत्तमुट्ठत्तमि कलापरियस्स
 उवणेहिति ।

तए ण से कलापरिए त दढपइण्ण दारग
 लेहाइयाओ गणियप्पहाणाओ मउणम्यपज्जवसा-
 णाओ धावत्तरिकलाओ सुत्तओ य अत्थओ य
 करणओ य सेहाविहिति सिम्खाविहिति, त
 जहा—लेह गणिय स्ख णट्ठ गीय वाइय सरगय
 पुम्भरगय समताल जूय जणवाय पासग अट्ठावय
 पोरेकच्च दगमट्ठिय अण्णविहि [पाणविहिं
 चत्थविहिं विलेवणविहि] सयणविहि अज्ज
 पलेलिय भागहिय गाह गोइय सिनोय हिरण्ण-
 जुत्ति मुवण्णजुत्ति गधजुत्ति चुण्णजुत्ति आभरण-
 विहिं तरुणीपडिकम्म इत्थिलक्खण पुरिसल-
 क्खण हयलक्खण गयलक्खण गोणलक्खण कुक्कु-

टलक्खणं चक्खलक्खणं छत्तलक्खणं चम्मलक्खणं
दंडलक्खणं असिलक्खणं मणिलक्खणं काकणि-
लक्खणं वत्थुविज्ज खंधारमाणं नगरमाणं उत्थुनि-
वेसणं [] वूह पडिवूह चार पडिचार चक्खवूह
गरुलवूह सगडवूह जुद्ध निजुद्ध जुद्धाइजुद्ध
मुट्टिजुद्ध बाहुजुद्ध लयाजुद्ध ईसत्थं लरुप्पवाहं
धणुव्वेयं हिरण्णपागं सुवण्णपागं [] वट्ठखेड्डं
सुत्तखेड्डं पालियाखेड्डं पत्ताच्छेज्जं कडगच्छेज्जं
सज्जीव निज्जीव सउण्णक्यमिति वावत्तरिकलाओ
सेहावित्ता मिक्खावेत्ता अम्मापिईण उवणेहिति ।

तएण तस्स दढपइण्णस्स दारगस्स अम्मापियरो
त कलायरिय विउलेण अमणपाणत्ताइमसाडमेणं
वत्थगधमल्लालकारेण य सक्कारेहिति सम्माणेहिति
२ ता त्रिउल जोवियारिहं पोइदाण दलइस्सति, २
ता पडिविसज्जेहिति ।

तएण से दढपइण्णे दारए वावत्तरिकलापडिण
नवगसुत्तपडियोहिण अट्टारसदेसीभासाविसारए
गीयरई गधव्वणट्टकुसले हयजोही गयजोही
हजोही बाहुजोही बाहुप्पमही विघालचारी साह-
सेए अलभोगसमत्ये यावि भविस्सइ ।

तएण दढपइण्ण दारग अम्मापियरो वावत्त-

रिकलापडिय जाव अलभोगसमत्थ वियाणित्ता
विडलेहि अण्णभोगेहि पाणभोगेहि लेणभो-
गेहि वत्थभोगेहि मयणभोगेहि कामभोगेहि
उवणिमतेहिति ।

तए ण से दढपइण्णे दाए तेहि विडलेहि
अण्णभोगेहि जाव सयणभोगेहि णो सज्जिहिति
णो रज्जिहिति णो गिज्झिहिति णो मुज्झिहिति
णो अज्झोववज्झिहिति ।

से जहा णामए उप्पले इ वा पडमे इ वा
कुसुमे इ वा नलिणे इ वा सुभगे इ वा सुगधे इ
वा पोडरीए इ वा महापोडरीए इ वा सयपत्ते इ वा
सहस्सपत्ते इ वा सयसहस्सपत्ते इ वा पढे जाए
जले सवुड्ढे णोवलिप्पइ पकरण्ण णोवलिप्पइ
जलरण्ण, एवामेव दढपइण्णे वि दारए कामेहि
जाए भोगेहि सवुड्ढे णोवलिप्पिहिति कामरण्ण
णोवलिप्पिहिति भोगरण्ण णोवलिप्पिहिति मित्त-
णाइणियगसयणसवधिपरिजणेण ।

से ण तहारूवाण थेराण अतिए केवल
योहि बुज्झिहिति २ ता अगाराओ अणगारिय
पव्वइहिति ।

सेणं भविस्सइ अणगारे भगवते ईरियासमिए
व गुत्तवभयारी ।

तस्स ण भगवतस्स णणं विहारेण विहरमा-
स्म अणते अणुत्तरे णिव्वाघाण निरावरणे कसिणे
डिपुण्णे केवलवरणाणदंमणे समुप्पज्जहिति ।

[] तए ण से दढपइण्णे केवली न्हइ वासाइ
वलिपरियाग पाउणिहिति पाउणिहि ता मासियाण
लेहणाए अप्पाण भूमित्ता सट्ठि भत्ताइ अण
णाए छेदित्ता जस्सट्ठाए कीरट्ठ एग्ग भावे मुडभावे
पण्हाणाए अदतवणाए केमलोए वभचेरवासे अच्छ-
वग अणोवाहणग भूमिसेज्जा फलहसेज्जा कट्ठसेज्जा
रवरपवेसो लद्धावलद्ध वित्तीण माणावमाणणाओ
रेहि हीलणाओ गिसणाओ निदणाओ मरह-
णाओ तालणाओ तज्जणाओ परिभवणाओ पव्व-
हणाओ उच्चावया गामकट्ठगा बावीम परीसहोव-
सग्गा अहियामिज्जति तमट्ठमाराहित्ता चरिमेहिं
उस्सामणिस्सासेहिं सिज्झिहिति बुज्झिहिति
मुच्चिहिति परिणिव्वा हिनि सब्बदुक्खाणमंतं
करेहिति ॥ १४ ॥

(सू० ४१) सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णि-
वेसेसु पव्वइया समणा भवति, त जहाः—आय-

रिक्तापडिय जाय अलभोगसमत्थ वियाणित्ता
 विउलेहिं अण्णभोगेहिं पाणभोगेहिं लेणभो-
 गेहिं वत्थभोगेहिं मयणभोगेहिं कामभोगेहिं
 उवणिमतेहिंति ।

तए ण मे ददपइण्णे दारए तेहिं विउलेहिं
 अण्णभोगेहिं जाव मयणभोगेहिं णो सज्जिहिति
 णो रज्जिहिति णो गिज्झिहिति णो मुज्झिहिति
 णो अउभोववज्झिहिति ।

से जहा णामए उप्पले इ वा पउमे इ वा
 कुसुमे इ वा नलिणे इ वा सुभगे इ वा सुगघे इ
 वा षोडरीए इ वा महाषोडरीए इ वा सयपत्ते इ वा
 सहस्सपत्ते इ वा सयसहस्सपत्ते इ वा पके जाए
 जले सबुद्धे णोवलिप्पइ पकरण णोवलिप्पइ
 जलरण, एवामेव ददपइण्णे वि दारए कामेहिं
 जाए भोगेहिं सबुद्धे णोवलिप्पिहिति कामरण
 णोवलिप्पिहिति भोगरण णोवलिप्पिहिति मित्त-
 णाइणिगसयणमथधिपरिजणेण ।

से ण तहारूवाण थेराण अतिए केवल
 बोहिं बुज्झिहिति २ ता अगाराओ अणगारिय
 पन्वइहिति ।

अप्पाणं भावेमाणा घट्टं वासाहं आउय पालेति
पालिस्ता भत्त पच्चरुपति घट्टं भत्ताइ अणमणा
धेयति धेइ ता आलोइयपडिक्कता समाहिपत्ता काल-
मासे काल किच्चा उक्कोमेण सहस्मारे कप्पे
देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं तेसि गइं,
अट्टारम सागरोवमाइ ठिई पण्णत्ता परलोगस्स
आराहगा, सेसं त चेउ ॥ १६ ॥

से जे इमे गामागर जाव सनिवेसेसु आजी-
विया भवति, त जहा—दुघरतरिया तिघरतरिया
सत्तघरतरिया उप्पलवेंटिया घरसमुदाणिया विज्जु-
यतरिया उट्टियासमणा, ते ण एयारुवेणं विहारेणं
विहरमाणा घट्टं वासाइ परिघाय पाउणित्ता काल-
मासे कालं किच्चा उक्कोमेण अरुवुण रूपे देवत्ताण
उववत्तारो भवति, तेहिं तेसि गइं वावीस सागरो-
वमाइं ठिई, अणाराहगा, सेस त चेउ ॥ १७ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु
पव्वइया समणा भवति, त जहा—अत्तुक्को-
सिया परपरिवाइया भूइरुम्मिया भुज्जो भुज्जो
कोउयकारगा, ते ण एयारुवेणं विहारेण विह-
रमाणा घट्टं वासाइ सामण्णपरियागं पाउणति

रियपडिणीया उवज्झायपडिणीया कुलपडिणीया
 गणपडिणीया आयरियउवज्झायाण अयसकारगा
 अवण्णकारगा अकित्तिकारगा बहृहि असब्भावु-
 ब्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य अप्पाण च
 पर च तदुभय च वुग्गाहेमाणा वुप्पाएमाणा विह-
 रित्ता बहृइ वासाइ सामण्णपरियाग पाउणति-
 पाउणि ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअप्पटिक्कता
 कालमासे काल किच्चा उक्कोसेण लतए कप्पे
 देवकिब्बिसिएसु देवकिब्बिमियत्ताए उववत्तारो
 भवति, तहिं तेसि गई, तेरस सागरोवमाइ ठिई,
 अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १५ ॥

सेज्जे इमे सण्णिपचिंदियतिरिग्वजोणिया
 पज्जत्तया भवति, त जहा — जलयरा थलयरा खह-
 यरा तेसि ण अत्येगइयाण सुभेण परिणामेण पस-
 त्येहि अज्झवसाणेहिं लेस्साहि विमुज्झमाणीहि
 तयावरणिज्जाण कम्माण ग्वओयसमेण ईहापोह
 मग्गणगवेसण करेमाणाण सण्णीपुब्बजाईसरणे
 समुप्पज्जई ।

तए ण ते समुप्पण्णजाइसरा ममाणा सयमेव
 पचाणुव्वयाइ पटिज्जति पडिवज्जि ता बहृहिं सीलव्व-
 यणुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहिं । १ ५

अप्पाणं भावेमाणा बह्वृद्ध वासाइं आयय पालेंति
पालि त्ता भत्त पच्चरूपति बह्वृद्ध भत्ताइं अणसणाण
छेयति छेइ त्ता आलोइयपडिक्कता समाहिपत्ता काल-
मासे काल किच्चा उक्कोसेण सहस्सारे कप्पे
देवत्ताण उववत्तारो भवति, तहि तेसि गई,
अट्टारस सागरोवमाइ ठिई पण्णत्ता परलोगस्स
आराहगा, सेसं त चेव ॥ १६ ॥

से जे इमे गामागर जाव सनिवेसेसु आजी-
विया भवति, त जहा—दुघरतरिया तिघरतरिया
सत्तघरतरिया उप्पलवेंटिया घरसमुदाणिया विज्जु-
यतरिया उट्टियासमणा, ते ण एयारूवेण विहारेणं
विहरमाणा बह्वृद्ध वामाइ परियाय पाउणित्ता काल-
मासे काल किच्चा उक्कोसेण अच्चुण रूपे देवत्ताण
उववत्तारो भवति, तेहि तेसिं गई बावीस सागरो-
वमाइ ठिई, अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १७ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु
पव्वइया समणा भवति, त जहा—अत्तुक्को-
सिया परपरिवाइया भूदकम्मिया भुज्जो भुज्जो
कोउयकारगा, ते ण एयारूवेणं विहारेण विह-
रमाणा बह्वृद्ध वासाइ सामण्णपरियाग पाउणति

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मामे काल किञ्चा उक्कोसेण अरुण कप्पे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसि गइं यावोम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्म
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेमेसु णि-
रहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवपएसिया
३ अव्यत्तिया ४ साम्मुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्धिया इच्छेते सत्ता पवयणणिग्रहगा
केवललचरियालिगसामण्णा मिच्छदिट्ठी बहुरिं
असम्भावुम्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणियेमेहि य
अप्पाण च पर च तदुभयचतुग्गाहेमाणा चुप्पाए-
माणा विहरित्ता बहूइ वासाइ सामण्णपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति ।
तेहि तेसि गइं एकतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्म अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपुण्ड्र धम्मिष्टा धम्मसुत्ता धम्मपुल्लो
धम्मपुल्लो धम्मसमुदायारा धम्मणे चेव त्रित्ति
वणे माणा सुसीला सुव्वया सुपडियाणदा साह
णग्ग्या आ पाणा इवाया आ पडिविरया जावज्जी
या ण गगच्छा आ अपडिविरया एव जाव परिग्ग
हा आ २ गगच्छा आ कोहा आ माणा आ माया आ
लोहा आ पेज्जा आ [दोमा आ] कलहा आ अन्म
पयाणा आ पेसुण्णा आ परपरिवाया आ अरइरई आ
मायामोमा आ मिच्छादमणमल्ला आ पडिविरया
जावज्जीवा ण गगच्छा आ अपडिविरया गगच्छा आ
आर सम्मसार मा आ पडिविरया जावज्जीवा ण गग
च्छा आ अपडिविरया गगच्छा आ करणकारावणा आ
पडिविरया जावज्जीवा ण गगच्छा आ अपडिविरया गग
च्छा आ पयणपयावणा आ पडिविरया जावज्जीवा ण
गगच्छा आ पयणपयावणा आ अपडिविरया गगच्छा आ
कोट्टणपिट्ठणतल्लणतालणयत्थपपरिकिलेमा आ प
डिविरया जावज्जीवा ण गगच्छा आ अपडिविरया गग
च्छा आ पट्टाणमरणयण्णगगिलेयणमहफरिसरमरुवगं
धमल्लालंकारा आ पडिविरया जावज्जीवा ण गगच्छा आ
अपडिविरया जे यावण्णे तत्तप्पगारा मायज्जजोगो
यहिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

२ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोसेण अच्चुण कप्पे आभि
ओगिण्णु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेमिं गई वावीम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सरिणवेसेसु णि-
एहगा भवति, त जहा-१ यट्ठुरया २ जीवणसिया
३ अचत्तिया ४ साम्मुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिप्रहगा
केवललचरियालिगसामरणा मिच्छदिट्ठी पट्ठिं
असन्भावुन्भावणारिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य
अप्पाण च पर च तद्दुभयचवुग्गाहेमाणा वुप्पाए-
माणा विहरित्ता वट्ठइ वासाइ सामरणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहि तेमिं गई एक्कतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्म अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सरिणवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपल्लया धम्मिद्वर्ग धम्मफलाई धम्मपलोई
धम्मपल्लया धम्मसमुदायारा धम्मेणं चेव विर्त्ति
कप्पेमाणा सुमीला सुब्बया सुप्पडियाणदा माह
 एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जी
 वाए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग्ग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अज्म-
 कवाणाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरइरईओ
 मायामोमाओ मिच्छादमणमल्लाओ पडिविरया
 जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरमसमारमाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
 पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणपिट्टणनज्जणतालणवहवघपरिकिलेसाओ प-
 डिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ ण्हाणमइणवण्णगविलेयणसइफरिसरसरुवग-
 धमल्लालकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मामे काल किञ्चा उक्कोसेण अरुचुण कप्पे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसिं गई धावीस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, मेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि-
एहगा भवति, त जहा-१ वधुरया २ जीवणसिया
३ अव्वत्तिया ४ साम्मच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अयद्धिया इच्चेते सत्त पवयणणिण्हगा
केवललचरियालिगसामण्णा मिच्छदिट्ठी बह्हिं
असम्भावुम्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा पुप्पाए-
माणा विहरित्ता बह्हिं वासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहिं तेसिं गई एकतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेम त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मण्णया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपणुया धम्मिद्धा धम्मसखाई धम्मपलोई
धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मेषं चैव वित्ति
कण्णेषाणा सुमीला सुच्चया सुप्पटियाणदा साह
 ण्णच्चाओ पाणाइवायाओ पटिविरया जावज्जी-
 चाण, ण्णच्चाओ अपटिविरया एव जाव परिग-
 हाओ २ ण्णच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोराओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अन्म-
 रणाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरहरईओ
 मायामोसाओ मिच्छादमणसल्लाओ पटिविरया
 जावज्जीचाण ण्णच्चाओ अपटिविरया, ण्णच्चाओ
 आरभसमारभाओ पटिविरया जावज्जीचाण ण्ण-
 च्चाओ अपटिविरया, ण्णच्चाओ करणकारावणाओ
 पटिविरया जावज्जीचाण ण्णच्चाओ अपटिविरया,
 ण्णच्चाओ पयणपयावणाओ पटिविरया जावज्जीचाण
 ण्णच्चाओ पयणपयावणओ अपटिविरया, ण्णच्चाओ
 कोट्टणपिट्ठणमज्जणतालणवह्वघपरिकिलेमाओ प-
 टिविरया जावज्जीचाण ण्णच्चाओ अपटिविरया, ण्ण-
 च्चाओ ण्हाणमहणवण्णगरिलेणसदफरिसरसरुवग-
 धमल्लालकाराओ पटिविरया जावज्जीचाण ण्णच्चाओ
 अपटिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
 चहिया कम्मता परपाणपरियावणकरो कज्जति

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोसेण अरुचुण कप्पे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसिं गई वावोस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि
एहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवपएसिया
३ अव्यत्तिया ४ सामुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्धिया इच्चेते सत्त पवयणणिप्रहगा
केवललचरियालिगसामरणा मिच्छदिट्ठी यहहिं
असवभावुवभावणाहि मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुगाहेमाणा वुप्पाए-
माणा विहरित्ता यह्ठ वामाइ सामरणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति ।
तेहि तेसि गई एकतीम सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मशालया धम्मिद्धा धम्मसुद्धा धम्मपलोद्ध
धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मेण चैव वित्ति
कणेमाणा सुमीला सुव्वया सुप्पटियाणदा साह
 एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जी
 याए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोसाओ] कलहाओ अम्म-
 स्वाणाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ थरइरईओ
 मायामोसाओ मिच्छादमणसल्लाओ पडिविरया
 जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरभसमारभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
 पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 गोहणपिट्ठणनज्जणतालणवहचघपरिकिलेसाओ प-
 डिविरया जावज्जीयाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ ण्हाणमइणवण्णगत्रिलेणमइफरिसरसरुवग-
 घमलालकाराओ पडिविरया जावज्जीयाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तइप्पगारा सावज्जजोगो-
 वट्ठिया कम्मता परपाणपरियावणकरो कज्जति

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
 मामे काल किच्चा उक्कोमेण अरुचुण कप्पे आभि
 ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
 तेसिं गई वावीम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सरिणवेसेसु शि-
 र्हगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवणसिया
 ३ अव्वत्तिया ४ सामुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
 नेगमिया ७ अवद्धिया इच्चेते सत्त पवयणणिग्रहा
 केवललचरियालिंगसामण्णा मिच्छदिट्ठी बट्ठहिं
 असवभावुग्भावणाहिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य
 अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा वुप्पाए-
 माणा विहरित्ता बट्ठ वासाइ सामणपरियाग
 पाउणाति २ कालमासे काल किच्चा उक्कोमेण
 उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
 तेहिं तेसिं गई एक्कतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
 लोगस्म अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सरिणवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपल्लो धम्मिद्धा, धम्मपल्लो धम्मपल्लो
धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो धम्मपल्लो
कप्पेमाणा सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणदा माह
 एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जो-
 चाए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग्ग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अग्ग-
 र्गणाओ पेसुण्णाओ परपरिचायाओ अरहरईओ
 मायापोसाओ मिच्छादमणसल्लाओ पडिविरया
 जावज्जोवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरमसमारंभाओ पडिविरया जावज्जोवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकाराण्णाओ
 पडिविरया जावज्जोवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जोवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणपिट्ठणतज्जणतालणरहवंपरिकिलेसाओ प-
 डिविरया जावज्जोवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 चाओण्हाणमइणवण्णगविलेणसइफरिसरसरुवग-
 धमल्लालकाराओ पडिविरया जावज्जोवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तरप्पगारा सावज्जो गो-
 चरिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जति

२ त्ता तस्म ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोसेण अच्चुए कप्पे आभि
ओगिण्णु देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसिं गई बावीस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु णि-
एहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवणसिया
३ अव्वत्तिया ४ सामुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अबद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिप्रहगा
केवललचरियालिंगसामणणा मिच्छदिट्ठी बहहिं
असम्भावुम्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहि य
अप्पाण च पर च तदुभयचतुग्गाहेमाणा वुप्पाए-
माणा विहरित्ता बह्ठ वासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहिं तेसिं गई एकतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्मपल्लया धम्मिहा धम्मसुद्धा धम्मपलोह
धम्मपल्लया धम्मसमुदायारा धम्मेषां चैव चित्ति
कप्पेमाण सुमीला सुव्वया सुप्पडियाणदा साह
 एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जी
 वाए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाए परिग्ग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोमाओ] कलहाओ अब्भ-
 रत्ताणाओ पेतुण्णाओ परपरिचायाओ अरहरहओ
 मायामोमाओ मिच्छादसणमल्लाओ पडिविरया
 जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरभसमारंभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
 पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणविट्ठणतज्जणतालणवहवधपरिकिलेसाओ प-
 डिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ णहाणमहणवण्णगविलेयणसहफरिसरमरुवग-
 धमल्लालंकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
 चहिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

२ सा तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मामे काल किञ्चा उक्कोमेण अरुचुण कप्पे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताण उववत्तारो भवति, तेहिं
तेसि गई वाचीम सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु णि
एहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवणसिया
३ अव्यत्तिया ४ साम्मच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्धिया इच्छेते सत्त पवयणणिप्रहगा
केवललचरियालिगसामण्णा मिच्छदिट्ठी बहृहिं
असम्भावुम्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य
अप्पाण च पर च तदुभयचवुग्गाहेमाणा वुप्पाए-
माणा विहरित्ता बहृइ चासाइ सामण्णपरियाग
पाउणति २ कालमामे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहिं तेसिं गई एक्कतीस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्म अणाराहगा मेम त चेव ॥ १९ ॥

से ज्जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

वन्नाणुया धम्मिद्वा धम्मस्सार्द्धं धम्मपलोर्द्धं
धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मेणं चैव विस्ति
कप्पेमाणा सुमीला सुव्वया सुप्पडिघाणदा साह
 ण्णचाग्रो पाण्डवायाग्रो पटिविरया जावज्जी
 याण, एगच्चाग्रो अपटिविरया एव जाव परिग्ग-
 हाग्रो २ ण्णचाग्रो कोहाग्रो माणाग्रो भायाग्रो
 नोहाग्रो पेज्जाग्रो [दोमाग्रो] कलहाग्रो अब्भ-
 म्माणाग्रो पेत्तुणाग्रो परपरिचायाग्रो अरहरर्द्धग्रो
 भायामोसाग्रो मिच्छादमणसल्लाग्रो पटिविरया
 जावज्जीवाण ण्णचाग्रो अपटिविरया, एगच्चाग्रो
 आरमसमारभाग्रो पटिविरया जावज्जीवाण ण्ण-
 चाग्रो अपटिविरया, एगच्चाग्रो करणसारावणाग्रो
 पटिविरया जावज्जीवाण ण्णचाग्रो अपटिविरया,
 एगच्चाग्रो पयणपयावणाग्रो पटिविरया जावज्जीवाण
 ण्णचाग्रो पयणपयावणाग्रो अपटिविरया, एगच्चाग्रो
 कोट्टणपिट्ठणनज्जणतालणग्गवधपरिकिलेमाग्रो प-
 टिविरया जावज्जीवाण ण्णचाग्रो अपटिविरया, एग-
 चाग्रो ण्णमहणवण्णगविलेणमहपरिसरसख्वग-
 धमल्लालकाराग्रो पटिविरया जावज्जीवाण एगच्चाग्रो
 अपटिविरया, जे पावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
 चट्टिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

२ ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कता काल
मासे काल किञ्चा उक्कोसेण अचुण रूपे आभि
ओगिणसु देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति, तेहि
तेमि गई घावोस सागरोवमाइ ठिई परलोगस्स
अणाराहगा, सेस त चेव ॥ १८ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेमेसु णि-
एहगा भवति, त जहा-१ बहुरया २ जीवपएसिया
३ अव्यत्तिया ४ साम्मुच्छेइया ५ दोकिरिया ६
तेरासिया ७ अवद्विया इच्चेते मत्त पवयणणिप्रहगा
केवललचरियालिगसामणणा मिच्छदिट्ठी यद्दहिं
असम्भावुम्भावणार्हिं मिच्छत्ताभिणिवेसेहिं य
अप्पाण च पर च तदुभयचचुग्गाहेमाणा चुप्पाण-
माणा विहरित्ता यद्दइ घासाइ सामणपरियाग
पाउणति २ कालमासे काल किञ्चा उक्कोसेण
उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवति ।
तेहि तेसिं गई एक्कतोस सागरोवमाइ ठिई पर-
लोगस्स अणाराहगा सेस त चेव ॥ १९ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव सण्णवेसेसु मणुया
भवति, त जहा-अप्पारभा अप्परिग्गहा धम्मिया

धम्माणुया धम्मिद्वा धम्मस्पाई धम्मप्पलोई
धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मेणं चेव विस्ति
कप्पेमाणा सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणदा साह
 एगच्चाओ पाणाइचायाओ पडिविरया जावज्जी
 वाए, एगच्चाओ अपडिविरया एव जाव परिग्ग-
 हाओ २ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ
 लोहाओ पेज्जाओ [दोसाओ] कलहाओ अग्ग-
 कत्ताणाओ पेसुण्णाओ परपरिचायाओ अरहरईओ
 मायामोसाओ मिच्छादमणमह्हाओ पडिविरया
 जावज्जोवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 आरभसमारभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एग-
 च्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ
 पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया,
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए
 एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ
 कोट्टणपिट्ठणतज्जणतालणवहवधपरिकिलेमाओ प-
 डिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एग-
 च्चाओ ण्हाणमद्दणवण्णगविलेवणसहफरिसरसरूवग-
 धमल्लालकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ
 अपडिविरया, जे यावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगो-
 वहिया कम्मता परपाणपरियावणकरा कज्जंति

तथो वि जाव ण्गच्छाथो पटिरिरया जावजीवाए
एगच्छाथो अपडिविरया ।

त जहा.— समणोवासगा भवति, अभिगय
जीवाजीवा उवलद्धपुण्णवा आसवसवरनिज्जरकि-
रियाअहिगरणधधमोअग्गुसला असहेज्जाओदेग-
सुरणागजक्खरग्गवसक्खिरकिपुरीसगम्लगधअम-
होरगाइणहि देवगणेहिं निग्गथाओ पावयणाओ
अणटक्कमणिज्जा निग्गये पावयणे णिस्सकिया णिक्क-
खिया निच्चित्तिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा
अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिजपेमाणुरागरत्ता
“अयमाउसो ! निग्गये पावयणे अट्ठे अय परमट्ठे
सेसे अणट्ठे” उमियफलहा अवगुयट्ठुवारा चियत्त-
तेउरपरघरदारप्पवेमाचउदसट्ठमुद्धिट्ठपुण्णमासिणी
सु पडिपुण्ण पोमह सम्म अणुपालेमाणा समणे
निग्गथे फासुणसणिज्जेण असणपाणग्वाइमसाइमेण
वत्थपडिग्गहकथलपायपुउणेण ओसहभेमज्जेणं
पडिहारणं य पीढफलगसेज्जासथारण्ण पडिलाभे-
माणा विहरति २ ता भत्त पचअत्ति ते यहइ
भत्ताइअणसणाण छेदेति छेदिता आलोइयपडिक्कता
समाहिपत्ता कालमासे काल किद्या उक्कोसेण
अच्चुण कप्पे देवत्ताए उववत्तारो भवति, तेहिं

तेसि गड् वावीसं सागरोवमाइ ठिई आराहया
सेस तहेव ॥ २० ॥

सेजे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु मणुया
भवति, त जहा — अणारभा अपरिग्गहा धम्मिया
जाव कप्पेमाणा सुम्मीला सुब्बया सुपडियाणदा
साह सव्वाओ पाणाडवायाओ पडिविरया जाव
सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया सव्वाओ कोहाओ
माणाओ मायाओ लोभाओ जाव मिच्छादसण-
सल्लाओ पडिविरया सव्वाओ आरभसमारभाओ
पडिविरया सव्वाओ करणकारावणाओ पडिविरया
सव्वाओ पयणपयावणाओ पडिविरया सव्वाओ
कुक्षणपिट्ठणतज्जणतालणवह्वधपरिकिलेसाओ पडि-
विरया सव्वाओ ण्हाणमहणवण्णगविलेवणसद्वक-
सरसरुवगधमल्लालकाराओ पडिविरया जेयावणो
तहप्पगारा सावज्जजोगोवहिया रुम्मता परपाण-
परियावणकरा कज्जति तओ वि पडिविरया
जावज्जीवाण ।

से जहा णामण अणगारा भवति:—इरियास-
मिया भीसासमिया जाव इणमेय निग्गथ पावयण
पुरओकाड विहरति ।

तेसि ए भगवंताणं एएण विहारेण विहरमा-

णाण अत्येगइयाण अणते जाव केवलवरनाणदसणे समुप्पज्जइ । ते षट्ठइ चासाइ केवलपरियाग जाव पाउणति पाउणि ता भत्ता पच्चग्गति भत्ता ता षट्ठइ भत्ताइ अणमणाए छेदेन्ति छेदि ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव अत करति ।

जेमिं पि य ण एगइयाण गो केवलवरननाण-
दसणे समुप्पज्जइ ते षट्ठइ चामाइ उउमत्थपरियाग
पाउणति पाउणि ता आयाहेउप्पण्णे वा अणुप्पण्णेवा
भत्ता पच्चग्गति । ते षट्ठइ भत्ताइ अणसणाए छेदेन्ति
छेदि ता जस्सट्ठाए कीरइ णग्गभावे जाव तमट्ठमारा-
हित्ता चरिमेहिं उसामणीसामेहि अणत अणुत्तर
निव्वाघाय निरावरणं कसिण पडिपुण्ण केवल-
वरनाणदसण उप्पाडिनि, तयो पच्छा सिज्झिहिति
जाव अत करेहिति ।

एगच्चा पुण एगे भयनारो पुब्बकम्मावसेसेण
कालमामे काल किंचा उक्खोसेण सण्डसिद्धे महा-
विमाणे देवत्ताए उवचत्तारो भवति, तेहि तेसिं गई
तेत्तीस सागरोविमाइ ठिई, आराहगा, सेस त
चेव ॥ २१ ॥

सेज्जे इमे गामागर जाव मणिवेसेसु मणुया
भवति, त जहा—सव्वकामविरया सव्वरागविरया

सव्वेसगातीता सव्वसिणेहाइक्कता अक्कोहा निकोहा
हा एवखीणक्को माणमायालोहा अणुपुब्बेण अट्ठ
कम्मपयडीओ खवेत्ता उप्पिं लोयग्गपइट्ठाणा
हवति ॥२२॥

(सू० ४२) अणगारे ण भते भावियप्पा केव-
लिसमुग्घाएण समोहणित्ता केवलकप्प लोय
फुसित्ता ण चिट्ठइ ? एता चिट्ठइ ।

से णूण भते ! केवलकप्पे लोण तेहि निज्जरापो-
ग्गलेहि फुडे ? एता फुडे ॥ १ ॥

छडमत्थे ण भते ! मणुस्से तेसि णिज्जरापो-
ग्गलाणं किञ्चि वरणेण वण्ण गधेणंगध रसेण रस
फासेण फासं जाणइ पासइ ? गोयमा ! णो इणट्ठे
समट्ठे ॥२॥

से केणट्ठेण भते ! एव वुच्चइ—‘छडमत्थे ण
मणुस्से तेसि णिज्जरापोग्गलाण णो किञ्चि वरणेण
वरण जाव जाणइ पासइ ?’

गोयमा ! अय ण जजुहीवे दीवे सव्वदीवसमु-
द्धान सव्ववभतरए सव्वखुट्ठाए वट्ठे तेल्लपूयसठा-
णसठिण वट्ठे रहचक्काल सठाणसठिण वट्ठे पुक्ख-
रकणियासठाण सठिण वट्ठे पडिपुण्णचदसठाण-
सठिण एक्क जोयणसयसहस्स आयामविक्खंभेण

तिणिण जोयणमयसहस्साहं सोलमसहस्साइ दोणिण
यसत्तावीसे जोयणसण तिणिण यकोसे अट्ठावीस च
धणुसय तेरस य अगुलाइ अद्गुलिय च किंचि
विसेमाहिणपरिखे घेण पणत्ते ।

देव ण महिद्धीण महज्जुतीए महव्वले महाजसे
महासुक्खे महाणुभावे मणिलेवण गघममग्गय
गिएहइ २ ता त अवदालेइ २ ता जाव इणामे-
वत्ति रुद्धु केवलकप्प जवुद्दीवे दीवे तिहिं अण्णरा-
णिवाणहि तिसत्तारुत्तो अणुपरियट्ठित्ता ण हव्व
मागच्छेज्जा ।

से णूण गोयमा ! से केवलरूपे जवुद्दीवे दीवे
तेहि घाणपोग्गलेहिं फुडे ? एता फुटे ।

छउमत्थे ण गोयमा ! मणुस्से तेसिं घाणपो
ग्गलाण किंचि वण्णेण वण्ण जाव जाणइ पासइ ?
अगच ! णो इणट्ठे ममट्ठे ।

से तेणट्ठेण गोयमा ! एय वुच्चइ—छउमत्थे ण
मणुस्से तेसिं णिज्जरापोग्गलाण णो किंचि वण्णेण
वण्ण जाव जाणइ पासइ ।

एसुहुमा ण ते पोग्गलापणत्ता, समणाजसो !
सव्वलोय पि य ए ते फुसित्ता ण चिट्ठति ॥३॥

कम्हा ण भते ! केवली समोहणति ? कम्हा

णं केवली समुग्घाय गच्छंति ? गोयमा ! केवलीणं
चत्तारि कम्मंसा अपलिकलीणा भवति, त जहा:-
(१) वेपणिज्जं (२) आउयं (३) णाम (४)
गोत्तं ।

सव्ववट्टए से वेपणिज्जे कम्मे भवइ,
सव्वत्थोवे से आउए कम्मे भवइ, ।
विसम समं करेइ वधणेहि ठिईहि य,
विसमसमकरणयाए वधणेहि ठिईहि य ।

एव खलु केवली समोहणंति एव खलु केवली
समुग्घाय गच्छंति ॥ ४ ॥

सव्वेवि णं भते ! केवली समुग्घायं गच्छंति ?
णो इणढे समढे,
'अकिरिया ण समुग्घाय, अणंता केवली
जिणा जरामरणविप्पमुक्का, सिद्धिं वरगइं
गया ॥१॥

कइसमए णं भंते ! आउलीकरणे पणणत्ते ?
गोयमा ! अमपेज्जसमइए अतोमुट्ठिए पणणत्ते
॥ ५ ॥

केवलिसमुग्घाए ण भंते ! कइसमइए पणणत्ते ?
गोयमा ! अट्ठसमइए पणणत्ते । त जहा-पढमे समए
दंड करेइ । बिइए समए कवाडं करेइ । तईए समए

मध करेइ । चउत्ये समण लोय पूरेइ । पचमे समण
लोय पडिसाहरइ । छट्ठे समण मध पटिसाहरइ ।
सत्तमे समण कवाह पडिसाहरइ । अट्ठमे समण
दड पडिसाहरइ तथो पच्छा मरीत्ये भयइ ॥६॥

से ण भते ! तहा समुग्घाय गण किं मणजोग
जुजइ ? वेयजोग जुजइ ? काययोग जुजइ ? गोयमा !
णो मणजोग जुजइ, णो वेयजोग जुजइ कायजोग
जुजइ, कायजोग जुजइ ॥७॥

कायजोग जजमाणे कि थोराणियमरीरकाय-
जोग जुजइ ? थोराणियमिस्ससरीरकायजोग
जुजइ ? वेडव्वियसरीरकायजोग जुजइ ? वेडव्विय-
मिस्ससरीरकायजोग जुजइ ? आहारगमरीरकाय-
जोग जुजइ ? आहारगमिस्समरीरकायजोग जुजइ ?
कम्मसरीरकायजोग जुजइ ? गोयमा ! थोराणिय-
सरीरकायजोग जुजइ, थोराणियमिस्ससरीरकाय-
जोगपि जुजइ, णो वेडव्वियसरीरकायजोग जुजइ
णो वेडव्वियमिस्ससरीरकायजोग जुजइ, णो आहा-
रगमरीरकायजोग जुजइ णो आहारगमिस्ससरी-
रकायजोग जुजइ कम्मसरीरकायजोग पि जुजइ,
पढमट्ठमेसु समणसु थोराणियसरीरकायजोग जुजइ
पिइयछट्ठसत्तमेसु समणसु थोराणियमि-

स्ससरीरकायजोग जुज्झइ तइयचउत्थपंचमेहिं
कम्मसरीरकायजोगं जुंजइ ॥८॥

से णं भते ! तहा समुग्घायगए सिज्झइ
बुज्झइ मुच्चइ परिणिव्वयाइ सब्बदुक्खाणमंत
करेइ ? णो इणट्ठे समट्ठे, से णं तओ पडिणियत्तइ,
२ ता इहमागच्छइ, २ ता तओ पच्छा मणजोगं
पि जुंजइ वयजोग पि जुजइ कायजोग पि जुजइ ।

मणजोग जुंजवाणेकि सच्चमणजोगं जुजइ ?
मोसमणजोग जुजइ ? सच्चामोसमणजोग जुजइ ?
असच्चामोसमणजोग जुजइ ? गोयमा ! सच्चमण-
जोग जुज्झइ, णो मोसमणजोग जुज्झइ, णो
सच्चामोसमणजोग जुजइ असच्चामोसमणजोग
पि जुंजइ ।

वयजोगं जुजमाणेकिं सच्चवइजोग जुजइ ?
मोसवइजोग जुजइ ? सच्चामोसवइजोगं जुजइ ?
असच्चामोसवइजोग जुजइ ? गोयमा, सच्चवइजोग
जुंजइ, णो मोसवइजोग जुजइ, णो सच्चामोसवइ-
जोग जुजइ असच्चामोसवइजोग पि जुजइ ।

कायजोग जुजमाणे आगच्छेज्ज वा चिट्ठेज वा
णिसीएज्ज वा तुयट्ठेज वा उल्लंघेज्ज वा पल्लघेज्ज
वा उरुखेवण वा परुखेवण वा तिरियरुखेवण वा

करेज्जा पाडिहारिय चा पीढफलगमेज्जासधारग
पच्चप्पिणेज्जा ।

(सू० ४३) से ण भते ! नहासजोगी सिज्झइ
जाव अत करेइ ? णो इण्ठे समट्ठे ।

से ण पुज्जामेव सण्णिमस्स पच्चिदियस्स पज्ज
त्तागस्स जहण्णजोगस्स हेठ्ठा असग्गेज्जगुणपरि
हीण पढमं मणजोग निरुभइ, तथाणतर च ण
चिंदियस्स पज्जत्तागस्स जहण्णजोगस्स हेठ्ठा
असग्गेज्जगुणपरिहीण विट्ठय चइजोग निरुभइ,
तथाणतरं च सुहुमस्स पणगजीवस्स अपज्जत्त
गस्स जहण्णजोगस्स हेठ्ठा असग्गेज्जगुणपरिहीण
तइय कायजोग णिरुभइ ।

से ण एण्ण [पउत्तेण] उवाण्ण पढम मणजोग
णिरुभइ २ ता घयजोग निरुभइ २ ता कायजोग-
निरुभइ कायजोग निरुभइत्ता जोगनिरोह
करेइ, २ ता अजोगत्ता पाउणई, २ ता ईसिंहस्स-
पचक्खरुच्चारणद्धाए असग्गेज्जसमईय अतोमुहु-
त्तिथ सेलेसिं पटिधज्जई, पुब्बरइयगुणसेदीय च
ण कम्मं तीसे सेलेसिमद्धाए असग्गेज्जाहिं गुणसे-
दीहिं अणते कम्मसे खवेति येषणिज्जाउयणाम
गोए ईच्चेते चत्तारि कम्म से जुगव खवेई, २ ता

ओरालिपतेयरुम्माइ सव्वारिं विप्पजहणारिं विप्प-
जह्द, २ ता उज्जूसेदीपडिवण्णे अफुसमाणगई
उड्ढं एकस्मएण अविग्गरेण [उड्ढ] गता सागा-
रोवउत्ते सिज्झई ।

ते ण तत्थ सिद्धा एवंति सादीया अपज्जवसिया
असरीरा जीवघणा दसणनाणोचउत्ता निट्ठिपट्ठा
निरेयणा नीरया णिम्मलवितिमिरा विसुद्धा साम-
यमणागयद्ध कालं चिट्ठति ।

से केणट्ठेण भते ! एव बुच्चई 'ते ण तत्थ
सिद्धा भवति सादीया अपज्जवसिया जाव चिट्ठति'?
गोयमा ! से जहा णामए बीयाण अग्गिदड्ढाण
पुणरवि अकुरुप्पत्ती ण भवइ, एवामेव सिद्धाणं
कम्मवीण दड्ढे पुणरवि जम्मुप्पत्ती ण भवई । से
तेणट्ठेणं गोयमा ! एव बुच्चई-ते ण तत्थ सिद्धा
भवति सादीया अपज्जवसिया जाव चिट्ठति ।

जीवा ण भते ! सिज्झमाणा कयरं भिसंघयणे
सिज्झन्ति ? गोयमा ! चइरोसभणारायसंघयणे
सिज्झन्ति ।

जीवा ण भते ! सिज्झमाणा कयरमि संठाणे
सिज्झन्ति ? गोयमा ! छण्ह संठाणाण अरण्यरे
सठाणे सिज्झन्ति ।

जीवा ण भते ! सिज्झमाणा कयरम्मि उच्चत्ते
सिज्झति ? गोयमा ! जहण्णेण मत्तरयणीण उक्को-
सेण पचघणुमइण सिज्झति ।

जीवा णं भते ! सिज्झमाणा कयरम्मि आउण
सिज्झति ? गोयमा ! जहण्णेण साइरेगट्टवामाउण
उक्कोसेण पुच्चकोट्टियाउण सिज्झति ।

अत्थि ण भते ! इमीसे रयणप्पहाण पुढवीण
अहे सिद्धा परिवसति ? णो इणट्ठे समट्ठे, एव जाव
अहे सत्तमाण ।

अत्थि ण भते ! सोहम्मस्म कप्पस्म अहे सिद्धा
परिवसति ?—णो इणट्ठे समट्ठे, एव सत्थेसिं पुच्छा,
ईसाणस्स मणकुमारस्स जाय अच्चुयस्स गेवेज्जवि
माणाण अणुत्तरविमाणाण ।

अत्थि ण भते ! ईसोपब्भाराण पुढवीण अहे
सिद्धा परिवसति ?, णो इणट्ठे समट्ठे ।

सं कर्हिं एवाइ ण भते ! सिद्धा परिवसति ?
गोयमा ! इमीसे रयणप्पहाण पुणवोए यहुसमर
मणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढ चदिमसूरियग्गह-
गणणक्खत्तनाराभवणाओ यहुइ जोयणाइ, यहुइ
जोयणसयाइ यहुइ जोयणसरस्साइ यहुइ जोयण
सयसरस्साइ यहुओ जोयणकोटीओ यहुओ जोय

णकोडाकोडीओ उद्धृतर उप्पइत्ता सोहम्मीसाण
 सणं कुमारमारिंदयभलतगमहासुक्कसहस्सारआण-
 यपाणयआरणच्छुय तिणिण य अट्टारे गेविज्जविमा-
 णावाससण वोढइत्ता विजयवेजयतजयनअपराजि-
 यसव्वउठसिद्धस्स य मराविमाणस्स सव्वउवरि-
 ह्हाओ थूभियग्गाओ दुवालसजोयणाइ अवाहाण
 एत्थ णं ईसीपव्वभारा णाम पुढवी पणत्ता पणघा
 लीस जोयणसयसहस्साइ आयामविस्सभेण एगा
 जोयणकोटी धायालीस [च] सयसहस्साइ तीसं
 च न्हस्सइ दोणिण य अउणापण्णे जोयणसए
 किंचि विसेसारिण परिरएण ।

ईसीपव्वभाराण ण पुढवीण बहुमज्झदेसभाण
 अट्टजोयणिण ग्वेत्ते अट्ट जोयणाइ वाहल्लेणं, तयाण-
 तर च ण मायाण २ परिहायमाणो २ मव्वेसु चरि-
 मपेरतेसु मच्छिउयपत्ताओ तणुयतरा अंगुलस्स
 अस्सप्रेज्जइभाग वाहल्लेण पणत्ता ।

ईसीपव्वभाराण ण पुढवीण दुवालस णामधेज्जा
 पणत्ता, त जहा—ईसी इ वा ईसीपव्वभारा इ वा
 तणू इ वा तणुतणू इ वा सिद्धी इ वा सिद्धालय इ
 वा मुत्तिी इ वा मुत्तालण इ वा लोयग्गे इ वा

जीवा ण भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि उच्चसे
सिज्झति ? गोयमा ! जहण्णेण सत्तरयणीए उक्को-
सेण पचधाणुमइए सिज्झति ।

जीवा ण भंते ! सिज्झमाणा कयरम्मि आउए
सिज्झति ? गोयमा ! जहण्णेण साइरेगट्टासाउए
उक्कोसेण पुवकोट्टियाउए सिज्झति ।

अत्थि ण भंते ! इमीसे रयणप्पहाए पुढवीए
अहे सिद्धा परिवसंति ? णो इणट्ठे समट्ठे एव जाव
अहे सत्तमाए ।

अत्थि ण भंते ! मोहम्मस्स कप्पस्स अहे सिद्धा
परिवसति ?—णो इणट्ठे समट्ठे, एव सन्वेसिं पुच्छा,
ईसाणस्स सणकुमारस्स जाव अञ्चुयस्स गेवेज्जवि
माणाण अणुत्तरविमाणाण ।

अत्थि ण भंते ! ईमीपब्भाराए पुढवीए अहे
सिद्धा परिवसति ? , णो इणट्ठे समट्ठे ।

मे कर्हिं खाइ ण भंते ! मिद्धा परिवसति ?
गोयमा ! इमीसे रयणप्पहाए पुणवीए बहुसमर
मणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्डु चदिमसूरियग्गह-
गणणक्खत्तताराभवणाओ यहइ जोयणाइ, यहइ
जोयणसपाइ यहइ जोयणसहस्साइ यहइ जोयण
सयसहस्साइ यहओ जोयणकोडीओ यहओ , जोय

णकोडाकोडीओ उड्ढतर उण्डत्ता मोहम्मीसाण
 सणंङ्कुमारमारिंदयभलतगनहासुक्कसहस्सारआण-
 यपाणयआरणच्छुय तिणिण य अट्टारे मेविज्जविमा-
 णावाससण वोईहत्ता विजयवेजयतजघंनअपराजि-
 यसव्वठ्ठसिद्धस्स य महाविमाणस्स सव्वउवरि-
 ह्ताओ थूभियग्गाओ दुवालसजोयणाइ अवाहाए
 एत्थ णं ईसीपम्भारा णाम पुढवी पणत्ता पणया-
 लीस जोयणसयसहस्साइ आयामचिरुत्तंमेण एगा
 जोयणकोटी वायालीसं [च] सयसहस्साइ तीसं
 च महस्साइ दोणिण य अउणापण्णे जोयणसए
 किंचि विसेसाहिण परिरण्ण ।

ईसीपम्भाराए ण पुढवीए बहुमज्झदेसभाए
 अट्टजोयणिए गेत्ते अट्ट जोयणाइ बाहल्लेणं, नयाणं-
 तर च ण मायाए २ परिहायमाणो २ मन्वेसु चरि-
 मपेरतेसु मच्छिउयपत्ताओ तणुयतरा अगुलस्स
 असंग्गज्जइभाग बाहल्लेण पणत्ता ।

ईसीपम्भाराए ण पुढवीए दुवालस णामधेज्जा
 पणत्ता, त जहा—ईसी इ वा ईसीपम्भारा इ वा
 तणू इ वा तणुतणू इ वा सिद्धी इ वा सिद्धालय इ
 वा मुत्ती इ वा मुत्तालय इ वा लोयग्गे इ वा

लोयग्गधूमिला इ वा लोयग्गपडिवुज्झणा इ वा
मव्वपाणभूयजोवसत्तसुहावहा इ वा ।

ईसीपव्वभारा ण पुढवी सेया सखतलविमल-
सोल्लियमुणालदगरयतुसारगोक्खीरहारवण्णा उत्ता-
णयद्धत्तसठाणसठिया सव्वज्जुणसुवण्णयमाई
अच्छासण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरयाणिम्मला
णिप्पका णिक्ककडच्छाया समरीचिया सुप्पभा पासा-
दीवा दरिसणिज्जा अभिरूया पडिरूवा ।

ईसीपव्वभाराण ण पुढवीए मीयाए जोयणमि
लोगते । तस्स जोयणस्स जे से उवरिल्ले गाडण
तस्स ण गाडयत्तम जे से उवरिल्ले छव्वभागे तत्थ
ण मिद्धा भगवतो सादिया अपज्जवसिया अण्णेग-
जाइजरामरणजोणियेयण मसारकलकलीभावपु-
णव्वभवगव्वभासवसहीपवचं अइक्कता सासयमणा-
गयद्ध चिट्ठति ।

कहिं पडिहया सिद्धा ? कहिं सिद्धा पइठिठया ? ।
कहिं बोदि चइत्ता ण, कत्थ गतूण सिज्झई ॥ १ ॥
अलोगे पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पडिट्ठिया ।
इहयोदि चइत्ता ण, तत्थ गतूण सिज्झई ? ॥ २ ॥
ज सठाण तु इह भव चय तस्स चरिमसमयमि ।
आसी य पएसघण त सठाण तहिं तस्स ॥ ३ ॥

दीहं वा हस्त वा ज चरिमभवे हवेज्ज सठाण ।
 तत्तो तिभागहीण सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥ ४ ॥
 तिणिण सया तेत्तीसा धणुत्तिभागो य होइ वोद्धव्वा ।
 एसा खलु सिद्धाण उक्कोमोगाहणा भणिया ॥ ५ ॥
 चत्तारि य रयणीओ रयणितिभागूणिया य वोद्धव्वा ।
 एसा खलु सिद्धाण मज्झिमयोगाहणा भणिया ॥ ६ ॥
 एक्का य होइ रयणी साहीवा अगुलाइ अट्ट भवे ।
 एसा खलु सिद्धाण जहण्णयोगाहणा भणिया ॥ ७ ॥
 योगाहणाण सिद्धा भवत्तिभागेण होइ परिहीणा ।
 सठाणमणित्थ जरामरणविप्पमुक्काण ॥ ८ ॥
 जत्थ य एगोमिद्धो तत्थ अणता भवत्तखयविमुक्का ।
 अण्णोण्णसमोगाढा पुट्टा सब्बे य लोगते ॥ ९ ॥
 फुसइ अणते सिद्धे सब्बपण्णसेहि णियमसा सिद्धो ।
 ते वि असखेज्जगुणा देसपण्णसेहिं जे पुट्टा ॥ १० ॥
 असरीरा जीवघणा उवउत्ता दंसणे य णाणे य ।
 सागारमणागार लक्खणमेय तु सिद्धाण ॥ ११ ॥
 केवलणाणुवउत्ता जाणहि सब्बभावगुणभावे ।
 पासंति सब्बओ खलु केवलदिट्ठीअणतारिं ॥ १२ ॥
 णवि अत्थि माणुसाण त सोकरणविय सब्बदेवाण ।
 ज सिद्धाण सोत्तख अव्वायाह उवगयाण ॥ १३ ॥

ज देवाण सोरूप मज्जद्वापिण्डिय अणतगुण ।
 ण य पावइ सुत्तिसुह णतारिं वग्गवग्गहि ॥ १४ ॥
 मिद्धस्स सुहो रासो मज्जद्वापिण्डियो जइ हवेज्जा ।
 सोणतवग्गभइओ मव्यागामे ण माणज्जा ॥ १५ ॥
 जह णाम कोइ मिच्छो णगरगुणे णहुविहेविघाणतो ।
 ण चणइ परिकहेउ उवमाण तहि असतोण ॥ १६ ॥
 इय सिद्धाण सोरूप अणोयम णत्थि तस्स ओवम्म ।
 किंचि त्तिसेसेणेतो ओवम्ममिण सुणह वोच्च ॥ १७ ॥
 जह सज्जकादगुणिय पुरिमो भोत्तूण भोयण कोइ ।
 तणहाहुहाविमुको अन्धेज्ज जहा अमियतित्तो ॥ १८ ॥
 इय सच्चकालतित्ता अतुल निव्वाणमुवगया सिद्धा ।
 सासयमव्यायाह चिट्ठति सुही सुह पत्ता ॥ १९ ॥
 सिद्धत्ति य कुद्धत्ति य पारगयत्ति य परपरगयत्ति ।
 उम्मुक्करुम्मकवया अजरा थमरा थमगा य ॥ २० ॥
 णिच्छिण्णमज्जदुक्खा जाइजरामरणवधणविमुक्का ।
 अव्यायाह सुग्ग अणुहोमी सामय सिद्धा ॥ २१ ॥
 अतुलसुहसागरगया अव्यायाह अणोयम पत्ता ।
 मव्यमणागयमद्व चिट्ठति सुहो सुह पत्ता ॥ २२ ॥

ॐ उवगाई उवग समत्ता ॐ



भ भवतु ।

जीवन कार्यालय अजमेर के स्थाई ग्राहक और पत्र व्यवहार के नियम

- (१) स्थाई ग्राहक बनने की प्रवेश- फीस एक रुपया ।
 - (२) " माला " की पुस्तकें प्रकाशित होने पर १५ दिना पहले मूल्य आदि का "सूचना-पत्र" भेज देने के बाद ग्राहकों को २५) मीरदा कमीशन काट कर वी० पी० भेजी जाती है ।
 - (३) एक रुपया से कम की वी० पी० नहीं भेजी जाएगी ।
 - (४) आर्डर भेजते समय स्पष्ट लिखना चाहिए कि पुस्तकें रेल से या डाक से किस प्रकार भेजी जायें ।
 - (५) पुस्तकें मंगाकर वापस करने पर नुकसान तथा डाक महसूल कुल खर्च मगाने वाल से वसूल किया जावेगा, अत आर्डर देने से पूर्व बहुत सावधानी से पुस्तकें मगानी चाहियें ।
 - (६) धीरे-धीरे पत्र नहीं लिखे जायेंगे और न पत्र के साथ भेज हुए टिकटों की कोई जिम्मेदारी कार्यालय पर होगी ।
 - (७) आर्डर भेजते समय मुकाम, डाकखाना तथा जिला व रेलवे स्टेशन बहुत साफ, व स्पष्ट लिखना चाहिये ।
 - (८) यदि किसी वी० पी० में भूल जान पड़े तो उसे लौटाना नहीं चाहिये, वी० पी० सुझाकर हमें हुरमा लियें, मूल ठीक कर देंगे ।
- नोट—हिन्दी की भाषा सभी प्रसिद्ध २ प्रकाशकों की पुस्तकें उचित मूल्य पर जीवन कार्यालय अजमेर में सदैव मिल सकेंगी ।

पत्र व्यवहार का पता

पटित छोटेलाटा यति

जीवन कार्यालय (तारधर के पाछे) अजमेर